शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 60 | गुवाहाटी | सोमवार, 25 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एजेपी ने असम यात्रा के नाम पर बांग्लादेशी मुसलमानों को एकजुट किया : भाजपा पेज 3

मन की बात में पीएम मोदी ने चंद्रयान-3 और जी-20 की सफलता को... पेज 4

एक किलो गोबर से बन रही पांच हजार रुपए तक की एंटीरेडिएशन चिप : सर्वजीत पेज 5

देश और धर्म के लिए संगठित होकर कार्य करें : गजेन्द्र सिंह शेखावत पेज 8

पूर्वांञ्चल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

नौ वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी

रेलवे गरीब और मध्यवर्ग की सबसे बेहतर सहयात्री : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि रेलवे गरीब और मध्यवर्ग की सबसे बेहतर सहयात्री है। आज का यह यात्री इज ऑफ ट्रैवलिंग और समय की बचत चाहता है जिसमें वंदे भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन उन लोगों के लिए बहुत सुविधाजनक है जो एक दिन में यात्रा कर दूसरे शहर से अपने घर लौटना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से नौ वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज चलाई जा रही नई ट्रेनें आधुनिक और बेहतर सुविधाओं से युक्त हैं। देश में वंदे भारत के प्रति लोगों का क्रेज बढ़ रहा है। इसमें अब तक एक करोड़ 19 लाख से ज्यादा यात्री सफर कर चुके हैं। आने वाले समय में देश के हर हिस्से को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों से जोड़ा जाएगा। आज सरकार ट्रांसपोर्टेशन पर लगने वाली लागत को कम करने का प्रयास कर रही है। इससे देश का निर्यात भी बढ़ेगा। इसी कारण से अब रेलवे के बजट को कई गुना बढ़ाया गया है। जिन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई गई उनके नाम हैं: उदयपुर- जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस; तिरुनेलवेली-मदुरै-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस; हैदराबाद-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस; विजयवाड़ा-चेन्नई (रेनिगुंटा के रास्ते) वंदे भारत एक्सप्रेस; पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस; कासरगोड-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सेप्रेस; राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस; रांची-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस; जामनगर-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस। ये नौ ट्रेनें 11 राज्यों- राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, झारखंड और गुजरात में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों में रेल मंत्री कौन बनेगा इसको लेकर सबसे अधिक चर्चा होती थी। मंत्री जिस प्रदेश से आता था उस राज्य के लिए सबसे ज्यादा ट्रेन चलाई जाती थी। हालांकि जिन ट्रेनों की घोषणाएं होती थीं वो ट्रेनें कभी पटरी पर नहीं उतरती थीं। उन्होंने कहा कि स्वार्थ की इस सोच ने रेलवे को कम बल्कि देश का ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने 1 अक्तूबर को देश में चलाई जाने वाले स्वच्छता महाभियान की जानकारी देते हुए लोगों से इसमें अधिक से अधिक सहभागिता करने की अपील की। साथ ही उन्होंने गांधी -शेष पृष्ठ दो पर

असम से चलेगी देश की राजनीति और अर्थव्यवस्था : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि एक समय ऐसा आएगा जब देश की अर्थव्यवस्था और राजनीति असम से चलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में मुद्रा स्फिति की दर अन्य राज्यों से कम है। असम की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यह असम के लिए अमृत काल है, जब हर तरफ कार्य हो रहे हैं। हर तरफ शांति है। न कोई हिंसा-प्रदर्शन, ना आंदोलन। मुख्यमंत्री ने कहा की कुछ सोशल मीडिया तथा अन्य मीडिया को छोड़कर कहीं से कोई असंतोष नहीं है। ये बातें आज मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में असम के एक प्रतिष्ठित मीडिया समूह सादिन-प्रतिदिन ग्रुप द्वारा आयोजित -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
विचार न करके कार्य करने वाले व्यक्ति को लक्ष्मी त्याग देती है।
- आचार्य चाणक्य

दो करोड़ से ज्यादा की ड्रग्स जब्त

कछार। असम के कछार जिले में एक बार फिर ड्रग तस्करों के खिलाफ असम पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। असम पुलिस ने बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित दवाएं जब्त कीं। अधिकारियों ने जानकारी दी कि प्रतिबंधित दवाओं की अनुमानित कीमत करीब दो करोड़ रुपए है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान आजाद उद्दीन बारलास्कर (31) के रूप में हुई है। कछार के पुलिस अधीक्षक, नुमल महत्ता ने कहा कि एक गुप्त सूचना के आधार पर कछार जिले की पुलिस की एक टीम ने एक -शेष पृष्ठ दो पर

2024 के नतीजे 2019 से बेहतर होंगे : डॉ. हिमंत

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी इस वक्त अपने सर्वश्रेष्ठ दौर से गुजर रहे हैं और अब तक सबसे शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों को लेकर कहा कि मुझे लगता है कि 2024 के नतीजे 2019 से बेहतर होंगे। अब नंबर -शेष पृष्ठ दो पर

ऊपरी असम में हिंसा भड़काने की कोशिश में जुटा अल्फा (स्वा.)

गुवाहाटी / डिब्रुगढ़। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट अल्फा (स्वा.) ऊपरी असम में हिंसा भड़काने और पुलिसकर्मियों को परेशान करने की योजना बना रहा है। खुफिया सूत्रों ने कहा कि अल्फा (स्वा.) उग्रवादियों के एक समूह ने तिनसुकिया जिले में प्रवेश करने और ऊपरी असम के विभिन्न इलाकों में विस्तार की रणनीति बनाई है। उग्रवादी असम-अरुणाचल सीमा पर एक बड़ी हत्या के प्रयास की योजना बना रहे हैं। सुरक्षा बलों के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि उन्हें रोका जाना चाहिए, अन्यथा राज्य में एक नया नरसंहार -शेष पृष्ठ दो पर

बटद्रवा थान के आठ किमी में बाहरी लोग जमीन नहीं खरीद सकते : सीएम

नगांव (हि.स.)। बटद्रवा थान के 8 किलोमीटर के दायरे में मूल निवासियों के अलावा कोई जमीन नहीं खरीद पाएगा। हम यह कदम अवैध अतिक्रमणकारियों से बटद्रवा थान को बचाने के लिए उठाना चाहते हैं। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज कही। उन्होंने कहा कि हम बटद्रवा थान को हेरिटेज साइट बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अकाशीगंगा के तट पर 200 करोड़ रुपए की लागत से बन रही बटद्रवा परियोजना के पहले चरण का उद्घाटन फरवरी में होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम केंद्रीय गृह मंत्री को परियोजना का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित करेंगे। वहीं से बटद्रवा थान से गुरुजन -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में विद्रोहियों ने तैयार किए सैन्य ट्रक

इंफाल। असम राइफल्स ने मणिपुर पुलिस को पत्र लिखकर कहा है कि काकचिंग जिले में कई ट्रकों पर अर्धसैनिक बल के वाहनों के रंग की तरह पेंट किया गया है और उन पर उसका प्रतीक चिह्न भी लगाया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अर्धसैनिक बल ने चुराचांदपुर के पुलिस अधीक्षक को लिखे पत्र में दावा किया कि कुछ लोगों ने घाटी स्थित -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल में अगले माह से तीन हवाई मार्ग : सिंधिया

इटानगर। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज अरुणाचल प्रदेश के लोहित जिले में अपग्रेडिड तेजू हवाई अड्डे का उद्घाटन किया। मंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि इस साल अक्तूबर तक अरुणाचल प्रदेश में तीन नए हवाई मार्ग चालू हो जाएंगे। सिंधिया ने कहा कि केंद्र की उड़ान-5 योजना के तहत, अरुणाचल के पास होलोंगी में डोनयी पोलो हवाई अड्डे से इटानगर और नई दिल्ली के बीच नई उड़ान सेवाएं शुरू होंगी। असम में इटानगर और जोरहाट के बीच और पूर्वी सियांग -शेष पृष्ठ दो पर

पवार-अडानी मुलाकात के खिलाफ क्या बोलेंगे राहुल ? : हिमंत

नई दिल्ली /गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को पूछा कि क्या राहुल गांधी शरद पवार के खिलाफ बोलेंगे क्योंकि उन्होंने शनिवार को अहमदाबाद में गौतम अडानी से मुलाकात की थी। हिमंत ने इसे सुविधा और ब्लैकमेल की राजनीति बताते हुए कहा कि वह (राहुल गांधी) एक बिजनेसमैन के नाम पर ब्लैकमेल करते हैं ताकि बिजनेसमैन कांग्रेस को पैसा दे। इसीलिए वह बार-बार अडानी का नाम लेते हैं। लेकिन उनके सहयोगी शरद पवार को अडानी के घर पर देखा गया था। क्या वह शरद पवार के खिलाफ बोलेंगे। आप राहुल गांधी के दोहरे चरित्र का अंदाजा लगा सकते हैं। अगर मैं आज अडानी के साथ देखा -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर-म्यांमार सीमा की फेंसिंग करने की तैयारी

नई दिल्ली। भारत-म्यांमार सीमा के एक बड़े हिस्से पर फेंसिंग करने की योजना पर बैठक हुई। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के अधिकारियों ने फेंसिंग करने की योजना पर एक साथ बैठक की। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह द्वारा मीडिया को दिए बयान के बाद इस बैठक का आयोजन किया गया है। संवाददाताओं से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से भारत-म्यांमार सीमा पर मुक्त आवाजाही व्यवस्था को रद्द करने और फेंसिंग करने -शेष पृष्ठ दो पर

कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों पर सख्ती, पोस्टर-बैनर हटाने के आदेश

ओटावा। खालिस्तानी आतंकियों को लेकर भारत सरकार के दबाव का असर कनाडा पर दिखने लगा है। खालिस्तानी समर्थकों पर कनाडा सरकार ने सख्ती करना शुरू कर दिया है। ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में खालिस्तान के समर्थन में लगे होर्डिंग और बैनर महत्वपूर्ण जगहों से हटाने के आदेश दिए गए हैं। खालिस्तानी समर्थकों ने अपने प्रोपेगेंडा को आगे बढ़ाते हुए जगह-जगह पोस्टर लगाए थे। ताकि लोग इनको देखें और प्रभावित हों। लेकिन अब इनको हटाया जा रहा है। ब्रिटिश कोलंबिया प्रांस के प्रमुख इलाकों में भारी संख्या में पोस्टर-बैनर लगाए गए थे। इसके अलावा कनाडा ने अमेरिका सीमा पर भी रह रहे खालिस्तान समर्थक संगठनों को इसी तरीके से अपने प्रोपेगेंडा मटेरियल को हटाने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि खालिस्तानी अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा में तनातनी के चल रही है। निज्जर कोई धार्मिक और सामाजिक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक आतंकवादी था, जो आतंकी प्रशिक्षण शिविर चलाने और आतंकवादी कृत्यों के वित्तपोषण में शामिल था। हरदीप सिंह निज्जर, गुरदीप सिंह उर्फ दीपा हेरनवाला का करीबी सहयोगी था। हेरनवाला 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में पंजाब में लगभग 200 लोगों की हत्या में शामिल था। उधर, कनाडा और भारत के संबंधों में तनाव के बीच भारतीय -शेष पृष्ठ दो पर

कानूनी पेशे में सरल भाषा का इस्तेमाल जरूरी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने रविवार को कानूनी पेशे में सरल भाषा का इस्तेमाल करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि नागरिक उचित फैसला ले सकें और अनजाने में होने वाले उल्लंघनों से बच सकें। यह टिप्पणी उन्होंने *बार काउंसिल ऑफ इंडिया* द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वकीलों के सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए की। न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि कानून विवादों को सुलझाने के लिए होते हैं, न कि खुद विवादित बन जाने के लिए। उन्होंने कहा कि कानून की सरलता यानी आम आदमी द्वारा समझी जाने वाली भाषा के इस्तेमाल के सवाल पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि क्या कानून को गोपनीय बनाने की जरूरत है? क्या कानून एक पहेली होना चाहिए जिसे हल करने की आवश्यकता है? कानून विवादों को हल करने के लिए होते हैं, न कि खुद विवादित हो जाने के लिए। कानून आम आदमी के लिए रहस्य नहीं होना चाहिए। कानून कानूनी विशेषज्ञों -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

असम सरकार ने 2.2 लाख महिलाओं का कर्ज माफ किया

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि कम से कम 2.2 लाख कर्जदार जो अपना ऋण नहीं चुका सके, उन्हें राज्य सरकार की पहल के तहत राहत मिलेगी। राज्य सरकार ने विभिन्न माइक्रोफाइनेंस कंपनियों से राज्य की महिला कर्जदारों के ऋण माफ करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने दो साल पहले असम में विधानसभा चुनाव के दौरान किया गया एक महत्वाकांक्षी चुनावी वादा पूरा किया है। शर्मा ने कहा कि मीडिया के एक वर्ग ने यह भी दावा किया कि हम अपने पहले के चुनावी वादों से पीछे हट गए हैं। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम अपने सभी वादे पूरे कर रहे हैं। जिनका ऋण 31 मार्च, 2021 तक एनपीए हो गए थे, उन्हें राहत मिलेगी। राज्य प्रशासन द्वारा दिसपुर में असम माइक्रोफाइनेंस प्रोत्साहन और राहत योजना के तहत राहत का एक औपचारिक वितरण आयोजित किया गया था। ऐसे उधारकर्ता जिनके खाते 31 मार्च, 2021 को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) में बदल गए थे और जिनकी मूल राशि रुपए तक बकाया थी। 25,000 को इस श्रेणी में लाभ के लिए पात्र माना जाता है। एक आधिकारिक बयान में उल्लेख किया गया है कि राज्य सरकार ऋणदाताओं (माइक्रोफाइनेंस संस्थानों) को मुआवजे के रूप में कुल 291 करोड़ रुपए का भुगतान कर रही है और इस कदम से राज्य भर के कुल लगभग 2.2 लाख उधारकर्ताओं को लाभ होने की उम्मीद है। बदले में संबंधित माइक्रोफाइनेंस संस्थान

उधारकर्ताओं को *अदेयता प्रमाणपत्र* जारी करेंगे, इस तरह बाद वाले को औपचारिक वित्तीय प्रणाली के तहत फिर से ऋण योग्य बना दिया जाएगा। असम माइक्रोफाइनेंस प्रोत्साहन और राहत योजना को देश में अपनी तरह की पहली योजना के रूप में दावा करते हुए शर्मा ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य उन पात्र उधारकर्ताओं को राहत प्रदान करना है, जिन्होंने माइक्रोफाइनेंस संस्थानों और औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से छोटे ऋण लिए थे, लेकिन कुछ परिस्थितियों के कारण, उन्होंने उधार ली गई रकम पूरी नहीं चुका सका। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋण अदायगी में चूक के पीछे प्राथमिक कारण कोविड-19 महामारी परिदृश्य और सीएए विरोधी आंदोलन कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब जब महामारी का दौर और संघर्ष के दिन पीछे छूट गए हैं, तो यह महत्वपूर्ण है कि राज्य में एक स्वस्थ ऋण आदत बनाई जाए। इस कार्यक्रम में असम कैबिनेट के मंत्री अजंता निओग, जयंत मल्लबरुवा, चंद्रमोहन पटोवारी के साथ-साथ कई वरिष्ठ अधिकारी और माइक्रोफाइनेंस संस्थानों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

असम में मीडिया सत्तारूढ़ पार्टी के प्रभाव में नहीं : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि वे मीडिया को कभी नियंत्रित नहीं कर सकते। अगर कोई मेरे खिलाफ लिखता है, तो मैं जीतता हूं। असम में मीडिया सत्तारूढ़ पार्टी के प्रभाव में नहीं है। कांग्रेस शासन के दौरान असम में मीडिया में सेंसरशिप शुरू की गई थी। हम 1974 को नहीं दोहराएंगे। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 रद्द होने के समय भी भाजपा ने मीडिया पर कोई नियंत्रण नहीं रखा था। ये बातें आज मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने प्रतिदिन कांक्लेव 2023 में सवालों का जवाब देते हुए कही। आगामी चुनावों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा 150 सीटों के साथ मध्य प्रदेश में जीतेगी। राजस्थान भी उसी तरह से जीतेंगी। हालांकि, छत्तीसगढ़ में मुकाबला होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के चुनाव परिणामों ने यह साबित कर दिया है। मणिपुर के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि मणिपुर हमारा पड़ोसी राज्य है। असम के मुख्यमंत्री ने कभी भी अन्य राज्यों में आंतरिक संघर्षों पर आवाज नहीं उठाई है। कोई भी गलत कदम असम और मणिपुर के संबंधों को नुकसान पहुंचा सकता है। लेकिन, मुख्यमंत्री संपर्क में थे। असम हमेशा बड़े भाई की तरह काम करता है। मेरा काम यह सुनिश्चित करना है कि भाजपा मणिपुर में दोनों सीटें जीते।

मुंबई एयरपोर्ट पर बम की झूठी कॉल से अफरा-तफरी

मुंबई (हि.स.)। मुंबई एयरपोर्ट पर रविवार को बम रखे जाने की झूठे फोन कॉल के बाद अफरा-तफरी मच गई। लेकिन मौके पर पहुंचकर मुंबई पुलिस की टीम और बम स्क्वॉड की टीम ने एयरपोर्ट की चप्पे -चप्पे की तलाशी ली। कहीं पर भी बम न मिलने से जांच एजेंसियों ने राहत की सांस ली। मुंबई पुलिस की टीम बम की झूठी खबर देने का मामला दर्ज कर लिया है और फोन कॉल करने वाले को सरगर्मी से तलाश रही है। जानकारी के अनुसार रविवार को मुंबई एयरपोर्ट पर एक शख्स ने फोन पर बताया कि एयरपोर्ट पर ब्लू रंग के बैग में बम रखा है। इस सूचना के बाद एयरपोर्ट अधिकारियों ने मुंबई पुलिस को सूचित किया। हालांकि इस झूठे फोन काल से एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। मौके पर तत्काल मुंबई पुलिस और बम स्क्वॉड की टीम पहुंची और एयरपोर्ट की तलाशी ली गई। हालांकि जांच के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने राहत की सांस ली और अज्ञात फोनकर्ता शख्स के विरुद्ध मामला दर्ज किया है।

भारत में नफरत के लिए जगह नहीं, केवल प्रेम है : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि भारत में नफरत के लिए कोई जगह नहीं है। यहां केवल प्रेम है। उनसे पूछा गया कि क्या नफरत नया राजनीतिक नियम है? उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि ऐसी कोई बात नहीं है। मीडिया के लिए टीआरपी पाने का यह सबसे अच्छा समय है। वर्तमान में देश में कई समाचार चैनल हैं। इसलिए टीआरपी केवल उसी में अधिक होगी जिसे लोग देखना पसंद करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में नफरत के लिए कोई जगह नहीं है। यहां केवल प्रेम है। राहुल गांधी के *मोहब्बत की दुकान* कहने के बयान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मोहब्बत कभी दुकान नहीं हो सकती। प्रेम शाश्वत है। लेकिन, राहुल हमेशा भूल जाते हैं। अगर आप मोहब्बत कहते हैं, तो यह वोटों के लिए है। राहुल गांधी द्वारा रेलवे स्टेशन पर सिर पर सूटकेस ले जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल खाली सूटकेस लेकर रेलवे स्टेशन जा रहे थे। यदि आप श्रमिकों के दर्द को महसूस करना चाहते हैं, तो एक साथ भोजन करें। लेकिन सूटकेस उठाकर यह क्यों साबित किया कि आप श्रमिकों की तरह ताकतवर हैं। जब लोगों के दुखों की बात आती है तो अभिनय नहीं करें। उन्होंने कहा कि 2024 में भाजपा का परिणाम 2014, 2019 की तुलना में बेहतर होगा। प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता परिणामों को सकारात्मक बनाएगी। यह मत कहिए कि मुझे अब कितनी सीटें मिलेंगी, लेकिन परिणाम अच्छे होंगे। ये बातें आज मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने प्रतिदिन कांक्लेव 2023 में सवालों का जवाब देते हुए कही।

बांग्लादेशी नागरिकों को फर्जी दस्तावेज मुहैया कराने वाले तीन गिरफ्तार

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने भिवंडी के निजामपुरा इलाके में बांग्लादेशी नागरिकों को फर्जी दस्तावेज मुहैया कराने वाले तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इन तीनों के पास से एटीएस ने फर्जी राशन कार्ड व अन्य दस्तावेज बरामद किया है। जानकारी के अनुसार आरोपित राशन कार्ड बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति से आठ हजार रुपये लेते थे। इसकी गोपनीय जानकारी एटीएस को मिली थी। इसी के आधार पर एटीएस की टीम ने निजामपुरा पुलिस स्टेशन के साथ मिलकर तीनों आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इन तीनों की पहचान इरफान अली अंसारी, संजय बोध और नौशाद राय अहमद शेख के रूप में हुई है। छानबीन में पता चला कि तीनों पैसा कमाने के लिए बांग्लादेशी नागरिकों को राशन कार्ड और अन्य दस्तावेज बनाकर दे रहे थे।

संबलपुर-जम्मू तवी एक्सप्रेस में डकैती बोगी के अंदर 8-10 राउंड फायरिंग

रायपुर। झारखंड में सीआईसी सेक्शन बरवाडीह-बरकाकाना रेल खंड के बरवाडीह-छिपादोहर रेलवे स्टेशन के बीच संबलपुर से जम्मूतवी जा रही संबलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन में लातेहार और बरवाडीह स्टेशन के बीच भीषण डकैती हुई। डकैतों ने यात्रियों के साथ जमकर मारपीट भी की और लाखों रुपए लूट लिए। घटना शनिवार देर रात की है। सभी डकैत लातेहार स्टेशन से सवार हुए थे। डकैतों की संख्या 7 से 8 बताई जा रही है। ट्रेन लातेहार से लगभग 11 बजे छुट्टी थी। ट्रेन छूटने के बाद डकैतों ने लूटपाट स्टार्ट कर दिया। एस 9 बोगी में बैठी महिला यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार भी किया। लूटपाट के दौरान डकैतों ने 8 से 10 फायरिंग भी की। लूटपाट के बाद डकैत बरवाडीह स्टेशन से पहले चेन पुलिंग कर उतर गए। डालटनगंज स्टेशन पर जब ट्रेन पहुंची तो यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। डालटनगंज स्टेशन पर 3 घंटे तक ट्रेन रुकी रही। विश्व हिंदू परिषद के लातेहार जिला के मंत्री सह चंदवा निवासी विकास मित्तल से डकैतों ने 17000 की लूटपाट की गई और मारपीट भी की। मित्तल परिवार के साथ वैष्णो देवी जा रहे थे। सभी घायल यात्री का इलाज डालटनगंज स्टेशन में किया गया। ट्रेन के डालटनगंज में रुके रहने के कारण कई ट्रेनें भी प्रभावित हुई। इस संबंध में यात्रियों का बयान लिया गया है और मामला दर्ज किया जा रहा है। इस डकैती की घटना के बाद यात्रियों में जहां भय का माहौल है, वहीं आक्रोश भी देखा जा रहा है। उल्लेखनीय हैकि लंबे समय बाद सीआईसी सेक्शन पर ट्रेन डकैती की घटना सामने आई है।

पृष्ठ एक का शेष

रेलवे गरीब और ...

जयंती के अवसर पर खादी और स्वदेशी को अपने की भी अपील की। प्रधानमंत्री रेलवे स्टेशनों के हो रहे कायाकल्प को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यात्रियों के लिए यह भी एक आवास की भूमिका निभाता है। आज रेलवे स्टेशनों का जन्मदिन मनाए जाने की एक नई परंपरा शुरू हुई है। आने वाले समय में इसे विस्तार दिया जाएगा और अधिक सटेशनों व लोगों को इससे जोड़ा जाएगा। प्रधानमंत्री ने रेलकर्मियों को लोगों के इज ऑफ ट्रैवल को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। साथ ही इस संदर्भ में उनकी भूमिका की प्रशंसा करते हुए लोगों द्वारा उनके कार्य को सराहे जाने पर बधाई भी दी। इस अवसर पर रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हमारा प्रयास ज्यादा से ज्यादा यात्रियों और माल ढुलाई को रेलवे पर शिफ्ट करने का रहा है। इसके अलावा रेलवे को डीजल से मुक्त कर उसके विद्युतीकरण पर भी रहा है। पिछले 9 साल में 37 हजार किलोमीटर रेलवे लाइन का विद्युतीकरण हुआ है। यह जर्मनी के कुल नेटवर्क के बराबर है।

असम से चलेगी ...

कांक्लेव 2023 के मंच पर सवालों का जवाब देते हुए कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम को देश के सातवें में या आठवें नंबर की अर्थव्यवस्था तक शीघ्र ही ले जाने का उनका संकल्प है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने असम में परिवर्तन लाने का एक संकल्प लिया है, इसलिए अवकाश की उनके पास कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि असम में लड़ाई, काम करने वालों और नहीं करने वालों के बीच है। जिस काम को करने में 10 वर्ष लगते थे उसी काम को मैं 3 वर्ष में पूरा करके दिखा रहा हूं। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस हिंदू विरोधी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पूर्वोत्तर का दौरा करके देखें तो उन्हें समझ में आ जाएगा कि नरेंद्र मोदी के प्रति लोगों में कितनी आस्था है। उन्होंने कहा कि जिस अरुणाचल प्रदेश को 1962 में जवाहरलाल नेहरू ने चीन को छोड़ दिया था। उसी अरुणाचल प्रदेश में आज चौड़ी-चौड़ी सड़कों का जाल बिछ गया है। अरुणाचल प्रदेश के सूरत बदल गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि काजीरंगा में एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण 3 वर्षों में पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे जहां काजीरंगा में बाढ़ की वजह से प्रत्येक वर्ष 5 सौ से 6 सौ वन्य प्राणियों की होने वाली मौत रुक जाएगी। वहीं, दूसरी ओर इससे असम के विकास में चार-चांद लग जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कई प्रश्नों के बेबाक और सीधे-सीधे उत्तर दिए।

दो करोड़ से ज्यादा...

अभियान चलाया और बांसकांदी-सिलचर रोड पर एक गाड़ी को रोका गया। एसपी महत्ता ने कहा कि तलाशी के दौरान पुलिस टीम ने गाड़ी से 18,000 याबा टैबलेट बरामद किए और कछार जिले में एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया। जब्त की गई दवाओं का बाजार मूल्य लगभग 2 करोड़ रुपए आंका गया है। मामले की आगे की जांच जारी है। इससे पहले भी असम पुलिस के विशेष कार्य बल के अधिकारियों ने शनिवार को गुवाहाटी के खानापाड़ा इलाके में छह ड्रग तस्करों को पकड़ा और 46 ग्राम हेरोइन जब्त की। बरामद हेरोइन और पकड़े गए छह ड्रग तस्करों को मामला दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए वशिष्ठ थाने की स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया।

ऊपरी असम में हिंसा...

देखने को मिल सकता है। इस बीच, उग्रवादियों की कोशिश को नाकाम करने के लिए स्थानीय पुलिस असम-अरुणाचल सीमा के कुछ संवेदनशील इलाकों के साथ-साथ घने जंगल में अभियान चला रही है। हिमंत विश्व शर्मा के असम के मुख्यमंत्री बनने के बाद अल्फा (स्वा.) के साथ बातचीत के लिए माहौल बनाने का प्रयास किया गया और संगठन के मुख्य कमांडर परेश बरुआ को बातचीत का निमंत्रण देते हुए मुख्यमंत्री ने एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की थी। लेकिन सीएम शर्मा का यह दांव लगता है उल्टा पड़ गया है। चूंकि प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन म्यांमार कैंप में वित्तीय संकट का सामना कर रहा है, इसलिए वे एक बार फिर हिंसा का रास्ता अपनाने की योजना बना रहे हैं। खुफिया सूत्रों ने कहा कि अल्फा (स्वा.) उग्रवादियों के एक समूह ने तिनसुकिया जिले में प्रवेश करने और ऊपरी असम के विभिन्न इलाकों में विस्तार की रणनीति बनाई है। उग्रवादी असम अरुणाचल सीमा पर एक बड़ी हत्या के प्रयास की योजना बना रहे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उग्रवादियों का एक समूह असम-अरुणाचल सीमा पर एक शिविर स्थापित करने और तिनसुकिया में छिपने की योजना बना रहा है, जो प्रतिबंधित संगठन का केंद्र था। उग्रवादी रूपम असोम, जो ऊपरी असम क्षेत्र से काफी अच्छी तरह वाकिफ है, अल्फा (स्वा.) उग्रवादियों का नेतृत्व कर रहा है। पुलिस जानती है कि एक बार उग्रवादी तिनसुकिया जिले में प्रवेश कर गए, तो *तोड़फोड़ को रोकना मुश्किल* होगा। पुलिस के पास विशेष जानकारी है कि उग्रवादी पैसे वसूलने के लिए सबसे पहले तिनसुकिया जिले के विभिन्न चाय बागानों के प्रबंधकों को निशाना बनाने की कोशिश करेंगे।

बटद्रवा थान के ...

स्मृति से जुड़े स्थानों के दर्शन कर बस से महाप्रयाण स्थल मधुपुर सत्र जा सकते हैं। गुरुजना की स्मृति में 21 स्थलों पर 21 महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का निर्माण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने रविवार को महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली बटद्रवा थान के प्रवेश द्वार, प्रवेश पथ, सत्राधिकार निवास, कार्यालय, प्रशासनिक भवन, सभागार, दामोदर आता यात्री निवास आदि सहित कई नवनिर्मित स्थलों का लोकार्पण किया। 16 जनवरी, 2022 को मुख्यमंत्री ने बटद्रवा में एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए उसी दिन भकत वैष्णव को संबोधित किया और फिर से बटद्रवा थान के विकास के लिए लगभग 22 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। इस राशि से मुख्यमंत्री ने आज लोक निर्माण विभाग द्वारा पिछले 17 माह में स्थित प्रवेश द्वार, प्रवेश पथ, कार्यालय, प्रशासनिक भवन, सभागार, दामोदर आता यात्री निवास आदि अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बटद्रवा थान के आकाशीगंगा तट पर आई खेरसुती सांस्कृतिक मंच पर आयोजित महापुरुष शंकरदेव के 575वें आगमन महोत्सव के उद्घाटन समारोह में भाग लिया और भकत वैष्णव को संबोधित किया दिया। मुख्यमंत्री ने 200 करोड़ रुपए की लागत से बन रही बटद्रवा परियोजना के कार्यों का भी निरीक्षण किया।

2024 के नतीजे ...

गेम में शामिल होने की जरूरत नहीं है। दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह बातें कहीं। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि अगर कोई सरकार बनाना चाहता है, तो उन्हें किसी का नाम प्रस्तावित करना चाहिए। अगर वे भारत में सरकार बनाना चाहते हैं तो केवल एक ही नाम है नरेंद्र मोदी।

अरुणाचल में अगले ...

जिले में रुक्सिन और इटानगर के बीच ये सेवा शुरू होगी। डोनयी पोलो, पासीघाट और जीरो हवाई अड्डों के बाद तेजू हवाई अड्डा राज्य में चौथा और पूर्वोत्तर में 17वां हवाई अड्डा है। मंत्री ने कहा कि पिछले 65 वर्षों में देश में केवल 74 हवाई अड्डे थे, लेकिन केंद्र में भाजपा सरकार के पिछले नौ वर्षों के शासन में 75 नए हवाई अड्डों का निर्माण किया गया है। सिंधिया ने कहा कि पीएम मोदी और मुख्यमंत्री पेमा खांडू की जोड़ी अरुणाचल को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिन आठ पूर्वोत्तर राज्यों की दशकों से उपेक्षा की जा रही थी, उन्हें 2014 में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद एक बड़ा विकासात्मक बढ़ावा मिला, उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र देश के मुकुट में एक रत्न है। सिंधिया ने कहा कि यह क्षेत्र भारत के लिए बागवानी और कृषि संभावनाओं के साथ दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के लिए प्रवेश द्वार होगा। मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत का प्रभाव काफी बढ़ा है और विभिन्न देशों के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री जी20 बैठक के लिए नई दिल्ली पहुंचे तो सभी ने इसे देखा भी। बता दें कि उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) एक क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना है, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों को विमानन सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करना है।

पवार-अडानी मुलाकात...

होता, तो उनका अंत हो जाता, हिमंत विश्व शर्मा ने कहा। जरा उस परिदृश्य की कल्पना करें कि एनडीए सरकार का एक केंद्रीय मंत्री आज अडानी की किसी चीज का उद्घाटन करने जा रहा है। कांग्रेस की क्या प्रतिक्रिया रही होगी? अब जब शरद पवार बार-बार अडानी के साथ देखे जाते हैं तो चुप क्यों हैं? असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक है सुविधा की राजनीति, यह ब्लैकमेलिंग की राजनीति है। राहुल गांधी और हिमंत विश्व शर्मा दोनों ने रविवार को एक मीडिया कॉन्क्लेव में भाग लिया। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि वह उस मंच पर पैसे और व्यवसायी के बारे में बात कर रहे हैं जहां उन्हें गरीबी, भारत के बारे में उनके तथाकथित विचार के बारे में बात करनी चाहिए। आप बस कल्पना कर सकते हैं कि वह कितने हताश हैं। हमने एक साथ मिलकर काम किया है। मैंने पहले कभी विपक्ष को इस तरह काम करते नहीं देखा।

मणिपुर-म्यांमार सीमा...

का काम पूरा करने का आग्रह किया है। बयान के बाद अगले दिन हुई बैठक के बारे में जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने एक्स पर लिखा, बीआरओ के अधिकारियों के साथ भारत-म्यांमार सीमा पर 70 किलोमीटर की अतिरिक्त सीमा फेंसिंग करने की योजना पर विमाच विमर्श किया गया। उन्होंने कहा, मेरे साथ मुख्य सचिव, डीजीपी और गृह विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे। एक्स पर लिखते हुए मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन ने कहा कि पड़ोसी देश से अवैध आव्रजन और नशीली दवाओं की तस्करी में बढ़ोतरी हुई है। हमारी खुली सीमाओं की सुरक्षा एक तत्काल आवश्यकता बन गई है। सूत्रों की माने तो मणिपुर म्यांमार के साथ 398 किलोमीटर की लंबी सीमा साझा करता है। जिसमें से केवल 6 किलोमीटर के आसपास ही फेंसिंग की गई है। 3 मई को मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से 175 से अधिक लोग मारे गए थे और कई लोग घायल हुए थे। बहुसंख्यक मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* आयोजित किया गया था। मणिपुर की आबादी में मैतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं। जबकि नागा और कुकी सहित आदिवासी 40 प्रतिशत हैं और ज्यादातर पहाड़ी जिलों में रहते हैं। आरोप हैं कि हालिया हिंसा के पीछे म्यांमार से आए अवैध अप्रवासियों का हाथ था। मणिपुर में उग्रवादियों को म्यांमार से हथियारों की आपूर्ति की जाती थी।

कनाडा में खालिस्तानी...

जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के प्रमुख सुनील जाखड़ ने शनिवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से कनाडा में मौजूद प्रवासी भारतीयों और छात्रों के लिए एक हेल्पलाइन स्थापित करने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री को लिखे अपने पत्र में जाखड़ ने कनाडा में रहने वाले भारतीय नागरिकों की चिंताओं को उजागर करते हुए उनसे इस समस्या के अंतिम समाधान तक कनाडा में देश के नागरिकों की सुरक्षा के लिए केंद्र द्वारा किए जा रहे उपायों को बताते हुए एक विस्तृत बयान जारी करने का आग्रह किया। जाखड़ ने पत्र में कहा कि मुझे यकीन है कि यह कनाडा में रहने वाले हमारे लोगों और विशेष रूप से पढ़ाई के लिए विदेश जाने का इंतजार कर रहे छात्रों में व्याप्त गहरी चिंता, घबराहट को शांत करने में काफी मददगार साबित होगा।

कानूनी पेशे में ...

के लिए एक आदेश के रूप में नहीं लिखा गया है। वे हमारे दैनिक जीवन में लगभग हर चीज को लागू और नियंत्रित करते हैं और इसलिए सरल भाषा का इस्तेमाल जरूरी है। यह नागरिकों को उचित निर्णय लेने और अनजाने में उल्लंघन से बचने में सक्षम बनाता है। यह हमारे फैसलों पर भी समान रूप से लागू होता है। उन्होंने कहा कि मुकदमेबाजी और कानूनी पेशों का व्यावसायीकरण अत्यंत चिंता का विषय है। न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि मुकदमों की बढ़ती लागत, अत्यधिक शुल्क, न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ी बाधा है, और हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि न्याय सभी के लिए सुलभ रहे। उन्होंने कहा कि पेशे के प्रमुख हितधारकों के रूप में, वकीलों और न्यायाधीशों के लिए आत्मनिरीक्षण करना और करियर विकल्प के रूप में मुकदमेबाजी में घटती रुचि के मुद्दे को संबोधित करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि हम सभी को कानूनी पेशों की कुछ परंपराओं को पुनर्जीवित करने और संरक्षित करने के लिए काम करना चाहिए, जिसका अर्थ है कि अदालत में मुकदमा पहली पसंद का मामला होना चाहिए, न कि अंतिम। उन्होंने कहा कि इसका एक कारण युवाओं और युवा वकीलों को कम रिटेनरशिप और वजीफा देना है। न्यायमूर्ति खन्ना ने आगे कहा कि मजबूत, स्वतंत्र और निष्पक्ष बार, कानून के शासन पर आधारित स्वतंत्र और निष्पक्ष समाज की पहचान है। उन्होंने कहा कि जिस तरह विवाद मनुष्यों के लिए सामान्य हैं, वैसे ही समाधान भी हैं।

एशियन गेम्स में ...

करता हूं कि खिलाड़ियों को वीजा और खेलने और पदक जीतने का मौका दिया जाना चाहिए। इससे पहले केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के तीन भारतीय एथलीटों को वीजा देने से इनकार करना *भेदभावपूर्ण* है और ओलंपिक चार्टर के खिलाफ है जो भारत को स्वीकार्य नहीं है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा युवा मामलों के मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्य भारत का अभिन्न हिस्सा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने खिलाड़ियों के साथ खड़े रहते हुए अपनी चीन यात्रा रद्द कर दी है। चीन की ओर से भारत की महिला खिलाड़ियों न्येमान वांगसु, ओनिलु तेगा और मेपुंग लाम्गु को मान्यता देने से इनकार कर दिया गया है। ठाकुर ने कहा कि जैसा कि आप देख सकते हैं कि मैं चीन में नहीं हूं, मैं कोयंबटूर में हूं, अपने खिलाड़ियों के साथ खड़ा हूं और ओलंपिक चार्टर के खिलाफ एक देश का यह भेदभावपूर्ण रवैया बिल्कुल भी अस्वीकार्य है। मंत्री ने कहा कि बीजिंग का कदम भारत को अस्वीकार्य है और मैंने इन आधारों पर अपनी चीन यात्रा रद्द कर दी है क्योंकि उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को एशियाई गेम्स का हिस्सा बनने के अवसर से वंचित कर दिया है।

मणिपुर में विद्रोहियों ...

उग्रवादी समूहों (वीबीआईजी) की मदद से बाजार से कई ट्रक खरीदे और उन्हें असम राइफल्स के वाहनों के रंग से पेंट किया और बल का प्रतीक चिह्न लगाया, ताकि ये ट्रक अर्धसैनिक बल के वाहनों की तरह प्रतीत हों। पत्र में कहा गया कि असैन्य वाहनों में बदलाव कर उन्हें असम राइफल्स के वाहनों की तरह बनाना स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि वीबीआईजी की असम राइफल्स की छवि को खराब करने या राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के लिए इनका उपयोग करने की नापाक मंशा है। बल ने चुराचांदपुर पुलिस से काकचिंग जिले के पुलिस अधीक्षक और उच्च अधिकारियों को भी इसकी सूचना देने को कहा ताकि किसी भी प्रकार की प्रतिकूल घटना को रोकने के लिए एहतियातन कार्रवाई की जा सके। मणिपुर में चार महीने से अधिक समय से जातीय हिंसा जारी है। अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में जनजातीय एकजुटता मार्च के बाद तीन मई को राज्य में जातीय हिंसा भड़क गई थी। हिंसा की घटनाओं में अब तक 175 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों अन्य लोग घायल हुए हैं। मणिपुर की आबादी में मेइती समुदाय के लोगों की आबादी लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। वहीं, नगा और कुकी आदिवासियों की आबादी 40 प्रतिशत से अधिक है और वे ज्यादातर पर्वतीय जिलों में रहते हैं।

तामुलपुर में जंगली हाथी के हमले में एक की मौत

तामुलपुर (हिंस)। जिले में भारत-भूटान सीमा पर जंगली हाथियों का आतंक जारी है। हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि, कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार जंगली हाथियों के एक झुंड ने जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रवेश किया और उनके घरों के दरवाजे तोड़ दिए। खेतों को व्यापक नुकसान पहुंचाया। हाथियों के हमले में कई लोग मारे गए। बीती रात को भी तामुलपुर जिले के बगाजुली गौजनफुरी गांव में एक जंगली हाथी घुस गया और गांव में दहशत फैल गई। इस बीच, जंगली हाथी को भगाने की कोशिश में हाथी के हमले में गांव निवासी आसीना बसुमतारी (48) की मौत हो गई। विधायक जलेन दैमारी, बीटीसी के दरंगाजुली परिषद क्षेत्र के एमसीएलए विजित गौरा नार्जारी और कुमारीकाटा पुलिस का एक प्रतिनिधिमंडल इसी बीच मौके पर पहुंचकर शव के पोस्टमार्टम की व्यवस्था की।

एजेपी ने असम यात्रा के नाम पर बांग्लादेशी मुसलमानों को एकजुट किया : भाजपा

विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया भ्रष्टाचार के सम्राट : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा ने असम जातीय परिषद की एक असम यात्रा को असम के भूमिपुत्रों पर संकट पैदा करने वाले बांग्लादेशी मुसलमानों को एकत्रित करनेवाली यात्रा करार दिया है। पार्टी ने असम जातीय परिषद की असम यात्रा को बांग्लादेशी मूल के मुस्लिम वोटों को आकर्षित करने का अभियान बताया। भाजपा के अनुसार असम जातीय परिषद के लुरिनज्योति गोगोई ने खुद को गौरव गोगोई से ज्यादा लोकप्रिय दिखाने के कारण यह यात्रा शुरू की है। यह बयान भाजपा के प्रवक्ता रंजीव कुमार शर्मा का है। आज भाजपा कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया के परिवार के सदस्य सार्वजनिक संस्थान के विध्वंस में सीधे तौर पर शामिल थे। एलओसी घोटाले को अंजाम देने में विपक्ष के नेता की भूमिका जगजाहिर है। हमने देखा है कि भ्रष्टाचार, अनियमितता, सार्वजनिक संपत्ति के गबन जैसी परंपराओं वाले देवब्रत सैकिया जैसे लोग भाजपा के खिलाफ मीडिया में झूठी खबरें प्रकाशित कर रहे हैं। उन्होंने ने यह भी चेतावनी दी कि देबब्रत सैकिया जैसे नेताओं को शरारत और दुष्प्रचार से दूर रहना चाहिए अन्यथा उनकी शेष बची राजनीतिक जमीन भी खिसक जाएगी। भाजपा प्रवक्ता ने टिप्पणी की कि दूसरे की चर्चा को उन्होंने राजनीतिक सामग्री के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। भाजपा प्रवक्ता ने प्रदेश

कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि चाय बागानों की यात्रा *सुपर फ्लॉप* होने के बाद प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व पूरी तरह से निराश है।

रंगिया : श्रीमंत शंकरदेव संघ के 93वें अधिवेशन में शामिल हुए मंत्री जयंत मल्ल बरुवा

रंगिया (विभास)। वर्ष 2024 में रंगिया के मोरानजना में आयोजित होने वाले श्रीमंत शंकरदेव संघ के 93वें अधिवेशन से संबंधित विभिन्न विभागों के प्रारंभिक कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के लिए आज जिला नामघर, रंगिया में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। नलबाड़ी के विधायक तथा असम सरकार के रोजगार और उद्यमिता कौशल व पर्यटन विभाग के मंत्री जयंत मल्ल बरुवा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में कामरूप जिला के अतिरिक्त उपायुक्त तथा रंगिया के महकमाधिपति दिपन बर्मन, श्रीमंत शंकरदेव संघ के पदाधिकारी भबेंद्र नाथ डेका सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख/अधिकारी

और श्रीमंत शंकरदेव संघ के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर मंत्री एवं बैठक के अध्यक्ष द्वारा इस संबंध में 27 अगस्त 2023 को आयोजित पिछली बैठक में अपनाए गए प्रस्ताव के अनुसार कार्यों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। उन्होंने संबंधित विभागों को कार्य को तेजी से सुव्यवस्थित करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि यदि आवश्यक हुआ तो असम सरकार की ओर से आवश्यक सहायता आयोजन समिति को दी जाएगी और भविष्य में इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी विभागों को तदनुसार काम करने का उन्होंने निर्देश दिया।

राज्यपाल ने किया श्रीमंत शंकरदेव संघ केंद्रीय नामघर का दौरा

गुवाहाटी (हिंस)। श्रीमंत शंकरदेव की 575वीं जयंती के अवसर पर असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज राजधानी के रूपनगर स्थित श्रीमंत शंकरदेव संघ के केंद्रीय नामघर का दौरा किया और समाज के सभी वर्गों के लिए प्रार्थना की। उन्होंने असम के

सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने में श्रीमंत शंकरदेव और श्रीमंत माधवदेव के विशिष्ट महत्व का उल्लेख किया और क्षेत्र के सामाजिक-सांस्कृतिक और आध्यात्मिक लोकाचार को आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। राज्यपाल ने कहा कि नव-वैष्णववाद पर महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की शिक्षाओं ने असम में एकजुटता की भावना को बढ़ावा देने में एक एकीकृत भूमिका निभाई। उन्होंने जोर देकर कहा कि श्रीमंत शंकरदेव की शिक्षाएं नैतिकता, चरित्र निर्माण और आध्यात्मिक उत्थान जैसे गुणों को भी मजबूत करती हैं।

श्री रामदेवरा भक्त मंडल का पांचवा वार्षिक उत्सव संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। श्री रामदेवरा भक्त मंडल गुवाहाटी का पांचवा वार्षिक उत्सव छत्रीबाड़ी स्थित महेश्वरी भवन में आयोजित किया गया। इस उपलक्ष में बाबा का भव्य फूलों का दरबार सजाकर अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित की गई। इस अवसर पर प्रात 9 बजे पूजा अर्चना के पश्चात बाबा की ज्योत प्रज्ज्वलित की गई एवं आरती के पश्चात जम्मा गायक अजय हरितवाल व भजन गायक शरद हरितवाल ने बाबा रामदेव पीर के जीवन चरित्र पर आधारित जम्मा प्रस्तुत किया। जम्मा के कई प्रसंग में श्रोता भक्ति से

भाव विभोर हो गए। रात्रि 9 बजे महा आरती के पश्चात महाप्रसाद का वितरण किया गया।

आलोपती छात्र संघ की नई समिति का गठन

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बाघबर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्रेटर आलोपति क्षेत्र में 1968 में स्थापित सामाजिक संगठन आलोपति छात्र संघ की मौजूदा समिति का कार्यकाल समाप्त होने के मद्देनजर आज अपनी नई कमेटी के गठन के लिए छात्र संघ के कार्यालय परिसर में आम सभा की बैठक हुई। आलोपति छात्र संघ (2023-2024) की नई समिति का गठन प्रतिष्ठित हस्तियों, शिक्षाविदों, छात्रों, छात्र संघ के पूर्व और वर्तमान पदाधिकारियों और जनता की उपस्थिति में आयोजित बैठक में किया गया था। मोहम्मद अल अमीन की अध्यक्षता में हुई बैठक में आरिफुल कैफी अंसारी अध्यक्ष,स्वाहजमाल हक, अब्दुल करीम, स्वा आशिक इकबाल, ताहिदुल इस्लाम और इलियास रेज्जा उपाध्यक्ष, अजीजुल हक महासचिव, स्वाहरुख जमां और हसब बिन अहमद सहायक सचिव, सांवार हुसैन आयोजन सचिव, आबू शेलिम खेल सचिव, राजीजुल इस्लाम प्रचार सचिव, सिराजुल हक साहित्यिक सचिव और जाबिर आलम सांस्कृतिक सचिव बने।

मारवाड़ी दातब्य औषधालय की साधारण सभा आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। श्री मारवाड़ी दातब्य औषधालय की 107वीं साधारण सभा मारवाड़ी हॉस्पिटल्स के सभागार में आयोजित हुई। हास्पीटल के अध्यक्ष रमेश गोयनका ने सदस्यों और अतिथियों का स्वागत करते हुए और संबोधित करते हुए कहा कि 107वीं साधारण सभा में आप सभी का स्वागत करता हूं। श्री गोयनका ने इसके अलावा कहा कि हम सभी की पहुंच के भीतर स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्टता लाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। हालांकि मुनाफा कमाना हमारा मकसद नहीं है, हमें आत्मनिर्भर बनना होगा। हमारे पास समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए कई रियायती योजनाएं उपलब्ध हैं। इस वर्ष, हमने लोहिया चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से नि:शुल्क सर्जरी शिविर को फिर से शुरू किया, जिसमें 87 व्यक्तियों का पित्ताशय, अपेंडिक्स और हर्निया विकार का बिना किसी लागत के सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया। नर्सिंग कॉलेज और मुफ्त ओपीडी शुरू करने के लिए मालीगांव परिसर में मारवाड़ी अस्पतालों को जमीन आवंटित करने के लिए श्री गौहाटी गौशाला प्रबंधन और ट्रस्ट बोर्ड को हार्दिक धन्यवाद दिया। सभा में महासचिव आर एस जोशी

द्वारा कार्य समिति की गतिविधि रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई और सदस्यों ने उसका अनुमोदन किया। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए ऑडिटेड बैलेंस शीट अस्पताल के कोषाध्यक्ष विश्वनाथ गोयनका द्वारा प्रस्तुत की गई, जिसे सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया गया। सीए राकेश दुधारिया को अगले वित्तीय वर्ष के लिए वैधानिक लेखा परीक्षक नियुक्त किया गया है। सभा में अध्यक्ष रमेश गोयनका, महासचिव आरएस जोशी और कोषाध्यक्ष विश्वनाथ गोयनका संयुक्त सचिव राम स्वरूप खकोलिया और संजय केडिया और डीपी बजाज मंच पर उपस्थित थे। सभा में ज्ञानचंद जैन को अब तक 111 बार रक्तदान करने पर सम्मानित किया गया। तथा नए दानवीर सदस्य राहुल लोहिया, सुंदरम श्रीनिवासन और एमपी अग्रवाल का अभिनंदन किया गया। साथ ही अशोक धानुका और श्री मोनोहर संदीप जालान को भी अस्पताल में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा संजय केडिया को एसडीएस समूह शुरू करने के लिए भी सम्मानित किया गया। जो गरीब और जरूरतमंद मरीजों को उनके इलाज में वित्तीय सहायता प्रदान करता है। सभा में अस्पताल को विभिन्न सहयोग के लिए किशन लोहिया, किशन भट्टर, प्रदीप भुवालका को भी सम्मानित किया गया।

सैल्यूट तिरंगा की असम प्रदेश समिति का गठन

गुवाहाटी (हिंस)। सैल्यूट तिरंगा एक अखिल भारतीय राष्ट्रवादी गैर सरकारी संगठन है, जो 2018 में राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में पंजीकृत है। राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश झा और संरक्षणवादी मनोज तिवारी (सांसद), कपिल स्वामी (स्वामी नारायण इंटरनेशनल मंदिर एसोसिएशन), सतीश दुबे (सांसद), रघुवर दास (पूर्व मुख्यमंत्री, झारखंड), स्वामी ललितानंद गिरि (हरिद्वार), रेणुका सिंह (केंद्रीय राज्य मंत्री), अर्जुन लाल मीणा (सांसद), विजय बघेल (सांसद), डॉ. राजेंद्र फरके (बेटी बचाओ बेटी) संगठन के मुख्य संरक्षक हैं। देश के वीर शहीदों का सम्मान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत अभियान, रोजगार सृजन, प्रर्यावरण का संरक्षण और प्रचार, आत्मनिर्भर भारत के लिए देश के युवाओं को प्रेरणा, देश में *लोकल को वोकल*, जम्मू-कश्मीर में हिंदुओं के पुनर्वास, तिब्बत की स्वतंत्रता के लिए सक्रिय भूमिका निभाने, देश के बच्चों और प्रवासी भारतीयों के लिए भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने जैसे कार्यक्रमों को लागू करना है। इन उद्देश्यों को असम में भी लागू करने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश झा, राष्ट्रीय महामंत्री सच्चिदानंद शर्मा पखरीवाल और राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रमुख हरेंद्र बोरा की वर्चुअल उपस्थिति में असम प्रदेश सैल्यूट तिरंगा समिति का गठन और घोषणा की गई है। उल्लेखनीय है कि सैल्यूट तिरंगा प्रांत समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति नियमानुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा की जाती है।

चेनीमारा में तस्करी की लकड़ी के खिलाफ वन विभाग का छापा

भारी मात्रा में अवैध लकड़ी जब्त

नगरबेड़ा (विभास)। पश्चिम कामरूप वन प्रभाग के अंतर्गत नगरबेड़ा नदी रिजर्व वन अधिकारी के अधिकार क्षेत्र में चेनीमारा में वन विभाग ने तस्करी की लकड़ी के खिलाफ औचक अभियान चलाया, जिसमें आज दोपहर एक औचक अभियान में बड़ी मात्रा में तस्करी की गई सैंडल जब्त की गई है। बड़ी मात्रा में तस्करी की लकड़ी जब्त की गई। उल्लेखनीय है कि जिस समय सरकार हरित असम बनाने के लिए अमृत वृक्ष आंदोलन नामक महत्वाकांक्षी योजना के साथ विश्व कीर्तिमान स्थापित कर रही है, उसी समय क्षेत्र के तस्करी के लकड़ी माफिया सर्कल का एक वर्ग हर दिन रात रात के अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल को नष्ट कर रहा है। चेनीमारा के आकाशी बिल घाट को बिना नंबर के ट्रैक्टर आदि के चुपके से उतार दिया और रात में वहां से उतार दिया।

हर दिन संयोग से लकड़ी के बेशकीमती कुंडों में घोड़ागाड़ी, बिना नंबर की बोलेरो पिकअप, बिना नंबर के ट्रैक्टर आदि चोरी-छिपे चेनीमारा के आकाशी बिल के घाट उतारकर तस्करी की जाती है और वहां से रात के अंधेरे के मौके पर दक्षिण बरपेटा के चरइलाकों सहित नगरबेड़ा के विभिन्न हिस्सों में जलजली नदी मार्ग की आपूर्ति की जाती है। और तस्करी किए गए लकड़ी माफिया हलकों का एक वर्ग लंबे समय से वन विभाग की आंखों में धूल झोंककर ऐसी तस्करी की लकड़ी का गर्म थैला चला रहा है। अंत में वन अधिकारी शिवाशीष शांडिल्य की सूचना के आधार पर वन अधिकारी शिवाशीष शांडिल्य तुरंत उस स्थान पर पहुंचे और बड़ी मात्रा में तस्करी की लकड़ी के कुंड जब्त किए। भविष्य में तस्करी की लकड़ी के खिलाफ इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने लकड़ी माफिया को भी चेतावनी दी कि लकड़ी की तस्करी में शामिल लोगों को पकड़कर कोई दंडात्मक कार्रवाई करेगा।

मायुमं, गुवाहाटी ग्रेटर एवं सन फार्मा लेबोरेटरीज का रक्तदान शिविर संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी ग्रेटर और सन फार्मा लेबोरेटरीज लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में आज पलाशबाड़ी स्थित फैक्ट्री में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान सयोंजक आशीष सिंघानिया और नमन कुमार गोयन्का ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात प्रसिद्ध डॉ. निलय तालुकदार ने पारंपरिक तरीके से शिविर का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी ग्रेटर के अध्यक्ष राम भट्टर एवं सचिव हितेश कुमार चोपड़ा ने बताया कि शिविर में सन फार्मा लेबोरेटरीज के कर्मचारी, खासकर महिलाओं ने रक्तदान शिविर में भाग लिया। दोपहर बाद तक चले इस कार्यक्रम में इस दिवसीय शिविर में 115 यूनिट रक्तदान कर इतिहास रचा। शिविर को सफल बनाने में सन फार्मा के प्लांट हेड सचिदानंद पांडेय, कॉर्पोरेट अफेयर्स हेड अविनाश चाहन, एचआर रंजन बोर्टामुली, एवं सन फार्मा लेबोरेटरीज के अधिकारियो एवं सम्पूर्ण टीम तथा मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी ग्रेटर के उपाध्यक्ष मनीष बोथरा, रक्तदान सयोंजक आशीष सिंघानिया और युवा नमन कुमार गोयन्काका सक्रीय योगदान रहा।

मन को वश में करना सामान्य चीज नहीं : आचार्य प्रमुख सागर

गुवाहाटी (विबास)। फैंसी बाजार के भगवान महावीर धर्म स्थल में पर्युषण पर्व का आज (रविवार) छठा दिन था। आज के दिन उत्तम संयम धर्म की आराधना अत्यंत भक्ति भाव पूर्वक की गई। प्रतिदिन की भांति आज भी दस लक्षण मंडल विधान एवं सोलहकारण मंडल विधान की पूजन संपादित की गई। इसके पूर्व सामूहिक शांतिधारा के अंतर्गत विश्व में एवं भारत में शांति स्थापना की प्रार्थना की गई। तत्पश्चात उत्तम संयम धर्म की व्याख्या करते हुए आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज ने उपस्थित लोगों को संयम की महत्ता समझाते हुए सुगंध दशमी पर कहा कि मन को वश में करना सामान्य चीज नहीं है। मन को अच्छे कार्यों में नहीं लगाया जाएगा तो हमारी दुर्गति होगी उल्लेखनीय है कि दस लक्षण पर्व ज्यो-ज्यो समापन की ओर जा रहा है, तप करने वालों में एक ज्वार सा आ रहा है लगभग 180-190 भाई-बहने दस लक्षण व्रत एवं उसके ऊपर की तपस्या कर रहे हैं। पुष्प प्रमुख वर्षा योग समिति के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि इन सभी व्रती भाई- बहनों का अभिनंदन अनंत चतुर्दशी यानी 28 सितंबर की शाम 6 बजे स्थानीय महावीर धर्मस्थल में किया जाएगा। रामचंद्र सेठी ने बताया कि पर्व के अवसर पर संध्याकालीन श्रीजी एवं आचार्य श्री की आरती करने का परम सौभाग्य श्री दिगंबर जैन युथ फेडरेशन पुरुष एवं महिला शाखा तथा श्री दिगंबर जैन मित्र संघ को प्राप्त हुआ। यह जानकारी समाज के प्रचार-प्रसार विभाग के सुनील कुमार सेठी प्रचार प्रसार विभाग, श्री दिगंबर जैन पंचायत, गुवाहाटी (असम)

लायंस हाट बाजार 2.0 ने रचा इतिहास, 10000 परिवारों के बीच खुशियां बांटीं

मुस्कराए बच्चे, त्योहार से पूर्व कमजोर वर्ग ने जमकर की खरीदारी

गुवाहाटी (विभास)। त्योहार से पूर्व कमजोर वर्ग के करीब 10000 परिवारों में लायंस जिला 322जी ने खुलकर खुशियां बाटी, जिसे ये परिवार शायद ही कभी भुला पाएंगे। भरलूमुख स्थित सोनाराम खेल मैदान में लायंस जिला 322जी की ओर से आयोजित लायंस हाट बाजार 2.0 में गरीब एवं कमजोर परिवार के लोगों ने पिछले दो दिनों में पूरे सम्मान के साथ जमकर खरीदारी की। दूसरे दिन आज करीब 8000 लोगों ने लायंस हाट बाजार के माध्यम से नि:शुल्क खरीदारी की जो उनके चेहरों पर साफ झलक रही थी। दूसरे दिन करीब 6000 परिवारों से आए करीब 8000 लोगों ने पूरे सम्मान के साथ नि:शुल्क वितरित किए गए कूपन के माध्यम से अपनी जरूरत अनुसार खरीदारी की। जरूरतमंद लोगों ने कपड़े, बेडशीट, खिलौने, जूते चप्पल, बैग सहित अन्य घरेलू सामग्री आदि नि:शुल्क वितरित किए गए कूपन के माध्यम से खरीदे। इस दौरान सभी के चेहरे खुशी से खिले हुए

नजर आए। लायंस हाट बाजार के समापन समारोह के मौके पर लायंस जिलापाल निर्मल भूरा, वीडीजी प्रथम सीमा गोयनका वीडीजी द्वितीय पंकज पोद्दार, लायंस हाट बाजार 2.0 के चेयरमैन बिजय हरलालका, सह-चेयरमैन रितु बंका, प्रमोद हरलालका, संजय संथोलिया, महेश शर्मा, सनोज अग्रवाल, अशोक गोयल, विशाल बेरीवाल और प्रभा कोठारी, पीडीजी सुधीर चौधरी, सलाहकार मनोज भजनका सहित पूर्व लायंस जिलापाल, सभी लायंस क्लब के सदस्यों तथा अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में क्लबों एवं सह संयोजकों कोउ नके सहयोग हेतु पुरस्कार प्रदान किया। लायंस हाट बाजार के चेयरमैन बिजय हरलालका बताया कि दूसरे दिन रविवार होने के चलते लोगों ने न केवल सम्मान के साथ खरीदारी की, बल्कि नि:शुल्क भोजन का भी आनंद उठाया, जो लायंस उमंग द्वारा प्रायोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि मानव सेवा के इस महान कार्य को सफल बनाने में लायंस गौहाटी, लायंस ग्रेटर, लायंस उमंग, लायंस अनमोल, लायंस सिटी, लायंस कामरूपा, लायंस अर्पण, लायंस गोल्ड, लायंस मेट्रो, लायंस टाइम्स, लायंस कैपिटल असम, लायंस परवरिश, लायंस सहयोग, लायंस बिल्डवेल, लायंस एलिट, लायंस ग्लोबल, लायंस आइकॉन, लायंस रिवरव्यू, लायंस स्मार्ट सिटी, लायंस साउथ व लायंस नारंगी के सभी सदस्यों व लिओ सदस्यों का भरपूर सहयोग मिला, जिनके अथक प्रयासों से इस विराट आयोजन को शानदार तरीके से सफल बनाया जा सका। लायंस क्लब के इस मेगा मानव सेवा परियोजना *लायंस हाट बाजार-2.0* के अंतिम दिन जन सैलाब उमड़ पाड़ा, जो कार्यक्रम की अपार सफलता व लोकप्रियता को दर्शाता है। जनता ने लायंस क्लबों के इस कार्य की मुक्त कंठ से सरहाना करते हुए भविष्य में भी इसका आयोजन करने की मांग की।

मन की बात में पीएम मोदी ने चंद्रयान-3 और जी-20 की सफलता को बताया गौरवशाली

-सोत नदी पुनर्जीवन, अनोखी घोड़ा लाइब्रेरी व कोबरा जैसे अभियान को बताया अनुकरणीय
-भारत इंडिया-मिडिल ईस्ट-ईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर और इकोनॉमिक कॉरिडोर को बताया विश्व व्यापार का आधार

नई दिल्ली (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत ने अफ्रीकी संघ को जी-20 ब्लॉक का स्थायी सदस्य बनाकर अपने नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया । रविवार को आकाश-ावाणी से मन की बात कार्यक्रम में लोगों से अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने बताया कि सम्मेलन में प्रस्तावित भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा भी वैश्विक व्यापार की आधारशिला बनने के लिए तैयार है। पीएम मोदी ने कहा कि जब भारत व्यापार-कारोबार का बहुत बड़ा माध्यम उस समय दुनिया में सिल्क रूट की चर्चा होती थी। आधुनिक दौर में भारत इंडिया-मिडिल ईस्ट-ईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर और इकोनॉमिक कॉरिडोर के माध्यम से सैकड़ों वर्षों तक विश्व व्यापार का आधार बनने जा रहा है। कार्यक्रम के 105वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने चंद्रयान-3 की सफलता और जी-20 के शानदार आयोजन को गौरवशाली क्षण बताया। दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान -3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग के लाइव-स्ट्रीमिंग वीडियो को 80 लाख से अधिक बार देखे जाने की उपलब्धि पर उन्होंने लोगों को बधाई दी। पर्यटन को रोजगार का बड़ा क्षेत्र बताते हुए प्रधानमंत्री ने 27 सितंबर को मनाये जाने वाले विश्व पर्यटन दिवस पर भारत विविधता दर्शन करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि भारत में अब वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स की संख्या 42 हो गई है। पीएम मोदी ने कहा कि जी-20 में एक लाख से ज्यादा प्रतिनिधि भारत आए जो यहां की विविधता, अलग-अलग परम्पराएं, भांति-भांति का खानपान और हमारी धरोहरों से परिचित हुए. यहां आने वाले प्रतिनिधि अपने साथ जो शानदार अनुभव लेकर गए हैं, उससे टूरिज्म का और विस्तार होगा। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने नैनीताल जिले के दर्जन भर गांवों में फैली अनोखी घोड़ा लाइब्रेरी जिक्र करते हुए कहा कि दुर्गमतम इलाकों में भी इसके जरिए बच्चों तक निःशुल्क पुस्तकें पहुंच रही हैं। पीएम मोदी ने राजस्थान के सुखदेव भट्ट जी और उनकी टीम द्वारा जीव संरक्षण के लिए पुष्कर में किये गये कार्य को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि कोबरा नामक यह टीम खतरनाक सांपों का रेस्क्यू भी करती है। भारतीय संस्कृति और संगीत के वैश्वीकरण पर चर्चा करते हुए इंस्टाग्राम पर लोकप्रिय जर्मनी की 21वर्षीया कैसमी के बारे में बताया। डिजिटल टेक्नोलॉजी और ई-बुक्स के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने अभिभावकों से पुस्तकों के प्रति बच्चों को प्रेरित करने को कहा। यूपी के सम्भल में सोत नदी को पुनर्जीवित करने की को अनुपम बताते हुए उन्होंने जन-भागीदारी और सामूहिकता के संकल्प को अनुकरणीय बताया। गौरतलब है कि मन की बात कार्यक्रम पीएम मोदी को पूरे भारत से प्रेरक जीवन की कहानियां साझा करने, मौजूदा राष्ट्रीय घटनाओं पर चर्चा करने, उपलब्धियों को पेश करने का एक मंच मुहैया करता है।

आईपी यूनिवर्सिटी का रजत जयंती स्वास्थ्य मेला 5-10 अक्टूबर तक तालकटोरा स्टेडियम में लगेगा

अजय त्यागी

नई दिल्ली। द्वारका स्थित गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी अपनी स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर एक विशाल स्वास्थ्य मेला का आयोजन करने जा रही है। यह मेला 5 से 10 अक्टूबर तक दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में लगाया जाएगा। इस मेला में प्रवेश बिल्कुल फ्री होगा। मेले के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कुलपति पद्मश्री प्रो. डॉ. महेश वर्मा ने रविवार को कहा कि हमारा मकसद स्वास्थ्य को लेकर लोगों में जागरुकता फैलाना है। कोरोना के बाद लोगों में स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। यह मेला जनमानस के स्वास्थ्य संबंधी सभी उलझनों को सुलझाने का प्रयास करेगा। उन्होंने बताया कि इस स्वास्थ्य मेले का थीम एक कदम स्वास्थ्य समवर्धन की ओर है। इस थीम के अनुरूप प्रत्येक दिन स्वास्थ्य समवर्धन जागरुकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी सौ से ज्यादा सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाएं इस मेले में भाग ले रही हैं। यूनिवर्सिटी के दो कैम्पस समेत सभी सौ से ज्यादा संबंद्ध संस्थान इस मेले में सक्रिय भागीदारी कर रहे हैं। नेत्र जांच, ओरल कैंसर स्क्रीनिंग, ईएनटी जांच, ब्लड, ग्लूकोस और हिमोग्लोबिन जांच, बीएमआई, ब्लड प्रेशर, इलेक्ट्रोक-ार्डीओग्राम जैसे दो दर्जन से ज्यादा जांच यहां बिल्कुल फ्री होंगे। होम्योपैथी, आयुर्वेदिक एवं योग परामर्श भी फ्री में मिलेगा। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य जनजागरुकता पैवेलियन में जीवनशैली- जन्य विकार एवं उनका निदान, मानसिक स्वास्थ्य, बुढ़ापे में देख-भाल, ब्लड और अंगदान, कैंसर की रोकथाम, संक्रामक रोग, दांतों की देखभाल, पोषण एवं स्वास्थ्य परामर्श, पर्यावरणीय रोग एवं उनकी रोकथाम जैसे विषयों पर चर्चा एवं परिचर्चा आयोजित की जाएंगी। मिलेट के कई स्टॉल होंगे और मिलेट पर व्याख्यान का आयोजन भी किया जाएगा। बीएलएस, सीपीआर, फर्स्ट एड जैसे प्राण रक्षा के उपाय का प्रशिक्षण भी यहां दिया जाएगा और प्रशिक्षण पूरा करने वालों को प्रमाणपत्र दिया जाएगा। मेले में आए लोगों के मनोरंजन के लिए हर दिन वन एक्ट प्ले, स्ट्रीट प्ले, मोनो एक्टिंग, समूह गायन, शास्त्रीय एवं पश्चिमी संगीत और गायन, लोक नृत्य, शास्त्रीय नृत्य, स्ट्रीट डांस, कोरियोग्राफी, क्विज, डिबेट, स्टैंड अप कोमेडी, पेंटिंग जैसे इवेंट आयोजित किए जाएंगे। छोटे बच्चों के मनोरंजन के भी कई विकल्प यहां होंगे।

आखिर बार-बार अडानी से क्यों मिल रहे शरद पवार?

- क्या कांग्रेस को दरकिनार कर अडानी को महत्व दे रहे पवार?

मुंबई, (ईएमएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार एक बार फिर जाने-माने उधोगपति गौतम अडानी से मिले। ये मुलाकात शनिवार को गुजरात के अहमदाबाद में हुआ। पवार एक कार्यक्रम में भाग लेने अहमदाबाद गए थी जहां वे गौतम अडानी से मिलने उनके आवास पर गए. वहां उन दोनों के बीच आधे घंटे तक बातचीत होने की खबर है। पवार और अडानी की इस मुलाकात से एक बार फिर महाराष्ट्र में सियासी चर्चा शुरू हो गई है। दरअसल हिंडनबर्ग के मामले को लेकर जब अडानी स-ुर्खियों में थे और कांग्रेस पार्टी सदन से सड़क तक अडानी का जमकर विरोध कर रही थी तब गौतम अडानी शरद पवार से मिलने मुंबई उनके आवास पर गए जहां दोनों के बीच दो घंटे तक बातचीत हुई ये मुलाकात इस साल 20 अप्रैल को हुई थी। इसके बाद 2 जून को फिर मुंबई में अडानी ने पवार से मुलाकात की। ये मुलाकात आधे घंटे की रही। और अब अहमदाबाद में तीसरी मुलाकात हुई है। अब राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा है कि क्या अपनी सहयोगी कांग्रेस को दरकिनार कर शरद पवार उधोगपति गौतम अडानी को महत्व दे रहे हैं? क्योंकि कांग्रेस और खासकर राहुल गांधी लगातार गौतम अडानी और उनकी कंपनी का विरोध करते आ रहे हैं। लेकिन पवार लगातार अडानी से मुलाकात कर रहे हैं। इसको लेकर सियासी चचाओं का बाजार गर्म है और जानकार यही कह रहे हैं कि पवार कांग्रेस को दरकिनार कर अडानी को महत्व दे रहे हैं। अब कांग्रेस ही पवार से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांग सकती है। बहरहाल पवार के मन में क्या चल रहा है ये तो वही जानें लेकिन जानकारों का यही कहना है कि शरद पवार कुछ अलग ही सोच रहे हैं और कांग्रेस को शायद अँधेरे में रखे हुए हैं।

महिला आरक्षण बिल : हरदा बोले, भाजपा की नीयत साफ नहीं

हरिद्वार, (हि.स.)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि महिला आरक्षण बिल को लेकर भाजपा की नीयत साफ नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा अगर वाकई में महिलाओं के बारे में सोचती है तो इस बिल को 2024 में लागू किया जाए। रुड़की में दिल्ली रोड स्थित एक होटल में पत्रकारों से वार्ता करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण बिल को पेश किया और वह सर्वसम्मति से पास हो गया। वह इस बिल का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि इस बिल को लेकर भाजपा की नियत स्पष्ट नहीं है, क्योंकि स-रकार परिसीमन और जनसंख्या गणना की बात कहती हैं और इसे 2029 में लागू करने की बात कहते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार यदि महिलाओं का हित सोचती है तो 2024 में इस बिल को लागू करें। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता गलत भाषा का प्रयोग करते हैं तो उस पर भाजपा का कोई एक्शन नहीं दिखाई देता, लेकिन अगर कांग्रेस के किसी नेता की जुबान भी फिसल जाए तो हल्ला मचा दिया जाता है। उन्होंने किसानों की पांच मांगों को सरकार के सामने रखा, जिसमें आपदा के दौरान नष्ट हुई फसलों का उचित मुआवजा, गन्ने का मूल्य कम से कम सवा चार सौ रुपए प्रति क्विंटल, बिजली का बिल हर महीने की बजाय तीसरे महीने से दिया जाए, किसानों के ऋण माफ किया जाए और छह माह के लिए वसूली को रोके जाना चाहिए। इसके साथ ही रावत ने मांग की कि इकबालपुर चीनी मिल पर बकाया गन्ना भुगतान जल्द से जल्द किया जाए। इस अवसर पर विधायक फुरकान अहमद, रणविजय सिंह सैनी, रकम सिंह, राजेंद्र चौधरी, सुधीर शांडिल्य, आदित्य राना, यासिर अराफात, पंकज सोनकर, वीरेंद्र ठ-ाकुर, परवेज अहमद, जसविंदर, अजय चौधरी, आदेश सैनी आदि मौजूद रहे।

एलाइंस एअर की दिल्ली-बीकानेर-दिल्ली फ्लाइट 6 अक्टूबर से

राकेश शर्मा

बीकानेर। एलाइंस एअर की दिल्ली-बीकानेर-दिल्ली फ्लाइट 6 अक्टूबर से शुरू होगी। यह फ्लाईट हफ्ते में दो दिन सोमवार और शुक्रवार को ही चलेगी। एलाइंस एअर की ओर से विधिवत शेड्यूल जारी कर दिया गया है। शेड्यूल के अनुसार सप्ताह में सोमवार और शुक्रवार को दिल्ली से बीकानेर के लिए फ्लाइट दोपहर 1 बजकर 45 मिनट पर उड़ान भरेगी और दोपहर सवा तीन बजे बीकानेर के नाल स्थित सिविल एयरपोर्ट पहुंचेगी। वापसी में बीकानेर-दिल्ली फ्लाइट दोपहर तीन बजकर 40 मिनट पर रवाना होकर शाम पांच बजे दिल्ली पहुंचेगी। फिलहाल किराया चार हजार रुपए तय किया गया है।

उल्हासनगर टैंकर विस्फोट मामले में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई, (हि.स.)। उल्हासनगर टैंकर विस्फोट मामले में उल्हासनगर पुलिस ने रविवार को कंपनी के मालिक, प्रबंधक और टैंकर चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। टैंकर में विस्फोट होने से चार लोगों की मौत होने के इस मामले में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस के अनुसार उल्हासनगर इलाके में शनिवार को सेंचुरी रेयान नामक कंपनी में टैंकर विस्फोट हो गया था। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई थी, इनमें तीन की पहचान कर ली गई है, जबकि एक मृतक की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। इस घटना में घायल छह लोगों का इलाज कल्याण स्थित अस्पताल में हो रहा है। कंपनी के प्रवक्ता मेहुल लालका ने बताया कि प्रबंधन ने इस घटना में मृतकों के एक आश्रित को नौकरी देने का निर्णय लिया है। साथ ही मृतकों के परिवार वालों को कंपनी की ओर से मुआवजा भी दिया जाएगा। इस घटना से सभी छह घायलों का इलाज कंपनी की ओर से किया जाएगा। सहायक पुलिस आयुक्त अमोल कोली ने बताया कि इस मामले की छानबीन जारी है, लेकिन मामले की जांच औद्योगिक सुरक्षा विभाग के माध्यम से भी कर-वाई जाएगी।

भारी बारिश ने बदला नागपुर का रुप, चारों ओर पानी ही पानी

-बनी जलभराव की स्थिति, 3 की मौत, 400 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला

नागपुर (ईएमएस)। लगातार हो रही भारी बारिश ने नागपुर शहर का रुप ही बदल दिया है। यहां शुक्रवार-शनिवार की मध्यरात्रि से हुई भारी बारिश के कारण चारों और पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। यहां बारिश के कारण एक महिला सहित कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 400 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। महाराष्ट्र की दूसरी राजधानी नागपुर, जो इस तसय झील नगरी जैसी दिखाई दे रही है, लगभग जलमग्न हो गई है। बचाव कार्य के लिए भारतीय सेना को की जानकारी भी एक अधिकारी द्वारा दी गई। यहां गरज और चमक के साथ मूसलाधार बारिश हुई, जिससे शहर और आसपास के इलाकों में बाढ़ आ गई और कई इलाकों में एक से चार फीट तक जलभराव हो गया। आवासीय परिसरों के भूतल पर पानी भर जाने के कारण हजारों नागरिक अपने घरों या इमारतों में फंसे रह गए। और वे बाहर निकलने में असमर्थ हो गए। शहर के बड़े क्षेत्रों में एहतियात के तौर पर बिजली बंद कर दी गई, जिससे पानी की आपूर्ति भी प्रभावित हुई। मिली जानकारी के अनुसार मीराबाई पिल्लै नामक 70 वर्षीय महिला की बाढ़ में मौत हो गई है। विभिन्न हिस्सों में 400 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जबकि 10,000 से अधिक घर जलमग्न हो गए हैं और भारी नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई में कहा कि सरकार नागपुर में बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रख रही है और वहां के अधिकारियों के संपर्क में है। केंद्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने बचाव और राहत कार्यों पर चर्चा करने के लिए शीर्ष नागरिक अधिकारियों के साथ बैठकें कीं, जबकि शहर अगले दो दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट पर है। फड़नवीस ने उन लोगों को 10,000 रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की, जिनके घर बाढ़ के पानी में डूब गए थे, दुकानदारों को 50,000 रुपये और छोटे व्यवसायों को 10,000 रुपये का मुआवजा दिया गया। यहां बचाव कार्य के लिए सेना की टुकड़ियों के अलावा एसडीआरएफ, एनडीआ-रएफ, नागपुर पुलिस, फायर ब्रिगेड और अन्य एजेंसियों की टीमों को नावों में तैनात किया गया था। शहर में रुक-रुक कर हो रही बारिश अभी भी जारी है। शहर के कुछ इलाकों में गंभीर जलभराव की सूचना मिली है, जिनमें शंकर नगर, पंचशील चौक, सीताबर्डी, अंबाझरी, कांचीपुरा, इतवारी, लकड़गंज, धरमपेठ, मेकोसाबाग, सदर, कॉटन मार्केट और आसपास के इलाके शामिल हैं। एक निजी छात्रावास में फंसी कम से कम 50 लड़कियों को रस्सियों की मदद से बचाया गया और ऊंचे स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया, और जिन इमारतों में दो-तीन फीट पानी घुस गया था, वहां रहने वाले कुछ संकटग्रस्त परिवारों को भी बाहर निकाला गया।

विधानसभा चुनाव से पहले राठ की राजनीति में फिर उबाल

अलवर, (हि.स.)। राठ क्षेत्र के नाम से अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले बहरोड में चुनावी सरगर्मियां जहां नेताओं के सर चढ़कर बोल रही है वहीं अब राजनीति के इन सिपलसहारों में आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला बदस्तूर जारी है। बहरोड विधायक, पूर्व सांसद एवं मंत्री रहे भाजपा के कद्दावर नेता डॉ. जसवंत यादव एवं वर्तमान विधायक बलजीत यादव की जुबानी जंग ने राठ की राजनीति में बवाल मचा रखा है। वही यहां से अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे महेंद्र यादव के किस्से भी आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस और भाजपा को दरकिनार कर बहरोड की जनता ने जनता सेना प्रमुख बलजीत यादव की विधायक के रूप में ताजपोशी की लेकिन विधायक बनने के बाद से ही बलजीत अपनी कार्यशैली को लेकर बहरोड ही नहीं बल्कि पूरे राजस्थान में चर्चित चेहरा बने हुए हैं। हाल ही में विधायक कोटे से खरीदी खेल सामग्री में हुए कथित भ्रष्टाचार की परतें उधड़ने में न केवल भाजपा के नेता बल्कि निर्दलीय के रूप में कांग्रेस पार्टी समर्पित बलजीत का कांग्रेस के ही संजय यादव डटकर खुलासा कर रहे हैं। विधायक कोटे से खरीदी खेल सामग्री की जांच कमेटी ने निविदा निरस्त करने के जो आदेश दिए चुनावी माहौल में संजय इस भ्रष्टाचार को राजनीति के दम पर भुनाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। विधानसभा क्षेत्र बहरोड में टीम संजय यादव के नाम से रातों-रात विधायक दे अपने भ्रष्टाचार का जवाब, जनता मांग रही 4.31 करोड रुपए का हिसाब स्लोगन के होर्डिंग लगाए गए हैं जो कि आमजन में कौतुहल का विषय बने हुए हैं। राजनीति का ऊंट कब किस करवट बैठ जाए यह वास्तव में कहा नहीं जा सकता राजनितिक पंडितो के अनुसार जिस संजय यादव टीम ने 2018 के विधानसभा चुनाव में वर्तमान विधायक बलजीत को चुनाव जिताने में जी जान से मदद की वही संजय की टीम अब चुनावी मुहाने पर खड़े बलजीत को चुनावी कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। उल्लेखनीय की एनएसयूआई से अपने राजनीतिक कैरियर की शुरूआत करने वाले संजय यादव भी कांग्रेस पार्टी से बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र में प्रबल दावेदारी जता रहे हैं।

मप्र में कोटवारों का मानदेय होगा दोगुना, स्वास्थ्य बीमा का लाभ भी मिलेगा : शिवराज

- कोटवार महासम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री, सेवानिवृत्ति पर एक लाख रुपये राशि देने समेत की कई घोषणाएं

भोपाल, (हि.स.)। मुख्यमंत्री शि-ावराज सिंह चौहान ने रविवार को भोपाल के लाल परेड मैदान पर कोट-वारों के महासम्मेलन में अनेक घोषणाएं की। उन्होंने कोटवारों की मानदेय राशि में दोगुना तक वृद्धि की घोषणा करते हुए कहा कि कोटवारों के वेतन में हर साल न्यूनतम 500 रुपये की वृद्धि की व्यवस्था की जाएगी। ऐसे कोटवार जिनके पास सेवाभूमि नहीं है, उन्हें 4000 रुपये मासिक मिलते हैं। अब उन्हें 8000 रुपये मासिक मिलेंगे। जिन कोटवारों को 1000 रुपये मिलते हैं, उन्हें बढ़-ाकर 2000 और जिन्हें 600 रुपये मिलते हैं, उन्हें 1200 रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि 10 एकड़ तक की सेवाभूमि वाले कोट-वारों को भी न्यूनतम 1000 रुपये मानदेय दिया जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री चौहान ने कोटवार महासम्मेलन का दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री मंच से उतरे और पुष्पवर्षा कर कोटवारों का स्वागत किया। उन्होंने मंच से कोटवारों का अभिनंदन करते हुए कहा कि ग्राम देवताओं जैसे होते हैं। जिस तरह ग्रामदेवता की पूजा के बिना कोई काम शुरू नहीं होता, उसी तरह कोटवारों की जानकारी के बिना गांवों में कोई काम आगे नहीं बढ़ता। उन्होंने कहा कि आप प्रशासन के लिए कर्णधार हैं। आपके पास गाँव की सभी जानकारी होती है, जिसके आधार पर कई कार्य सहजता से संपन्न हो जाते हैं। कोटवार गाँव के चलते-फिरते गूगल हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कोटवारों पर सौगातों की बरसात करते हुए कहा कि मैं सरकार नहीं परिवार चलाता हूं और इस परिवार का मुखिया होने के नाते हर वर्ग के सुख-दुख का ध्यान रखना मेरा धर्म है। उन्होंने यह घोषणा भी कि कि सभी कोटवारों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ दिया जाएगा। कोटवारों की वर्दी का रंग भी अब खाकी होगा। कोटवारों को सेवानिवृत्ति पर अब एक लाख रुपये धनराशि प्रदान की जाएगी। हर कोटवार को सीयूजी मोबाइल सिम दी जायेगी और रिचार्ज की व्यवस्था भी शासन द्वारा किया जायेगा।

अगले 76वें सेना दिवस की परेड मध्य कमान क्षेत्र के लखनऊ में कराने का फैसला

- सेना की 06 कमानों को बारी-बारी से परेड करने का दिया जाएगा मौका
- देश के विभिन्न क्षेत्रों को सेना दिवस की विविध भव्यता देखने को मिलेगी

नई दिल्ली, (हि.स.) पारंपरिक रूप से दिल्ली में होने वाली वार्षिक सेना दिवस परेड को पिछले साल से भारत के अलग-अलग शहरों में करने के फैसले के मद्देनजर सेना दिवस की अगले साल होने वाली परेड लखनऊ में होगी। इसी के तहत पिछले सेना दिवस की परेड दक्षिणी कमान क्षेत्र के बेंगलुरु में हुई थी और अगले 76वें सेना दिवस की परेड मध्य कमान क्षेत्र के लखनऊ में 15 जनवरी 2024 को करने का फैसला लिया गया है। दरअसल, मौजूदा समय में देशभर में सेना की 06 कमान संचालित हैं, इसलिए सभी कमानों को बारी-बारी से सेना दिवस परेड आयोजित करने का मौका देने का फैसला लिया गया है। सेना अपनी कमानों के जरिये क्षेत्रीय परिदृश्य के अनुसार अलग-अलग सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में काम करती है, इसलिए इस फैसले से सेना की क्षेत्रीय कमानों को हर साल परेड की मेजबानी करने पर उन्हें भारत के विविध रंग दिखाने का मौका मिल सकेगा। वार्षिक सेना दिवस परेड को भारत के अलग-अलग शहरों में आयोजित करने का मकसद कार्यक्रम में विविधता लाने के साथ ही देश के विभिन्न क्षेत्रों को इस कार्यक्रम की भव्यता देखने का मौका मिलेगा। सेना दिवस परेड का आयोजन बारी-बारी से सभी कमान के चयनित आयोजन स्थलों पर करने की योजना इसलिए भी है, ताकि देश की रक्षा में अहम भूमिका निभाने वाली सेना की विभिन्न कमानों पर भी ध्यान केंद्रित किया जा सके। वैसे भी सेना दिवस पर पूरा देश थल सेना की वीरता, अदम्य साहस और शौर्य की कुर्बानी की दास्तां को बयान करता है। जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। दिल्ली में सेना मुख्यालय के साथ-साथ देश के कोने-कोने में शक्ति प्रदर्शन के अन्य कार्यक्रम होंगे।

क्यों मनाया जाता है सेना दिवस - देश की आजादी के बाद लेफ्टिनेंट जनरल (बाद में फील्ड मार्शल) केएम करियप्पा 15 जनवरी 1949 को स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय सेना प्रमुख बने थे। उन्होंने इस दिन ब्रिटिश राज में भारतीय सेना के अंतिम अंग्रेज शीर्ष कमांडर जनरल रॉय फ्रांसिस बुचर से यह पदभार ग्रहण किया था। इसी दिन को याद करने के लिए हर साल 15 जनवरी को सेना दिवस मनाया जाता है। केएम करियप्पा पहले ऐसे अधिकारी थे, जिन्हें फील्ड मार्शल की उपाधि दी गई थी। उन्होंने 1947 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय सेना का नेतृत्व किया था। इस दिन उन सभी बहादुर सेनानियों को सलामी भी दी जाती है, जिन्होंने कभी ना कभी अपने देश और लोगों की सलामती के लिए अपना सर्वोच्च न्योछावर कर दिया।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री आज आयेंगे जालौन

जालौन, (हि.स.)। बागेश्वर धाम के आचार्य संत धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री आज दिन में दो बजे पचोखरा पहुंचेंगे। वह मध्य प्रदेश के हरदा से हेलीकॉप्टर से उरई पहुंचेंगे। गाड़ियों के काफिले से पचोखरा धाम में कीर्तिशेष स्वामी राजेश्वरानन्द रामायणी के जन्मोत्सव में हो रहे श्रीराम महायज्ञ में पहुंचेंगे जहां वह उनकी समाधि पर पुष्पार्चन करेंगे। बागेश्वर धामपीठाधीश्वर को जेड प्लस की सुरक्षा होने की वजह से प्रशासन व आयोजक मण्डल खासा सतर्क भी है। प्रशासन के आलाधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल की

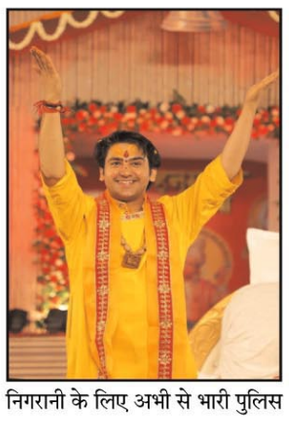

निगरानी के लिए अभी से भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी है। आयोजक मण्डल के महंत गुरूप्रसाद ने कहा है कि आचार्य धीरेंद्र शास्त्री सभी को दर्शन देंगे। सभी लोग धैर्य से काम लें। वही शनिवार देर रात को अपर पुलिस अधीक्षक असीम चौधरी ने भारी पुलिस बल के साथ निरीक्षण किया और समस्त थानों की पुलिस को सचेत किया। स्थानीय लोगों को बागेश्वरपीठाधीश्वर के आने की जैसे ही सूचना मिली तो लोगों में भारी उत्साह देखा गया और भारी संख्या में लोग अमर शांति आश्रम पचोखरा के लिए प्रस्थान कर गए।

1 किलो गोबर से बन रही पांच हजार रुपये तक की एंटीरेडिएशन चिप : सर्वजीत

लखनऊ, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गौ सेवा के अवध प्रांत प्रमुख सर्वजीत ने कहा कि गांव से शहर में गौ सेवा का कार्य तेजी से बढ़ा है। हमारे गौ सेवा के कार्यकर्ता दिनरात मेहनत कर गोबर से गौ उत्पाद बना रहे हैं। एक किलो गोबर से पांच हजार रुपये तक का एंटीरेडिएशन चिप बनाया जा रहा है। एक किलो गोबर का उपयोग कर धूपबत्ती बनायी जाये तो उसकी कीमत ढाई हजार से कम नहीं होगी। लखनऊ पश्चिम के बुद्धेश्वर नगर में सीएम पैराडाइज के सभागार में आयोजित पंचगव्य से प्रशिक्षण कार्यक्रम में सर्वजीत ने कहा कि उत्तर प्रदेश देशी गाय की 16 प्रजाति है। जय ललिता देवी, राधा और लक्ष्मी स्वरूपा गाय है। गाय में आठ लक्ष्मी स्वरूप का वास है। गोबर से लिपा हुआ घर पॉजिटिव एनर्जी देता है। पहले के वक्त में घर गोबर से लिपा होता था। पंचगव्य से मानव चिकित्सा संयोजक वेद गुप्ता ने कहा कि पोषक किरणें शरीर को चाहिए। जब विटामिन डी की कमी होती है तो उस व्यक्ति को धूप में बैठने के लिए कहा जाता है। गाय के गोबर के कंडे का उपयोग शुगर को कम करने के लिए किया जाता रहा है। वात, पित्त, कफ को गोमूत्र से ठीक किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि संकल्प लेकर गौमूत्र का सेवन करें। गौमूत्र का सेवन करने से उदर से जुड़ी तमाम बीमारी नहीं होती है। शुद्ध देशी घी से दस लाभ है। नाक में डालने से माइग्रेन नहीं होता है। बच्चों की हथेली पर गाय का घी लगाने से उन्हें सर्दी से बचाया जा सकता है। दही से मट्ठा बनाकर सुबह के वक्त पीने से ब्लड प्रेशर सामान्य हो जाता है। शुगर भी

मट्ठा से नियंत्रित होता है। पहले के वक्त में पंचामृत में पंचगव्य हुआ करता था, जिसमें से दो चीजें निकल गयी। पहली गोमय और दूसरी गोमूत्र। इसके बदले में शहद और गंगाजल डाला जाने लगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कृष्णावतार ने कहा कि गाय, गायत्री और यज्ञ का विशेष महत्व रहा है। आज भी पेय पदार्थ में दूध का सर्वाधिक उपयोग है। गाय से दूध मिलता है। ऋषि मुनि भी गाय के घी को जलाने के लिए कहते रहे। गोबर का विशेष महत्व है और इसका उपयोग शुद्धता लाने के लिए होता रहा है। जो पहले से होता आया है, उसे बदलने के कारण समस्याएं आयी हैं। पहले जैसे ही गोबर, गाय के दूध, घी का उपयोग होने लगे तो बहुत सारी समस्याएं अपने आप ही समाप्त हो जायेंगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विभाग संयोजक शरद, विभाग प्रशिक्षण संयोजक पवन, विभाग प्रशिक्षण संयोजिका आरती, प्रशिक्षक दिनेश, प्रशिक्षक नीलम, डॉ.राकेश मिश्रा, डॉ.अनुभव अग्रवाल, डॉ.साधना वाल्मीकि, डॉ.जाह्नवी पाण्डेय, नगर संघ चालक संजय जिंदल, प्रेमचंद्र दीक्षित मौजूद रहे। कार्यक्रम के आयोजक नगर संयोजक राम सिंह ने सभी जन का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संचालन सुबोध और समापन दुर्गेश ने किया।

दिव्यांगों को उपकरण एवं रोजगार देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है: जय प्रकाश रावत

हरदोई, (हि. स.)। आज दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों हेतु भारत सरकार की एडिप एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अन्तर्गत स्थानीय आईटीआई के सभागार में आहूत निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद जय प्रकाश रावत ने दीप प्रज्जवलित कर किया तथा दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान किये। इस अवसर पर कुल पंजीकृत 133 दिव्यांगों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराये गये। इस अवसर पर उपस्थित दिव्यांगजनों को सम्बोधित करते हुए सांसद ने कहा कि भारत सरकार ने

देश के समस्त दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने का संकल्प लिया है और इसी कड़ी में दिव्यांगों को निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें रोजगार आदि के माध्यम से आत्म निर्भर बनाया जा रहा है। उन्होने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनपद में ब्लॉकवार दिव्यांगजन पंजीकरण शिविर का आयोजन कराकर छूटे दिव्यांगों का पंजीकरण कराकर उन्हें उनकी आवश्यकतानुसार सहायक उपकरण उपलब्ध करायें। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के संयुक्त सचिव राजेश यादव ने बताया कि भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष एडिप योजना के तहत एलिम्को द्वारा चिह्नित दिव्यांगों को मोटर साइकिल व ट्राइ साइकिल, सीपी केयर, कान मशीन, कृत्रिम अंग, सुगम्य छड़ी, वैशाखी आदि सहायक उपकरणों का वितरण कराया जाता है।

वाराणसी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साह से सुनी मोदी के 'मन की बात'

वाराणसी, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भाजपा कार्यकताओं ने रविवार को रेडियो पर प्रसारित 'मन की बात' के 105 वें संस्करण को पूरे उत्साह और मन से सुना । प्रधानमंत्री की अपील को अपने जीवन में अपनाने उनके निर्णयों और विचारों में भागीदार बनने का संकल्प भी लिया। नदेसर मिंट हाउस पर ह्यमन की बात कार्यक्रम को भाजपा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र सिंह और अन्य नेताओं ने सुना। इसी क्रम में नई सड़क स्थित गीता मंदिर के पास भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के कार्यकताओं ने प्रदेश उपाध्यक्ष अनूप जायसवाल,भाजपा क्षेत्रीय महामंत्री अशोक चौरसिया के साथ सुना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यमन की बात कार्यक्रम को भाजपा नेताओं ने कई जगहों पर सुना और कार्यक्रम का फोटो भी नमो एप पर अपलोड किया। मन की बात में प्रधानमंत्री ने चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग और जी-20 शिखर सम्मेलन की सफलता का जिक्र कर कहा कि चंद्रयान-3 को लेकर देश में जबरदस्त उत्साह का माहौल है। आजादी का ये अमृतकाल, देश के लिए हर नागरिक का कर्तव्य काल भी है। अपने कर्तव्य निभाते हुए ही हम अपने लक्ष्यों को पा सकते हैं, अपनी मंजिल तक पहुंच सकते हैं। कर्तव्य की भावना, हम सभी को एक सूत्र में पिरोती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस हैं, पर्यटन को कुछ लोग सिर्फ सैर-सपाटे के तोर देखते हैं, लेकिन पर्यटन का एक बहुत बड़ा पहलू रोजगार से जुड़ा है। मेरा आप सबसे आग्रह है कि जब आप कहीं घूमने जाने की योजना बनाएं, तो ये प्रयास करें कि भारत की विविधता का दर्शन करें।

सरकारी दस्तावेज बेचने के मामले में सीडीओं ने दर्ज कराया मुकदमा

कानपुर, (हि.स.)। विकास भवन में समाज कल्याण विभाग की सरकारी फाइलें बेचने के मामले में मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार ने नवाबगंज थाने में सफाई कर्मी मोहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। कार्यों में घोर लापरवाही करने वाले पटल सहायक हरेंद्र सक्सेना के खिलाफ शिकायती पत्र शासन को भेजा है। सीडीओं ने समाज कल्याण विभाग के लापरवाह अधिकारियों को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। वहीं समाज कल्याण विभाग के 23 नम्बर कमरे से वृद्धा पेंशन के वर्ष 2017 से 2022 तक के सत्यापन के दस्तावेज गायब हैं। इस संबंध में समाज कल्याण अधिकारी त्रिनेत्र सिंह के मुताबिक कबाड़ी के यहां से 2023 के सत्यापन की 31 फाइलें एवं दस्तावेज मिले हैं। रिकॉर्ड रूम से पुराना दस्तावेज गाबय है, जिसकी तलाश की जा रही है। सूत्रों की मानें तो समाज कल्याण विभाग में संचालित

कई योजनाएं के दस्तावेज गायब हैं। वहां तैनात सभी कर्मचारी लाभार्थियों के दस्तावेज सुरक्षित रखने में घोर लापरवाही की जाती है। इसी कार्यालय में बीते काफी दिनों से कार्यरत महिला कर्मचारी जिसकी ड्यूटी तीन दिन लखनऊ स्थित कार्यालय के लिए लगी है लेकिन वह यहीं बनी रहती है और छात्रवृत्ति कार्य उसके हाथ में है, उसके सामने कई अधिकारी आए और चले गये। समाज कल्याण और नेडा विभाग के अधिकारी और कर्मचारी इतने लापरवाह हैं कि 6 साल के वृद्धा पेंशन और सोलर पैनल के रिकॉर्ड और कई फाइलें कार्यालय से गायब हो गईं, इस-की किसी को भनक तक नहीं लगी। मामला खुलने के बाद शनिवार को दिनभर समाज कल्याण विभाग के 23 नंबर कमरे में फैले पड़े रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने का काम हुआ। इसके बाद वृद्धा पेंशन, पारिवारिक लाभ के सारे रिकॉर्ड दिखाए गए तो वृद्धा पेंशन योजना के वर्ष 2017 से 2022 तक का रिकॉर्ड गायब मिला। सफाई कर्मचारियों के कबूलनामे के बाद प्रकरण में दो कबाड़ियों से पूछताछ की गई है। रावतपुर स्थित विकास भवन के सामने दीपक जायसवाल और गोरा कब्रिस्तान के सादे कार कबाड़ी से समाज कल्याण विभाग के कर्मचारियों ने पूछताछ कर फाइलों को खंगाला है। हालांकि शुक्रवार के बाद कोई खास सफलता हाथ नहीं लगी है। मुख्य आरोपी सफाई कर्मी मोहन के अलावा एक अन्य सफाई कर्मी रमेश कुमार की मिलीभगत भी सामने आई है। इसमें जांच की जा रही है।

जनता को मोदी में अटूट विश्वास : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व में अटूट विश्वास है। यूपी में लोकसभा की 80 सीटों पर जीत दर्ज कर तीसरी बार मोदी सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ता और जनता तैयार है। केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार स्वरोजगार सृजन के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में अमृत सरोवर' योजना के माध्यम से जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन, सिचाई, कृषि कार्यों को गति दी जा रही है। प्रदेश में 24461 साइटों को अमृत सरोवर बनाने के

लिए चिन्हित किया गया है। इनमें से 16872 चिह्नित साइटों में निर्माण कार्य से शुरू किये गए हैं। वहीं 13898 सरोवरों का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है।

लोहरदगा में खपरैल मकान का छप्पर तथा दीवार गिरने से घर में सो रहे छह लोग दबे

लोहरदगा, (हि.स.)। कुडू प्रखंड क्षेत्र के जीमा पंचायत के टिको बंडा टोली गांव में रविवार अहले सुबह करीब दो बजे जब गहरी नींद में सो रहे एक परिवार पर खपरैल मकान का छप्पर तथा दीवार गिर गया। इससे सभी छह ग्रामीण छप्पर तथा दीवार में दब गए। बताया जाता है कि दीवार के नीचे दबे एक युवक के द्वारा शोर मचाने के बाद आसपास के ग्रामीण पहुंचे तथा सभी को बाहर निकालते हुए इलाज के लिए कुडू सीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद दो को रांची रिम्स तथा तीन को लोहरदगा सदर अस्पताल रेफर किया गया जबकि एक का इलाज के बाद छुट्टी दे दिया गया है। घटना में घायल दो की हालत नाजुक बनी हुई है। टिको बंडा टोली निवासी बोधना मुंडा पत्नी बंधईन मुंडाइन पुत्र छोटू मुंडा, पुत्री छोटी कुमारी तथा उमेश मुंडा तथा पंचम मुंडा कच्चे खपरैल मकान में सो रहे थे। इसी बीच खपरैल मकान की छप्पर तथा दो तरफ की दीवार सो रहे परिवार के उपर गिर गया इस घटना में सभी लोग मकान में दब गए। किसी तरह छोटू मुंडा तथा पंचम मुंडा बाहर निकले तथा शोर मचाने लगे। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण पहुंचे तथा सभी को बाहर निकालते हुए इलाज के लिए कुडू सीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद गम्भीर रूप से घायल बंधईन मुंडाइन तथा उमेश मुंडा को रांची रिम्स रेफर किया गया। तीन ग्रामीणों बोधना मुंडा, छोटी कुमारी तथा छोटू मुंडा को लोहरदगा सदर अस्पताल रेफर किया गया है जबकि पंचम मुंडा का इलाज कुडू सीएचसी में किया गया।

झारखंड में कैश वैन की सुरक्षा के लिए दिशा-निर्देश जारी

रांची, (हि.स.)। बैंक, एटीएम सहित अन्य एजेंसियों के लिए नकदी लाने और ले जाने वाली कैश वैन की सुरक्षा को लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने नये दिशा-निर्देश जारी किये हैं। इसमें कहा गया है कि प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी एक्ट 2005 के तहत रजिस्टर्ड सिक्योरिटी एजेंसी को ही बैंकों का कैश लाने-ले जाने के लिए नियुक्त किया जाना चाहिए, जो एजेंसी इस कानून के तहत पंजीकृत नहीं हैं, उन्हें इसका कॉन्ट्रेक्ट नहीं मिलना चाहिए। कहा गया है कि कैश वैन में सुरक्षा के सभी इंतजाम होने चाहिए। प्रत्येक कैश वैन में एक चालक, दो हथियारबंद सुरक्षा गार्ड और दो एटीएम अधिकारी होने अनिवार्य हैं। कैश वैन पर तैनात कर्मचारियों की पुलिस वेरिफिकेशन, केवाईसी तथा उनका पुराना रिकॉर्ड चेक किया जाना चाहिए। कैश वैन में जीपीएस होना अति आवश्यक है। गृह विभाग के द्वारा जारी दिशा निर्देश में कहा गया है कि कैश वैन की सुरक्षा के लिए तैनात निजी गार्ड का केवल सुरक्षा उद्देश्य के लिए उपयोग किया जायेगा। उन्हें ड्यूटी के दौरान रुपये का बक्सा ढोने में शामिल नहीं किया

जायेगा, जिससे उनका ध्यान सुरक्षा से हटे। किसी निजी एजेंसी द्वारा बैंक के पैसे को ले जाने के लिए टैक्सी या किराये पर लिए गये वाहन का उपयोग नहीं किया जायेगा। कैश वैन में चालक के साथ एक गार्ड आगे बैठेगा और दूसरा कैश वैन के पिछले भाग में बैठेगा। रुपये के बक्से को लोड करने और उतारने, शौच, जलपान या भोजन करने के दौरान कम से कम एक सुरक्षा गार्ड कैश वैन में उपस्थित रहेगा। कैश वैन एक बार में पांच करोड़ से अधिक रुपये नहीं ले जायेगी। निजी एजेंसी को यह सुनिश्चित करना होगा कि 10 लाख रुपये से अधिक ले जाने के लिए सुरक्षित कैश वैन का उपयोग किया जायेगा। साथ ही कहा गया है कि सुरक्षा गार्ड को 12 बोर डीबीबीएल शॉटगन उपलब्ध करानी होगी। बंदूक का दो वर्ष में कम से कम एक बार फायर परीक्षण करवाना चाहिए। बंदूक के कारतूस भी दो वर्ष में एक बार बदले जाने चाहिए। सरकार से अनुमोदित शस्त्रशाला द्वारा बंदूक की जांच और प्रमाणित कराई जानी चाहिए। आपात स्थिति और घटना के समय अपराधियों को भय दिखा कर रोकने और मुकाबला करने के लिए शस्त्र का प्रयोग करें। इसके अलावा अपराधियों से मुकाबला कर कैश वैन सुरक्षित जगह की ओर ले जायें।

झारखंड को दूसरे वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात, नरेन्द्र मोदी ने दिखाई हरी झंडी

रांची, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार दोपहर 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 11 राज्यों के धार्मिक और पर्यटन स्थलों को जोड़ने वाली नौ वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन राज्यों में झारखंड, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा और गुजरात शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन जल्द ही देश के हर हिस्से को कनेक्ट करेगी। देश में 25 वंदे भारत ट्रेनें पहले से ही चल रही हैं। अब उनमें नौ और ट्रेनें जोड़ी जाएंगी। उन्होंने कहा कि आज राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, झारखंड और गुजरात के लोगों को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सुविधा मिलेगी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 9 वर्षों में रेलवे सिस्टम में अभूतपूर्व परिवर्तन किया है। वंदे भारत ट्रेन के जरिये रांची-हावड़ा, पटना-हावड़ा और जामनगर-

अहमदाबाद के बीच यात्रा का समय इन गंतव्यों के बीच वर्तमान में उपलब्ध सबसे तेज ट्रेन की तुलना में लगभग एक घंटे कम हो जाएगा। **सप्ताह में छह दिन चलेगी वंदे भारत ट्रेन** - सीनियर डीसीएम निशांत कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राज्यपाल, मुख्यमंत्री, सांसद व विधायकों को आमंत्रण दिया गया था। कार्यक्रम सुबह 10.45 से शुरू हुआ। ट्रेन का सामान्य परिचालन 27 सितंबर से होगा। ट्रेन मंगलवार को छोड़ कर सप्ताह में छह दिन चलेगी। ट्रेन संख्या 20898 रांची से सुबह 5.15 बजे खुलेगी व मुरी, कोटशिला, पुरुलिया, चांडिल, टाटा व खड़गपुर होते हुए हावड़ा पहुंचेगी। हावड़ा से ट्रेन संख्या 20897 दोपहर 3.45 बजे खुलेगी और रात 10.50 बजे रांची पहुंचेगी। ट्रेन में बुकिंग शुरू है। रांची रेलवे स्टेशन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मंत्री हफीजुल हसन, सांसद संजय सेठ, आदित्य साहू, महुवा माझी, समीर उरांव मौजूद थे। राज्यपाल ने वंदे भारत में बैठे स्कूल के बच्चों से मिले और उन्हें चॉकलेट दी। उन्होंने कहा भारत आगे बढ़ रहा है और झारखंड उसे फॉलो कर रहा है। आज झारखंड को वंदे भारत की दूसरी कनेक्टिविटी मिली, जो हावड़ा-बंगाल तक जायेगी। बंगाल एक पोर्ट है। इससे कनेक्टिविटी ग्रोथ में मदद करेगी।

डीएवी बरौनी में पुस्तकालय, कंप्यूटर एवं विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन

बेगूसराय, (हि.स.)। डीएवी स्कूल बरौनी (एनएच-28) में आज नवनिर्मित पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब, स्वागत कक्ष, कंपोजिट लैब, भौतिकी प्रयोगशाला, जीव विज्ञान प्रयोगशाला एवं रसायन प्रयोगशाला का उद्घाटन प्रबंधकारणी समिति नई दिल्ली के कोषाध्यक्ष-सह-विद्यालय के अध्यक्ष नानक चंद ने दीप प्रज्वलित कर वैदिक मंत्रोचारण के साथ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नानक चंद ने कहा कि पुस्तकालय वह स्थान है, जहां विविध प्रकार के ज्ञान, सूचना स्रोतों, सेवाओं आदि का संग्रह रहता है। पुस्तकालय का इतिहास लेखा प्रणाली, पुस्तकों और दस्तावेजों के स्वरुप को संरक्षित रखने कि पद्धतियों और प्रणाली से अलग है। कंप्यूटर लैब विद्यालय के लिए वरदान साबित होगा। जिससे विद्यालय के छात्र-छात्राएं आज के तकनीक चीजों से लाभान्वित होकर भविष्य को सुरक्षित रख पाएंगे। उन्होंने आह्वान किया कि छात्र-छात्राओं को वैज्ञानिक पद्धति से शिक्षा दिया जाए, तभी ये सभी प्रयोगशालाएं उपयोगी साबित होगी। इस अवसर पर बिहार जोन-ए पटना के उपनिदेशक शशिकांत झा ने कहा कि इस आधुनिक युग में

आधुनिक शिक्षण सामग्री का उपयोग करना चाहिए। जिससे हमारे बच्चों में हो रहे बदलाव के क्षमता को सही से आंका जा सकेगा। जोन-डी बेगूसराय के सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी कमल किशोर सिन्हा ने यहां के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के कार्यप्रणाली की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि प्राचार्य सुमंत घोष ने अल्प समय में अत्यधिक कार्य कर साबित किया कि जहां चाह, वहां राह है। जोन-जी समस्तीपुर के सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी नीरज कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षकों को हमेशा गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयत्नशील रहना चाहिए। तभी हम अपेक्षित गुणात्मक प्रदर्शन सूची हासिल कर सकते हैं। आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राचार्य सुमंत घोष ने कहा कि मैं पहली जून 2023 डी.ए.वी. के स्थापना दिवस पर इस विद्यालय में योगदान दिया। उसी समय से विद्यालय के लिए उचित संसाधनों के प्रयास में लगा रहा। करीब चार महीनों का यह श्रम है जिससे अत्याधुनिक पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब, विज्ञान प्रयोगशाला आदि कार्यों को पूरा कर छात्र-छात्राओं को समर्पित किया गया। इस अवसर पर भागलपुर के सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी आर.सी. शर्मा, जोन-गया (एक) के सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी अंजलि, गया-दो के सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी रामशीष राय, औरंगाबाद जोन के सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी आशीष जना, इटवा डीएवी के प्राचार्य सविता, शेखपुरा के प्राचार्य सुधा झा एवं लखीसराय के प्राचार्य निरंजन कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

लोकतंत्र के मंदिर को थिएटर कहना आईएनडीआईए की हताशा : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार ने महिला आरक्षण विधेयक पारित कर महिला सशक्तिकरण की दिशा में अद्भुत कार्य किया है। सभी दलों ने उसका समर्थन किया, लेकिन अब राजद ओबीसी आरक्षण के नाम पर घड़ियाली आंसू बहा रही है। रविवार को बेगूसराय में पत्रकारों से बात करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि अगर राजद को ओबीसी आरक्षण दिलाना था तो महिला बिल का समर्थन क्यों किया। अब कह रहे हैं कि ईंट से ईंट बजा देंगे। अगर आरक्षण पर उन्हें आपत्ति थी तो इसका विरोध करने वाली कांग्रेस का दामन क्यों थामे हुए हैं। जब तक संवैधानिक व्यवस्था नहीं होगी तो ओबीसी को आरक्षण दिलाना संभव नहीं है। राजद को तो प्रधानमंत्री का धन्यवाद कहना चाहिए। गिरिराज सिंह ने कहा कि अब राजनीतिक लाभ लेने के लिए ऊल-जुलूल बात कर रहा है। आज ओबीसी को आरक्षण नहीं मिल रहा है तो उसके मूल में कांग्रेस है। आखिर इतने दिन सत्ता में रहने वाली कांग्रेस ने क्यों नहीं ओबीसी को आरक्षण दिया। आज मोदी के नेतृत्व में सभी ने महिला आरक्षण बिल को समर्थन दिया है। यह नरेन्द्र मोदी के मजबूत इरादे को दिखाता है। इन लोगों को पता था कि मोदी है तो मुमकिन है और जब बिल आया है तो पास भी होगा। गिरिराज सिंह ने कहा कि सबने इसी मजबूरी में बिल का समर्थन किया। नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को आरक्षण देकर एक नई शुरूआत की है। 27 वर्षों से लंबित यह आरक्षण

देने के लिए प्रधानमंत्री को जितना धन्यवाद दिया जाए वह कम है। 2024 में जब तीसरी बार नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनेगी तो देश में जनगणना होगा। जनगणना के बाद परिसीमन किया जाएगा, परिसीमन के आधार पर चुनाव आयोग तय करेगा कि कौन सीट महिलाओं को मिले। कनाडा के सवाल पर गिरिराज सिंह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री रहते भारत में नहीं, लेकिन कनाडा में खालिस्तान जरूर बन जाएगा। वहां के प्रधानमंत्री का जो रवैया है, वह खतरनाक है। कनाडा में दो हजार किलोमीटर में खालिस्तान का वर्चस्व है और वह वहां खालिस्तान बनकर रहेगा। कनाडा के प्रधानमंत्री अपनी सोचें, भारत की चिंता नहीं करें। उन्होंने कहा कि जयराम रमेश द्वारा लोकतंत्र के मंदिर पार्लियामेंट को थिएटर कहना दुर्भाग्यपूर्ण है और यह कांग्रेस की हताशा है। जब से आईएनडीआईए गठबंधन बना है, तब से हिंदुओं को समाप्त करने की बात होती है। उस गठबंधन के सामने ना नीति है ना नियति, ना कोई पॉलिटिकल प्रस्ताव पारित किया गया और ना आर्थिक प्रस्ताव। पूरा का पूरा गठबंधन हताशा में है। दानिश को पोस्टर बॉय बनाने का प्रयास किया गया। सदन रक्षा मंत्री ने खेद जताया यह बहुत बड़ी बात है।

गिरिराज सिंह ने कहा कि हरियाणा के नूह में हुई घटना के बाद मोनू मानेश्वर को पकड़ा गया तो कांग्रेस को कोई दिक्कत नहीं था। लेकिन जब मुस्लिम को पकड़ा गया तो कांग्रेसी मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को गाली दे रहे हैं। लेकिन उन्हें यह पता नहीं है कि सूरज को फेंका गया थूक खुद फेंकने वाले व्यक्ति पर पड़ता है, सूरज को नहीं। आईएनडीआईए गठबंधन घबराई हुई है। गिरिराज सिंह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों से ना केवल देश का समग्र विकास हुआ, बल्कि भारत विश्व गुरु बनने की राह पर अग्रसर है। देश की जनता ने 2024 में भी नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में स्वीकार करने का माहौल बना दिया है। नीतीश कुमार को तो आईएनडीआईए गठबंधन का संयोजक तक नहीं बनाया गया और सपना देख रहे हैं प्रधानमंत्री बनने का। गिरिराज सिंह ने बीते दिनों बेगूसराय में शिवलिंग तोड़े जाने की घटना को लेकर प्रशासन को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने कहा है कि बेगूसराय का माहौल खराब हो रहा है, इस घटना के बाद प्रशासन का रवैया सामने आ गया है। वहां से सैकड़ों दुकान वर्षों से अतिक्रमित कर चलाई जा रही है। अवैध कमाई हो रहा है, अभी प्रकार के अपराध का अड्डा बना दिया गया है। आखिर वहां शराब आया कहां से। शिवलिंग तोड़ने की घटना के बाद प्रशासन सोई रही। समय पर कार्रवाई करती तो कल आंदोलन और बवाल नहीं होता। लोग न्याय के लिए सड़क पर उतरे तो प्रशासन अब हिंदुओं को टारगेट कर रही है। शिवलिंग तोड़ने वाले नहीं पकड़े गए, आक्रोश में हिंदुओं को तबाह किया जा रहा है। जाम में फंसी गाड़ी के चालक को सिर्फ इसलिए पकड़ लिया गया कि उसने फेसबुक पर चंदन किया हुआ फोटो लगाया था। प्रशासन का यही रवैया रहा तो लाचार होकर आंदोलन करना पड़ेगा। हिंदू धर्म की रक्षा करना होगा। प्रशासन की गलती से शिवलिंग टूटा है, प्रशासन उसे पुनर्जीवित करे। एनएचएआई के साथ मिलकर मंदिर की घेराबंदी और पुनर्निर्माण करे। प्रेसवार्ता में विधायक कुंदन कुमार, लोकसभा संयोजक कृष्ण मोहन पप्पू, सांसद प्रतिनिधि अमरेन्द्र कुमार अमर, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा, जिला महामंत्री कुंदन भारती, उपाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार वीरेश, भाजयुमो जिलाध्यक्ष सुमित सन्नी एवं महामंत्री आयुष ईश्वर सहित अन्य उपस्थित थे।

संपादकीय

नारी सशक्तिकरण की मानसिकता नहीं, श्रेय लूटने की होड़

देश की राजनीति की दिशा बदलने वाला बहुप्रतीक्षित महिला आरक्षण विधेयक 'नारी शक्ति वंदन' को लेकर संसद में जिस तरह की बहस हुई और इस विधेयक का श्रेय लेने की होड़ मची, उससे राजनीतिक दलों की मानसिकता सामने आ गई। कांग्रेस कह रही है कि महिलाओं को आरक्षण देने का यह सपना राजीव गांधी का था। वहीं, तृणमूल कांग्रेस की ओर से दावा किया जा रहा है कि ममता बनर्जी इस विधेयक की 'मां' हैं। सबसे हैरत की बात यह देखने को मिली कि जिन राजनीतिक दलों ने कभी खुलकर महिला आरक्षण विधेयक का विरोध किया और महिलाओं के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणियां की, वे भी दाएं–बाएं से मोदी सरकार के इस ऐतिहासिक निर्णय का श्रेय लूटने की कोशिश करते दिखे। दरअसल ये राजनीतिक दल यह कतई नहीं चाहते कि देश की मातृशक्ति को संसदीय व्यवस्था में अधिक हिस्सेदारी देने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को मिले। इसलिए वे किसी न किसी प्रकार यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं, इस ऐतिहासिक विधेयक का श्रेय उनको मिले, निर्णय करनेवाली मोदी सरकार को नहीं। उन्हें यह डर है कि इस ऐतिहासिक विधेयक के संसद से पास होने पर महिलाओं का झुकाव मोदी सरकार की ओर और अधिक बढ़ जायेगा। जिसका सीधा असर आगामी लोकसभा के चुनाव में दिखेगा। भाजपा और उसके गठबंधन को महिलाओं का एकतरफा समर्थन मिलेगा। यह बात सही है कि महिला विधेयक को लेकर पहले भी प्रयत्न हुए हैं। लेकिन वे प्रयत्न या तो आधे–अधूरे मन से किए गए या फिर तैयारी आधी–अधूरी थी। 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी की एनडीए सरकार ने विधेयक को लोकसभा में पेश किया था। विधेयक को जब पेश किया गया था तो आरजेडी के सांसद ने सभापति से छीनकर इसे फाड़ दिया था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने भी किस प्रकार की अभद्रता की थी, उसका उल्लेख भी बुधवार को बहस के दौरान भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने किया। आज महिला आरक्षण विधेयक का श्रेय छीनने को कोशिश करनेवाले राजनीतिक दलों/नेताओं के विरोध के कारण अटल सरकार इतिहास रचने से चूक गई। बाद में अटल सरकार अप्रैल 1999 में गिर गई थी। इसी के साथ विधेयक प्रक्रिया से बाहर हो गया। दिसंबर 1999, 2002 और 2003 में इसे दोबारा पेश किया गया। लेकिन, हर बार हश्र वही रहा। 2008 में मनमोहन सिंह सरकार के कार्यकाल में यह थोड़ा आगे बढ़ा। लेकिन, वांछित परिणाम तब भी नहीं मिला। कांग्रेस ने इसे लोकसभा के सामने ही नहीं रखा। महिला आरक्षण के लिए पहला प्रयास 12 दिसंबर, 1996 में हुआ। तब एचडी देवेगौड़ा के नेतृत्व वाली यूनाइटेड फ्रंट की सरकार ने लोकसभा में इस आशय का विधेयक प्रस्तुत किया था। विधेयक में लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की बात कही गई थी। ये सीटें रोटेशन आधार पर दी जानी थीं। लेकिन, 13 दलों के गठबंधन के कुछ घटक दल इसे लेकर तैयार नहीं हुए। लेकिन, मोदी सरकार जिस तैयारी के साथ महिला आरक्षण विधेयक को लेकर आई तो इसके पास होने पर किसी को संदेह नहीं था। इसलिए विरोध की राह छोड़कर विपक्षी दलों ने श्रेय लूटने का रास्ता अपनाया। मजेदार बात है कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने संसद में अपने भाषण के दौरान इसे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का सपना बताया। कितनी रोचक स्थिति है कि कांग्रेस इतने वर्षों में राजीव गांधी के सपने को पूरा नहीं कर पाई। राजीव गांधी का सपना भी प्रधानमंत्री मोदी पूरा कर रहे हैं। कांग्रेस को तो प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव लेकर आना चाहिए। मोदी सरकार की इस पहल का दूरगामी प्रभाव भारतीय राजनीति और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर पड़ेगा। महिला सशक्तिकरण और देश के विकास में महिलाओं की भूमिका की दिशा में भी एक बड़ी छलांग भारत लगाएगा। अच्छा होता यदि श्रेय लूटने की होड़ की अपेक्षा सभी विपक्षी दल प्रधानमंत्री मोदी और सरकार की सराहना करते। बड़ा दिल दिखाकर वे जनता की सहानुभूति भी प्राप्त कर सकते थे। परंतु मोदी विरोध की राजनीति के कारण विपक्ष अवसर शानदार अवसरों पर चूक जाता है।

महिला आरक्षण विधेयक 'नारी शक्ति वंदन' को लेकर संसद में जिस तरह की बहस हुई और इस विधेयक का श्रेय लेने की होड़ मची, उससे राजनीतिक दलों की मानसिकता सामने आ गई। कांग्रेस कह रही है कि महिलाओं को आरक्षण देने का यह सपना राजीव गांधी का था। वहीं, तृणमूल कांग्रेस की ओर से दावा किया जा रहा है कि ममता बनर्जी इस विधेयक की 'मां' हैं। सबसे हैरत की बात यह देखने को मिली कि जिन राजनीतिक दलों ने कभी खुलकर महिला आरक्षण विधेयक का विरोध किया और महिलाओं के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणियां की, वे भी दाएं–बाएं से मोदी सरकार के इस ऐतिहासिक निर्णय का श्रेय लूटने की कोशिश करते दिखे। दरअसल ये राजनीतिक दल यह कतई नहीं चाहते कि देश की मातृशक्ति को संसदीय व्यवस्था में अधिक हिस्सेदारी देने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को मिले। इसलिए वे किसी न किसी प्रकार यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं, इस ऐतिहासिक विधेयक का श्रेय उनको मिले, निर्णय करनेवाली मोदी सरकार को नहीं। उन्हें यह डर है कि इस ऐतिहासिक विधेयक के संसद से पास होने पर महिलाओं का झुकाव मोदी सरकार की ओर और अधिक बढ़ जायेगा। जिसका सीधा असर आगामी लोकसभा के चुनाव में दिखेगा। भाजपा और उसके गठबंधन को महिलाओं का एकतरफा समर्थन मिलेगा। यह बात सही है कि महिला विधेयक को लेकर पहले भी प्रयत्न हुए हैं।

कुछ अलग

श्रेय लूटने की लड़ाई

नए संसद भवन में कामकाज की इससे बेहतर शुरुआत और क्या हो सकती थी कि दोनों सदनों ने भारी बहुमत से उस ऐतिहासिक महिला आरक्षण बिल को पारित कर दिया, जो पिछले 27 वर्षों से अटका पड़ा था। हालांकि भारतीय लोकतंत्र की खासियत कहिए कि आजादी के तीन दशक भी नहीं हुए थे जब देश को पहली महिला प्रधानमंत्री मिल गई थीं। अमेरिका को भले ही पहली महिला राष्ट्रपति अब तक न मिली हो, भारत इस मामले में भी रेकॉर्ड बना चुका है। चुनावी राजनीति में भागीदारी का जहां तक सवाल है तो बतौर नागरिक और वोटर देश की आम महिलाओं ने उस मोर्चे पर भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है। 2019 लोकसभा चुनावों में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से ज्यादा दर्ज की गई। मगर जहां तक चुनाव लड़कर लोकसभा और विधानसभाओं में पहुंचने का मामला है, तो वहां महिलाओं का प्रतिशत चिंताजनक रूप से कम रहा है। आज जब लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर है, तब भी यह कुल सदस्य संख्या के 15 फीसदी से कम ही है। अच्छी बात यह रही कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व ने इस स्थिति से उपजी चुनौतियों को महसूस करते हुए इस दिशा में प्रयास काफी पहले से शुरू कर दिए थे। अस्सी के दशक में जब राजीव गांधी सरकार पंचायती चुनावों में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण का विधेयक लेकर आई तो इसके पीछे भी सोच यही थी कि स्थानीय स्तर पर तैयार महिला नेतृत्व आगे चलकर विधानसभाओं और लोकसभा चुनावों में समर्थ महिला प्रत्याशियों की कमी दूर करेगा। फिर नब्बे के दशक के मध्य में बाकायदा लोकसभा और विधानसभाओं में महिला आरक्षण वाला बिल पेश कर दिया गया। उसके बाद बार-बार के प्रयास भी अगर इस विधेयक को कानून में तब्दील करने के लिहाज से नाकाफी साबित हुए तो उसके पीछे तमाम दलों के अंदर पुरुष सोच के वर्चस्व की भूमिका थी। बहरहाल, नए संसद भवन में जिस तरह से पक्ष-विपक्ष के तमाम दल इस बिल के पक्ष में खड़े दिखे, वह पिछले तीन दशकों में समाज में आए बदलावों और राजनीतिक दलों के अंदर आए उन बदलावों के एहसास का परिचायक है।

विभिन्न रणनीतिक पहलों एवं अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से, सरकार का उद्देश्य हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाना है

सामाजिक परिवर्तन और उद्यमिता को प्रोत्साहन

सौरभ गर्ग

उद्यमिता के प्रोत्साहन का यह दृष्टिकोण उस समावेशी विकास के इर्द–गिर्द घूमता है, जहां कोई भी पीछे नहीं छूटे और सभी नागरिकों, चाहे उनकी पृष्ठभूमि या सामाजिक हैसियत कुछ भी हो, को अवसर समान रूप से सुलभ हों। विभिन्न रणनीतिक पहलों एवं अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से, सरकार का उद्देश्य हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाते और उनकी क्षमता को सामने लाते हुए देश को व्यापक विकास की ओर ले जाना है। वर्ष 2015 में, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने रियायती वित्त प्रदान करके अनुसूचित जातियों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु अनुसूचित जातियों के लिए उद्यम पूंजी कोष (वेंचर कैपिटल फंड) की स्थापना की।

सामाजिक परिवर्तन के एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उद्यमिता की मान्यता पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। उद्यमिता न केवल आर्थिक मूल्य सृजित करती है, बल्कि यह लोगों को अपने अधिकारों का प्रयोग करने तथा पारंपरिक मानदंडों से मुक्त होने के लिए सशक्त भी बनाती है। स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के साथ एकीकृत करने की दृष्टि से, सरकार ने हाशिए पर रहने वाले एवं कमजोर समुदाय के लोगों के भीतर उद्यमिता को प्रोत्साहित करने हेतु कई सक्रिय कदम उठाए हैं। उद्यमिता के प्रोत्साहन का यह दृष्टिकोण उस समावेशी विकास के इर्द-गिर्द घूमता है, जहां कोई भी पीछे नहीं छूटे और सभी नागरिकों, चाहे उनकी पृष्ठभूमि या सामाजिक हैसियत कुछ भी हो, को अवसर समान रूप से सुलभ हों। विभिन्न रणनीतिक पहलों एवं अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से, सरकार का उद्देश्य हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाते और उनकी क्षमता को सामने लाते हुए देश को व्यापक विकास की ओर ले जाना है। वर्ष 2015 में, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने रियायती वित्त प्रदान करके अनुसूचित जातियों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु अनुसूचित जातियों के लिए उद्यम पूंजी कोष (वेंचर कैपिटल फंड) की स्थापना की। लगभग 726 करोड़ रुपये की मौजूदा निधि के साथ, इस कोष ने सभी उद्योगों में ग्रीन-फील्ड एवं विस्तार परियोजनाओं के लिए 10 लाख रुपये से लेकर 15 करोड़ रुपये तक की फंडिंग की पेशकश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस वित्तीय सहायता ने उन उभरते उद्यमियों के लिए एक जीवन-रेखा के रूप में काम किया है, जिनके लिए शायद फंडिंग के पारंपरिक मार्गों तक पहुंचना संभव नहीं होता। इस कोष के सबसे उल्लेखनीय पहलुओं में से एक चार प्रतिशत प्रति वर्ष की रियायती ब्याज दर है, जिसे महिला उद्यमियों एवं अनुसूचित जाति वर्ग के दिव्यांग उद्यमियों के लिए घटाकर 3.75 प्रतिशत प्रति वर्ष कर दिया गया है। ब्याज दरों में यह उल्लेखनीय कमी यह सुनिश्चित करती है कि हाशिए की पृष्ठभूमि से उभरने वाले उद्यमी अपेक्षाकृत अधिक विशेषाधिकार प्राप्त पृष्ठभूमि से संबंध रखने वाले अपने समकक्षों के साथ समान धरातल पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। आम्बेडकर सोशल इनोवेशन इनक्यूबेशन मिशन (एएसआईआईएम) सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। उद्यम पूंजी (वेंचर कैपिटल) से जुड़ी पहल के हिस्से के रूप में, अनुसूचित जाति समुदाय के

युवाओं के भीतर अभिनव विचारों के विकास एवं प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एएसआईआईएम का 2020 में शुभारंभ किया गया था। कुल 30 लाख रुपये तक की फंडिंग के माध्यम से, एएसआईआईएम ने अनुसूचित जाति समुदाय के छात्रों एवं शोधकर्ताओं द्वारा शुरू की गई प्रौद्योगिकी-उन्मुख परियोजनाओं व स्टार्ट-अप का समर्थन किया है। इस पहल ने उद्यमिता के मोर्चे पर सरकार की ओर से डाले जाने वाले प्रभाव में एक और गतिशील एवं अभिनव आयाम जोड़ा है। इन पहलों का प्रभाव गहरा रहा है। कुल मिलाकर 20 राज्यों में अनुसूचित जाति के उद्यमियों के स्वामित्व वाले 200 उद्यमों को समर्थन देने के लिए 483 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। ये उद्यम विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हुए हैं और क्षेत्रीय विकास एवं राष्ट्र-निर्माण के व्यापक प्रयास में अहम योगदान दे रहे हैं। इसके अलावा, अनुसूचित जाति समुदाय के पहली पीढ़ी के उद्यमियों को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करके उनकी सफलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मार्गदर्शन सत्र की पेशकश करने वाले प्लेटफॉर्म aye-mentor.in की स्थापना की गई है। अन्य पिछड़ा वर्ग के उद्यमियों की असीम क्षमताओं को पहचानते हुए, सरकार ने 2019 में पिछड़े वर्ग के लिए उद्यम पूंजी कोष (वेंचर कैपिटल फंड) की स्थापना की। कुल 143 करोड़ रुपये की मौजूदा निधि के साथ, यह कोष पिछड़े वर्ग के उद्यमियों को रियायती वित्तपोषण प्रदान करता है। इससे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में पिछड़े वर्ग के उद्यमियों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहन मिला है। सभी उद्योगों में ग्रीन-फील्ड एवं विस्तार परियोजनाओं के लिए 20 लाख रुपये से लेकर 15 करोड़ रुपये तक की फंडिंग की पेशकश करके, हम आर्थिक समावेशिता को बढ़ावा दे रहे हैं। इस कोष ने मैन्यूफैक्चरिंग, सेवाओं एवं कृषि से संबंधित उद्योगों सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अन्य पिछड़ा वर्ग के उद्यमियों के स्वामित्व वाली 29 कंपनियों को 106 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इस वित्तीय सहायता ने अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय के बीच विकास एवं समावेशिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष 2021 में, 'सिल्वर इकोनॉमी' के रूप में जाने जाने वाले वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण एवं भलाई के लिए अटल वयो अभ्युदय योजना (एवीवीएवाई) के तहत 'सेज' (सीनियर एजिंग ग्रोथ इंजन) नाम की पहल शुरू की गई थी। कुल 21.50 करोड़ रुपये की वर्तमान निधि और 106 करोड़ रुपये की इच्छित निधि के साथ, सेज उद्यम कोष (वेंचर फंड) इस क्षेत्र में उद्यमिता को बढ़ावा देते हुए बुजुर्गों की बेहतरी के लिए नवीन समाधान पेश करने वाले स्टार्ट-अप का समर्थन करता है। ये पहल हाशिए पर रहने वाले समुदायों की क्षमताओं को सामने लाने और उन्हें अपनी नियति का निर्धारण करने के कार्य में सक्षम बनाने में समर्थ रहे हैं। उद्यम पूंजी कोष (वेंचर कैपिटल फंड) के माध्यम से वित्तीय सहायता के प्रावधान के परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था में 700 करोड़ से अधिक मूल्य की परिसंपत्तियों का निर्माण हुआ है और इससे 3000 से अधिक व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। हाशिए पर रहने वाले एवं कमजोर समुदायों के 400 से अधिक उद्यमियों ने अपनी उद्यमशीलता संबंधी आकांक्षाओं को सफलतापूर्वक साकार किया है। ये उद्यमी अब "मेक इन इंडिया" पहल में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं और इस प्रकार भारत की आर्थिक विकास एवं समृद्धि को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाने तथा सामाजिक सशक्तिकरण एवं राष्ट्र-निर्माण के वाहक के रूप में उद्यमिता को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है। अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्गों के लिए उद्यम पूंजी कोष (वेंचर कैपिटल फंड) के साथ-साथ सेज उद्यम कोष (वेंचर फंड) जैसी रणनीतिक पहलों के माध्यम से सरकार ने सभी लोगों, चाहे उनकी पृष्ठभूमि या सामाजिक हैसियत कुछ भी हो, के लिए अवसर सृजित करने का काम जारी रखा है। समावेशी प्रगति का दृष्टिकोण महज एक सपना भर नहीं है, बल्कि यह परिवर्तनकारी पहलों के माध्यम से तैयार की गई एक ऐसी वास्तविकता है जो लोगों को सशक्त बनाती है, नवाचार को बढ़ावा देती है और राष्ट्र को व्यापक विकास के मार्ग पर अग्रसर करती है।

अगर प्रकाश की गति पार हो जाए...आखिर हम उस रफ्तार से यात्रा क्यों नहीं कर सकते

असिमोव की कहानियों में ढाई करोड़ ग्रहों का उल्लेख है। इन ग्रहों के बीच आवाजाही अंतरिक्ष यानों के जरिये होती है। लेकिन सवाल यह उठता है कि ये अंतरिक्ष यान ग्रहों के बीच की अनंत खाई को पार कैसे करते हैं? असिमोव इस सवाल का जवाब देते हैं। अगर हम सामान्य अंतरिक्ष की बात करें, तो इन ग्रहों के बीच यात्रा अगर प्रकाश की गति से भी करें, तो कई हजार साल लगेंगे। लेकिन, हाइपरस्पेस के द्वारा कोई व्यक्ति हजारों वर्ष की यात्रा को कुछ ही क्षणों में पूरा कर सकता है। क्या है यह हाइपरस्पेस? हाइपरस्पेस दरअसल, एक काल्पनिक क्षेत्र है, जो न आकाश है, न समय, न पदार्थ है, न ऊर्जा, न तो यह 'कुछ' है और न 'कुछ नहीं'। इस हाइपरस्पेस का रहस्य दो क्षणों के बीच के अंतराल में कहीं छिपा होता है। इसे आप अनुभव भी कर सकते हैं। अगर आप ध्यान या मेडिटेशन के अभ्यासी हैं, तो आप दो क्षणों के बीच उस बिंदु का अनुभव कर सकते हैं, जहां समय ठहरा हुआ प्रतीत होता है।आखिर असिमोव किस अंतराल के बारे में बात कर रहे हैं? क्या वह प्रकाश से भी तेज गति से चलने के रहस्य से वाकिफ थे? जहां तक जानकारी की सीमा है, वहां तक प्रकाश से तेज चलना नामुमकिन है।

समय एक रहस्य है। ठीक उसी तरह जैसे अंतरिक्ष। अगर हम यह सोचते हैं कि अंतरिक्ष में केवल पृथ्वी पर ही जीवन है, तो यह अपनी आंखें बंद कर के चलने जैसा होगा। प्रख्यात विज्ञान कथा लेखक इसहाक असिमोव (1920-92) ने अंतरिक्ष के रहस्यों से पर्दा उठाने वाले कई उपन्यास लिखे। ये उपन्यास बेशक उनकी कल्पनाओं पर आधारित थे, लेकिन अब उनके विचार न सिर्फ हॉलीवुड की तमाम साइंस फिक्शन फिल्मों को, बल्कि अंतरिक्ष क्षेत्र में हो रहे प्रयोगों को प्रेरित कर रहे हैं। असिमोव की कहानियों में ढाई करोड़ ग्रहों का उल्लेख है। इन ग्रहों के बीच आवाजाही अंतरिक्ष यानों के जरिये होती है। लेकिन सवाल यह उठता है कि ये अंतरिक्ष यान ग्रहों के बीच की अनंत खाई को पार कैसे करते हैं? असिमोव इस सवाल का जवाब देते हैं। अगर हम सामान्य अंतरिक्ष की बात करें, तो इन ग्रहों के बीच यात्रा अगर प्रकाश की गति से भी करें, तो कई हजार साल लगेंगे। लेकिन, हाइपरस्पेस के द्वारा कोई व्यक्ति हजारों वर्ष की यात्रा को कुछ ही क्षणों में पूरा कर सकता है। क्या है यह हाइपरस्पेस? हाइपरस्पेस दरअसल, एक काल्पनिक क्षेत्र है, जो न आकाश है, न समय, न पदार्थ है, न ऊर्जा, न तो यह 'कुछ' है और न 'कुछ नहीं'। इस हाइपरस्पेस का रहस्य दो क्षणों के बीच के अंतराल में कहीं छिपा होता है। इसे आप अनुभव भी कर सकते हैं। अगर आप ध्यान या मेडिटेशन के अभ्यासी हैं, तो आप दो क्षणों के बीच उस बिंदु का अनुभव कर सकते हैं, जहां समय ठहरा हुआ प्रतीत होता है।आखिर असिमोव किस अंतराल के बारे में बात कर रहे हैं? क्या वह प्रकाश से भी तेज गति से चलने के रहस्य से वाकिफ थे? जहां तक जानकारी की सीमा है, वहां तक प्रकाश से तेज चलना नामुमकिन है। जाहिर है कि दो आकाशगंगाओं के बीच की यात्राओं को वर्तमान ज्ञान के आधार पर करना संभव नहीं है। ब्रह्मांडीय गति को संभव बनाने के लिए असिमोव जैसे विज्ञान लेखकों ने अपनी कल्पना से हाइपरस्पेस, सबस्पेस, वार्प-ड्राइव्स जैसे जो विचार गढ़े, वे काल्पनिक होते हुए भी इतने आकर्षक हैं, मनुष्य सहसा उन पर यकीन करना चाहता है। आखिर हम प्रकाश की गति से यात्रा क्यों नहीं कर सकते? पहले तो लोग ध्वनि के बारे में भी यही राय रखते थे। लेकिन, अब ध्वनि मनुष्य के लिए कोई बाधा नहीं रह गई है। हालांकि, प्रकाश की बाधा से पार पाना कुछ ज्यादा ही मुश्किल है। जब 19वीं सदी में वैज्ञानिकों ने प्रकाश का सिद्धांत विकसित किया, तब वह एक पहेली के साथ आया। प्रकाश की चाल होती है करीब 186000 मील प्रति सेकेंड। दिलचस्प बात यह है कि अगर आप इस चाल के 99 प्रतिशत चाल से चल रहे हों और आपका कोई दोस्त एकदम स्थिर खड़ा हो, तब भी आप दोनों को ही प्रकाश एक ही चाल से खुद से दूर जाता दिखेगा। इस पहेली को हल करने के बजाय अल्बर्ट आइंस्टीन ने इसे अपना लिया और इसके आधार पर ही एक सिद्धांत बनाया, जिसे विशेष सापेक्षता का सिद्धांत कहते हैं। इस सिद्धांत के अनुसार, प्रकाश की गति सभी के लिए बराबर होती है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई प्रकाश की तुलना में कितनी गति से चल रहा है। प्रकाश के इस व्यवहार के आधार पर आइंस्टीन ने यह विचार दिया कि जब कोई व्यक्ति ज्यादा गति से यात्रा करेगा और अगर वह अपनी गति लगातार बढ़ाता जाए, तो दिक यानी स्थान और काल, दोनों में ही खिंचाव आएगा। जाहिर है कि विशेष सापेक्षता का सिद्धांत ब्रह्माण्डीय गति की सीमा बनाता है। सापेक्षता दरअसल आधुनिक भौतिक विज्ञान की बुनियाद है। हमारे पास इस बात पर संदेह का कोई कारण नहीं है कि किसी ने प्रकाश से तेज चलने वाली कोई वस्तु देखी हो। लेकिन यहां एक दिलचस्प बात छिपी है। हम जब प्रकाश की गति की बात करते हैं, तो हम निर्वात में प्रकाश की गति की बात करते हैं। लेकिन जब यही प्रकाश किसी दूसरे माध्यम में, मिसाल के लिए पानी या कांच में, चलता है, तब इसकी गति कम हो जाती है। पानी या कांच में जो चीज प्रकाश से भी ज्यादा तेज गति से चलती है, उसे सेरेनेकोव विकिरण कहा जाता है, जो वही है, जो नाभिकीय रियेक्टरों में पानी के नीचे नीली चमक के साथ दिखता है। हालांकि, प्रकाश की गति से पार पाने का सबसे प्रशंसनीय सिद्धांत भौतिक विज्ञानी मिगुएल अल्क्यूबिएरे ने दिया। अगर किसी बर्तन में ग्रीस लगी हो और आप उसमें पानी भर दें। फिर जब आप उसमें साबुन की एक बूंद डालेंगे, तो ग्रीस उड़कर बर्तन के किनारों पर चली जाएगी। अल्क्यूबिएरे का 'वार्प ड्राइव' सिद्धांत अंतरिक्ष में यही काम करता है। इसके अनुसार, पदार्थ के उपयुक्त वितरण से अंतरिक्ष यान के आगे के अंतरिक्ष को सिकोड़ा जा सकता है। फिर, इसे पीछे की तरफ खींचते हुए अंतरिक्ष यान के चारों ओर एक बुलबुला तैयार किया जा सकता है। अब अंतरिक्ष यान पूरी तरह से बुलबुले के भीतर होगा और यह बुलबुला आपकी इच्छानुसार गति से चल सकता है। अब चूंकि बुलबुले के सापेक्ष अंतरिक्ष यान आराम की स्थिति में है, इसलिए यान और उसमें बैठे हुए लोगों को यह गति बिल्कुल महसूस नहीं होगी। लेकिन, यहां बस एक समस्या होगी। अल्क्यूबिएरे का यह अंतरिक्षीय बुलबुला बनने के लिए कुछ खास अंतरिक्षीय दशाओं की जरूरत होगी। वैज्ञानिक इन दशाओं के बारे में निश्चित तौर पर कुछ भी कह पा रहे हैं। इसके अलावा, अगर अंतरिक्ष में ऐसा बुलबुला तैयार करने की कोशिश होती है, तो इसके नतीजे कुछ भी हो सकते हैं। नकारात्मक ऊर्जा घनत्व, या वार्म होल या फिर टाइम मशीन जैसा कुछ अनुभव भी हो सकता है। जाहिर है कि अल्क्यूबिएरे के सिद्धांत को पूरी तरह खारिज बेशक न किया जा सकता हो, लेकिन इसे स्वीकारा भी नहीं जा सकता। और, इसके साथ ही सवाल घूम कर फिर वहीं खड़ा हो जाता है कि क्या मानवता कभी सुदूर आकाश गंगाओं तक पहुंच सकेगी? फिलहाल तो यही लगता है कि प्रकाश से तेज गति से चलने का दरवाजा तो हमारे मुंह पर बंद कर दिया गया है।

देश दुनीया से

सत्ता, समाज और साख के मोर्चे पर डूबती नैया को पार लगाने की आत्मघाती कोशिश

हरदीप सिंह निज्जर नाम के अपने पसंदीदा खालिस्तान समर्थक आतंकी की, जो पहले एक प्लंबर हुआ करता था और जिसे जून, 2023 में मार गिराया गया था, रक्षा करने में असमर्थता जाहिर करते हुए अपनी संसद में ट्रूडो ने जो बयान दिया है, वह कूटनीति की दुनिया में इतिहास रचने के लिए काफी है। उन्होंने कहा कि निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने के विश्वसनीय आरोप (पर, कोई सुबूत नहीं) उनके सामने आए हैं। वह यहीं नहीं रुके। उन्होंने यह भी कहा कि निज्जर की हत्या कनाडा के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप है। अपनी ही संसद में झूठ बोलकर उन्होंने भारी गलती की है। किसी अवांछनीय गतिविधि के सुबूत के बगैर उन्होंने नाम लेते हुए एक भारतीय राजनयिक को निष्कासित किया, जिससे उस अधिकारी की जान तक खतरे में पड़ गई। यह भारी चूक है। अपने 50 वर्षों के कूटनीतिक अनुभव में मैंने स्थापित अंतरराष्ट्रीय परंपराओं का ऐसा घोर उल्लंघन होते नहीं देखा।

पिछले कुछ दिनों से हम एक समृद्ध व तथाकथित लोकतांत्रिक देश के नेता की गलतियों की श्रृंखला के गवाह बने हैं। इस नेता का नाम है जस्टिन ट्रूडो, जिनकी पहचान कनाडा के प्रधानमंत्री के रूप में भी है। कहते हैं कि झूठ बोलना कूटनीति पर भारी पड़ सकता है। हरदीप सिंह निज्जर नाम के अपने पसंदीदा खालिस्तान समर्थक आतंकी की, जो पहले एक प्लंबर हुआ करता था और जिसे जून, 2023 में मार गिराया गया था, रक्षा करने में असमर्थता जाहिर करते हुए अपनी संसद में ट्रूडो ने जो बयान दिया है, वह कूटनीति की दुनिया में इतिहास रचने के लिए काफी है। उन्होंने कहा कि निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने के विश्वसनीय आरोप (पर, कोई सुबूत नहीं) उनके सामने आए हैं। वह यहीं नहीं रुके। उन्होंने यह भी कहा कि निज्जर की हत्या कनाडा के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप है। अपनी ही संसद में झूठ बोलकर उन्होंने भारी गलती की है। किसी अवांछनीय गतिविधि के सुबूत के बगैर उन्होंने नाम लेते हुए एक भारतीय राजनयिक को निष्कासित किया, जिससे उस अधिकारी की जान तक खतरे में पड़ गई। यह भारी चूक है। अपने 50 वर्षों के कूटनीतिक अनुभव में मैंने स्थापित अंतरराष्ट्रीय परंपराओं का ऐसा घोर उल्लंघन होते नहीं देखा। उन्होंने अपनी मूर्खता का एहसास करते हुए अमेरिका में अपने चाचा और अपने पश्चिमी सहयोगियों से भारत के खिलाफ बयान देने की विनती करने की एक बड़ी गलती की। यह बात अलग कि सभी ने ऐसा करने से मना कर दिया। उन्होंने भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चर्चा करने के लिए एक व्यापार प्रतिनिधिमंडल की यात्रा रद्द करके भी गलती की, क्योंकि कनाडा को भारत की तुलना में इस एफटीए की ज्यादा जरूरत है। उनकी एक और गलती यह रही कि उन्होंने एक ऐसे उच्चायुक्त को भारत भेजा, जो धैर्य व शांति से व्यवहार करना नहीं जानता और रिपोर्टर के मुंह पर गुस्से से कार का दरवाजा बंद कर लेता है। अभी एक दिन पहले कनाडा में गैंगवार में एक और खालिस्तानी आतंकी की हत्या कर दी गई। कनाडा हत्याओं का देश बन गया है। वहां किसी दूसरे देश की तुलना में प्रति व्यक्ति ज्यादा आतंकी और गैंगस्टर मौजूद हैं। ये ड्रग तस्कर, आतंकवादी और गैंगस्टर आपस में लड़ रहे हैं। एक खुर्राट किस्म का खालिस्तानी, हेकड़ी दिखाते हुए सभी हिंदुओं को कनाडा छोड़कर जाने की चेतावनी देते हुए वहां मौजूद बड़े भारतीय समुदाय को धर्म के आधार पर विभाजित करने की कोशिश कर रहा है। इस पर खामोश रहकर ट्रूडो एक और गलती कर रहे हैं। अब या तो वह मानसिक तौर पर अस्थिर हैं या वह खालिस्तानियों के साथ एक गंभीर किस्म के समझौते में हैं। उल्लेखनीय है कि ये वही खालिस्तानी हैं, जिन्होंने कई दशक पहले एक भारतीय विमान को उड़ा दिया था, जिसमें 300 से ज्यादा कनाडाई नागरिक मारे गए थे। तब उनके पिता कनाडा के प्रधानमंत्री थे। आज खालिस्तान समर्थक अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। कुछ खालिस्तान समर्थक तो उनकी कैबिनेट में भी हैं। यह उनकी एक और गलती है। पांच साल पहले, जब ट्रूडो भारत की अपनी आधिकारिक यात्रा पर खालिस्तानी के रूप में चिह्नित हो चुके लोगों को साथ लाए थे, तभी उन्होंने अपनी मनोदशा का परिचय दे दिया था। मुझे लगता है कि ट्रूडो के खालिस्तानी संरक्षकों ने उनसे नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के अंतिम घोषणापत्र में सभी अल्पसंख्यकों की स्वतंत्रता के अधिकार जैसे विवादास्पद मुद्दों का उल्लेख करवाकर माहौल खराब करने के लिए कहा था। हालांकि वह ऐसा कर नहीं सके।

दृष्टिकोण

स्थिरता लौटने की आस

पाकिस्तान चुनाव आयोग ने गुरुवार को यह ऐलान किया कि वहां आम चुनाव जनवरी के आखिरी सप्ताह में होंगे। हालांकि वोटिंग की तारीखें घोषित नहीं हुई हैं, लेकिन मौजूदा हालात में यह स्पष्ट किया जाना भी कम नहीं है कि अगली सरकार चुनने का काम जनवरी के आखिर तक हो जाएगा। पिछले अगस्त में तत्कालीन शहबाज शरीफ सरकार ने नैशनल असेंबली का कार्यकाल पूरा होने से कुछ दिन पहले इसे भंग कर दिया था। उसके बाद नियमों के अनुसार नए चुनावों के लिए 90 दिन का वक्त था। लेकिन जनगणना और परिसीमन संबंधी मुश्किलों के चलते यह भी तय था कि इस बार चुनाव में और देर होगी। राजनीतिक तौर पर भी पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी ने हालात को जटिल बना रखा है। आर्थिक तौर पर तो पाकिस्तान गंभीर संकटों से गुजर ही रहा है। जुलाई में मिले इंटरनैशनल मॉनेटरी फंड (IMF) के 3 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज की बदौलत वह अपने ऊपर मंडराते डिफॉल्ट के खतरे को कुछ समय टालने में कामयाब जरूर हो गया है, लेकिन संकट लगातार बना हुआ है। खासकर आसमान छूती महंगाई ने आम लोगों का जीना मुहाल कर रखा है। ऐसे चौतरफा संकट के दौर में जो चीज हालात को और कठिन बना रही थी, वह थी अगले चुनावों को लेकर बनी अनिश्चितता। हालांकि अंतरिम प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ की कामचलाऊ सरकार वहां रोज के कामकाज देख रही है, लेकिन यह आशंका सभी संबंधित पक्षों को परेशान कर रही थी कि कहीं मौजूदा संकटों का हवाला देते हुए ही चुनाव आगे न खिसका दिए जाएं। यही वजह है कि चुनाव आयोग की घोषणा ने वहां उम्मीद की लहर पैदा की है। इसकी झलक राजनीतिक हलकों में ही नहीं, पाकिस्तान के बेंचमार्क इंडेक्स KSE 100 में भी दिखी जो चुनाव आयोग की घोषणा के बाद 550 अंक ऊपर आ गया। लेकिन अहम सवाल यह है कि चुनावों की घोषणा ने राजनीतिक स्थिरता की जो उम्मीद पैदा की है, क्या चुनाव नतीजे उसे पूरा कर पाएंगे? इसका जवाब हां में देना फिलहाल मुश्किल इसलिए लग रहा है कि पिछले कुछ समय से लोकप्रियता के ग्राफ में सबसे ऊपर चल रहे पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जेल में हैं और चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराए जा चुके हैं। हालांकि उनकी पार्टी PTI फिर भी चुनाव की दौड़ में है और पूरी कोशिश करेगी कि उसे इमरान समर्थकों की सहानुभूति का अधिक से अधिक फायदा मिले। मगर एक तो उन्हें लेकर पाकिस्तानी फौज का गुस्सा बरकरार है और दूसरे, बिलावल भुट्टो जरदारी और शहबाज शरीफ की पार्टियां भी मौजूदा समीकरण का अधिकाधिक फायदा उठाने के लिए कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखेंगी। ऐसे में चुनाव के बाद सत्ता चाहे जिस किसी भी पार्टी को मिले, अगर उस वजह से वहां थोड़ी शांति और स्थिरता कायम होती है तो यह न केवल उस देश के लिए बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए राहत की बात होगी।

जयशंकर बोले- दुनिया में अब भी डबल स्टैंडर्ड: जी20 में सबको साथ लाना आसान नहीं था; यूएनजीए अध्यक्ष ने कहा- भारत ने इतिहास रचा

न्यूयॉर्क।

यूएन जनरल असेंबली के 78वें सेशन के लिए विदेश मंत्री जयशंकर न्यूयॉर्क गए हुए हैं। यूएनजीए के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने कहा कि जी20 में अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य के रूप में शामिल कर भारत ने इतिहास रचा है। फ्रांसिस न्यूयॉर्क में इंडिया-यूएन फॉर ग्लोबल साउथ: डिलीवरिंग फॉर डेवलपमेंट कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इसमें भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी हिस्सा लिया। जयशंकर ने कहा- जी20 की अध्यक्षता करना काफी चुनौतीपूर्ण था। इस समय दुनिया में पूर्व-पश्चिम ध्रुवीकरण चल रहा है। वहीं उत्तर-दक्षिण देशों के बीच विभाजन की रेखा खिंची है। ऐसे में सभी को साथ लाकर एक एजेंडे पर बात करना आसान नहीं था। इस दौरान उन्होंने साउथ राइजिंग: पार्टनरशिप, इंस्टिट्यूशन्स एंड आइडियाज को भी संबोधित किया। जयशंकर ने कहा- ये अब भी डबल स्टैंडर्ड वाली दुनिया है। जिन देशों के पास ताकत है वो बदलने को तैयार नहीं हैं और ऐतिहासिक प्रभाव वाले देशों ने अपनी बहुत सी क्षमताओं को हथियार बना लिया है।

भारत ने जी20 एजेंडे को बखूबी निभाया - न्यूयॉर्क में इंडिया-यूएन फॉर ग्लोबल साउथ सम्मेलन में अपनी स्पीच के दौरान जयशंकर ने कहा- आपकी उपस्थिति हमारे लिए बहुत मायने रखती है। यह उन भावनाओं को भी व्यक्त करता है जो आप भारत के लिए महसूस करते हैं। जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की जी20 अध्यक्षता का मुख्य एजेंडा वैश्विक वृद्धि और विकास था और हमने इसे बखूबी निभाया।

26 सितंबर को यूएन महासभा को संबोधित करेंगे जयशंकर - विदेश मंत्रालय के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, विदेश मंत्री जयशंकर यूएनजीए सत्र के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए न्यूयॉर्क में हैं, जहां वह 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। न्यूयॉर्क की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद, वह वाशिंगटन जाएंगे।

यूएनजीए के 78वें सेशन में पाक ने किया कश्मीर का जिक्र - इससे पहले पाकिस्तान ने यूएनजीए के 78वें सेशन में एक बार फिर से कश्मीर का जिक्र किया। पाकिस्तान के केयरटेकर प्रधानमंत्री अनवर-उल-हक काकर ने कहा- हम अपने सभी पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण रिश्ते चाहते हैं। कश्मीर भारत के साथ बेहतर रिश्तों की कुंजी है और विकास के लिए शांति बहुत जरूरी है। पाकिस्तान ने आगे कहा- भारत ने यूएनएससी के रिजोल्यूशन का भी पालन नहीं किया है, जिसके तहत जम्मू-कश्मीर में यूएन की निगरानी में जनमत संग्रह करवाकर अंतिम फैसला लिए जाने की बात है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका ने निज्जर की हत्या पर खुफिया जानकारी दी थी: इन्वेस्टिगेशन में मदद भी की; कनाडा ने इंडियन डिप्लोमैट्स की कम्युनिकेशन डिटेल्स से सबूत जुटाए

वॉशिंगटन। खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या के बाद अमेरिका की स्पाई एजेंसियों ने कनाडा के साथ इस केस से जुड़ी जानकारियां साझा की थीं। केस से जुड़े अफसरों के हवाले से यह जानकारी दी है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत पर आरोप लगाते समय कनाडा ने जिस खुफिया का हवाला दिया था, वह उसने खुद जुटाई थी। निज्जर की हत्या के बाद अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने कनाडा को इंटेलिजेंस इकट्ठा करने में मदद की थी। इसी के आधार पर कनाडा को यह निष्कर्ष निकालने में मदद मिली कि भारत इसमें शामिल था। हालांकि, कनाडा ने खुद भारतीय डिप्लोमैट्स की निगरानी करके उनकी कम्युनिकेशन डिटेल्स का पता लगाया था, जिनके आधार पर निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट्स के शामिल होने का आरोप लगाया गया था। अधिकारियों ने बताया कि अमेरिका को निज्जर की हत्या की साजिश या उसमें भारत के दखल के बारे में उसकी मौत से पहले तक कोई जानकारी नहीं थी। पहचान सार्वजनिक नहीं करने कि शर्त पर एक अधिकारी ने बताया कि कनाडा ने निज्जर को खतरे के बारे में आगाह किया था। हालांकि, तब भारत सरकार के शामिल होने से जुड़ी कोई बात नहीं कही गई थी। अमेरिका और कनाडा के बीच फाइव आइज अलायंस का हिस्सा होने के नाते इंटेलिजेंस शेयरिंग होती है। लेकिन हत्या के बारे में जानकारी खासतौर पर खुफिया एजेंसियों ने अपने पैकेज में शेयर की थीं। इससे पहले कनाडाई मीडिया ने बताया था कि कनाडा में अमेरिका के एम्बेसडर डेविड कोहेन ने इस बात की पुष्टि की थी कि फाइव आइज देशों ने मिलकर निज्जर की हत्या पर इंटेलिजेंस जुटाया था। कोहेन ने कहा था- फाइव आइज पार्टनर्स के बीच में निज्जर की हत्या में भारत सरकार के संभावित कनेक्शन को लेकर इंटेलिजेंस शेयर हुआ था। इसके जानकारी मिलने के बाद ही ट्रूडो ने अपनी संसद में भारत पर आरोप लगाए थे। वहीं अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था- हमें उम्मीद है कि भारत निज्जर की हत्या की जांच में कनाडा का सहयोग करेगा। ब्लिंकन ने कहा था कि अमेरिका के भारत के साथ मधुर संबंध हैं और कनाडा उनका करीबी सहयोगी है, इसलिए अमेरिका दोनों के साथ संपर्क में है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने शुक्रवार को फिर से भारत पर खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या का आरोप लगाया था। ओटावा में मीडिया से बातचीत में ट्रूडो ने बताया था कि हमने कुछ हफ्ते पहले ही भारत सरकार से ऐसे सबूत साझा किए थे, जो हमारे आरोपों को पुख्ता करते हैं। हम चाहते हैं कि दिल्ली जांच में हमारा सहयोग करे। भारत बोला- कनाडा के आरोप बेतुकेकनाडा की तरफ से लगाए गए सभी आरोपों को भारत लगातार खारिज करता आया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कनाडा के सभी आरोप बेतुके हैं। इसी तरह के आरोप कनाडाई प्रधानमंत्री ने हमारे पीएम मोदी के सामने भी रखे थे और उन्हें पूरी तरह से खारिज कर दिया गया था।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मालगाड़ी से टकराई यात्री ट्रेन, दुर्घटना में कम से कम 31 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में रविवार को एक यात्री ट्रेन मुख्य रेलवे लाइन पर खड़ी एक मालगाड़ी से टकरा गई। इस हादसे में कम से कम 31 लोग घायल हो गए। बता दें, दुर्घटना शेखपुरा जिले में किला सत्तार शाह स्टेशन के पास हुई। बताया जा रहा है कि मियांवाली से लाहौर जा रही यात्री ट्रेन उसी पटरी पर यात्रा कर रही थी, जहां पहले से ही एक मालगाड़ी खड़ी थी। ट्रेन चालक ने हादसे न हो इसके लिए काफी कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। बचावकर्मियों ने बताया कि दुर्घटना में 31 यात्री घायल हो गए। इनमें से पांच को जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना की जांच शुरू कर दी गई है। ट्रेन चालक इमरान सरवर और उसके सहायक मुहम्मद बिलाल सहित चार रेलवे अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के बाद लाहौर मंडल में ट्रेन परिचालन सुचारू रूप से चल रहा है। पटरी को साफ कर दिया गया है। इसके अलावा, उप प्रधान अधिकारी के नेतृत्व में एक जांच आयोग का गठन किया गया है, जो 24 घंटे के अंदर घटना पर अपनी रिपोर्ट सौंपेगा।

रूस के ब्लैक सी नेवल हेडक्वार्टर पर हवाई हमला

यूक्रेन का दावा- 9 रूसी अफसरों की मौत ब्रिटेन और फ्रांस की मिसाइल से अटैक

कीव/मॉस्को।

रूस और यूक्रेन के बीच जंग जारी है। यूक्रेन ने क्रीमिया में रूस के ब्लैक सी नेवल हेडक्वार्टर पर हमला कर दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन की डिफेंस मिनिस्ट्री ने दावा किया कि इस हमले में रूस के 9 अफसरों की मौत हो गई है। 16 अन्य घायल हुए।

यूक्रेन के इस हमले का वीडियो सामने आया है। इसमें एक मिसाइल रूसी नौसेना के ब्लैक सी फ्लीट हेडक्वार्टर पर गिरती दिख रही है। इसके बाद इमारत में आग लग गई। स्टॉर्म शैडो मिसाइल से हमला हुआ। ब्रिटेन और फ्रांस इस मिसाइल की सप्लाई यूक्रेन को कर रहे हैं।

मरने वालों में 2 रूसी जनरल

यूक्रेनी डिफेंस इंटेलिजेंस के चीफ किरिलो बुडानोव ने वॉयस ऑफ अमेरिका को बताया कि मरने वालों में 2 रूसी जनरल भी हैं। वहीं, कमांडर जनरल अलेक्जेंडर रोमनचुक और चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल ओलेग त्सेकोव गंभीर रूप से घायल हैं।

स्टॉर्म शैडो लंबी रेंज की मिसाइल है

लंबी दूरी वाली स्टॉर्म शैडो क्रूज मिसाइल को ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने फ्रांस की एमबीडीए मिसाइल सिस्टम कंपनी के साथ मिलकर 1997 में तैयार किया था। यह 250 किलोमीटर की दूरी तक हमला कर सकती है।

5.10 मीटर लंबी इस मिसाइल का वजन 1300 किलो है। खास बात है कि यह किसी भी तरह के मौसम में दिन हो या रात हमला करने में सक्षम है। यह मिसाइल खुफिया तरीके से दुश्मनों को एयरबेस, रडार इंस्टालेशन और कम्युनिकेशन को तबाह कर सकती है।

स्टॉर्म शैडो मिसाइल में फायर और फॉरगेट तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो बहुत बारीकी से निशाने पर नजर रखते हुए वार करती है। इसमें इनरशियल नेविगेशन, ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम और टेरेन रेफ्रेंस नेविगेशन का इस्तेमाल किया गया है जो निशाने वाले रूट पर मिसाइल को कंट्रोल करता है।

577 दिनों से जारी है जंग

रूसी सैनिकों ने यूक्रेन पर 24 फरवरी 2022 को हमला कर दिया था। इसके पीछे व्लादिमिर पुतिन का मकसद एक ही था- यूक्रेन पर कब्जा। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को ये मंजूर नहीं था, लिहाजा आज एक साल बाद भी ये जंग जारी है।

इस जंग में दोनों देशों को काफी नुकसान हुआ। इंफ्रास्ट्रक्चर और मिलिट्री इक्विपमेंट्स तबाह हुए। पुख्ता आंकड़े तो नहीं हैं, लेकिन माना जाता है कि इस जंग में दोनों तरफ के हजारों सैनिक मारे जा चुके हैं।

रूस-यूक्रेन विवाद की वजह बना नाटो

1991 में सोवियत संघ के 15 हिस्सों में टूटने के बाद नाटो ने खासतौर पर यूरोप और सोवियत संघ का हिस्सा रहे देशों के बीच तेजी से प्रसार किया।

2004 में नाटो से सोवियत संघ का हिस्सा रहे तीन देश- लातविया, एस्तोनिया और लिथुआनिया जुड़े, ये तीनों ही देश रूस के सीमावर्ती देश हैं।

पोलैंड (1999), रोमानिया (2004) और बुल्गारिया (2004) जैसे यूरोपीय देश भी नाटो के सदस्य बन चुके हैं। ये सभी देश रूस के आसपास हैं। इनके और रूस के बीच सिर्फ यूक्रेन पड़ता है।

यूक्रेन कई साल से नाटो से जुड़ने की कोशिश करता रहा है। उसकी हालिया कोशिश की वजह से ही रूस ने यूक्रेन पर हमला किया है।

यूक्रेन की रूस के साथ 2200 किमी से ज्यादा लंबी सीमा है। रूस का मानना है कि अगर यूक्रेन नाटो से जुड़ता है तो नाटो सेनाएं यूक्रेन के बहाने रूसी सीमा तक पहुंच जाएंगी।

यूक्रेन के नाटो से जुड़ने पर रूस की राजधानी मॉस्को की पश्चिमी देशों से दूरी केवल 640 किलोमीटर रह जाएगी। अभी ये दूरी करीब 1600 किलोमीटर है। रूस चाहता है कि यूक्रेन ये गारंटी दे कि वह कभी भी नाटो से नहीं जुड़ेगा।

भारत की दरियादिली का मुरीद हुई दुनिया, संयुक्त राष्ट्र के मंच से कहा- दिल से शुक्रिया

न्यूयॉर्क।

कोरोना महामारी के दौरान जब दुनिया के सभी देश अपने लोगों को बचाने में जुटे थे, उस वक्त भी भारत सरकार ने अपने लोगों के साथ-साथ दुनिया के लोगों की भी भलाई सोची थी। उसी सोच के तहत भारत ने दुनिया के कई देशों को कोरोना वैक्सीन उपलब्ध कराई थी। भारत की उस दरियादिली ने दुनिया के कई देशों को भारत का मुरीद बना दिया था। ऐसे ही एक देश ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से भारत को शुक्रिया कहा है।

डोमिनिका के विदेश मंत्री ने भारत को कहा शुक्रिया - बता दें कि अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा का आयोजन हो रहा है और दुनिया के शीर्ष नेता इस आयोजन में भाग ले रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के मंच से डोमिनिका के विदेश मंत्री डॉ. विंस हेंडरसन ने भारत की जमकर तारीफ की। डॉ. विंस हेंडरसन ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान हमने जो सबक सीखे, उन्होंने मुझे बहुत प्रेरित किया है। इस महत्वपूर्ण मंच से मैं बताना चाहता हूं कि मुझे याद है कि जब कोरोना महामारी के दौरान यह सोच रहे थे कि हम कैसे कोरोना वैक्सीन पा सकते हैं और अपने लोगों को बचा सकते हैं। खासकर हमारे जैसा छोटा देश, जो पर्यटन पर निर्भर करता है, हमें अपने लोगों की सुरक्षा करनी जरूरी थी। हम इस बारे में सोच ही रहे थे कि भारत ने हमारी अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए हमे वैक्सीन मुहैया करा दीं।

भारत ने दुनिया के 98 देशों को सप्लाई की वैक्सीन - डोमिनिका के विदेश मंत्री ने कहा कि जब हमें वैक्सीन मिल गई तो फिर हमने इन्हें अन्य कैरेबियाई देशों को उपलब्ध कराया। इसलिए मैं इस अहम मंच से और खासकर व्यक्तिगत रूप से भारत के लोगों और वहां की सरकार को तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहते हैं कि वह जरूरत के समय हमारी मदद के लिए आगे आए। बता दें कि कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र को चरितार्थ करते हुए दुनिया के 98 देशों को कोरोना वैक्सीन उपलब्ध कराई थी। भारत की इस वैक्सीन मैत्री को दुनियाभर में सराहा गया। खास बात ये है कि कई गरीब देश, जो शायद पश्चिमी देशों की प्राथमिकता में थे ही नहीं, वहां भी भारत ने समय से वैक्सीन पहुंचाकर मानवता की नई मिसाल पेश की थी। इंडिया-यूएन सम्मेलन के दौरान भूटान के विदेश मंत्री तांदी दोरजी ने कहा कि वैक्सीन मैत्री, भारत के सबसे बड़े मानवीय पहल में से एक है।

नेपाली प्रधानमंत्री ने जिनपिंग से की मुलाकात नेपाल को चीन से जोड़ने के लिए शी ने खाई कसम

बीजिंग।

नेपाल के प्रधानमंत्री इन दिनों चीनी दौरे पर हैं। इस दौरान नेपाली प्रधानमंत्री ने चीनी राष्ट्रपति से मुलाकात की। बैठक में दोनों देशों ने कई विकास के मुद्दों पर बात की। चीनी राष्ट्रपति ने वादा किया कि वह चीन से घिरे नेपाल को चीन से जोड़ेंगे और बुनियादी ढांचे के विकास सहित कनेक्टिविटी सुविधाओं को भी बेहतर बनाने में मदद करेंगे। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' हांगझू एशियाई खेलों के लिए चीन पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। बता दें, पिछले साल के अंत में प्रधानमंत्री बनने के बाद से यह प्रचंड का पहला चीनी दौरा है। इससे पहले प्रचंड भारत और अमेरिका के दौरे पर आए थे। प्रचंड के साथ बैठक के दौरान जिनपिंग ने कहा कि दोनों देशों ने ट्रांस-हिमालयन मल्टी-डायमेंशनल कनेक्टिविटी नेटवर्क सहित अन्य प्रोजेक्ट्स में सफलता हासिल की है। विदेशी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नेपाल और तिब्बत के बीच बीहड़ इलाके हैं। इसलिए दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए ट्रांस-हिमालयन कनेक्टिविटी परियोजनाओं के तहत सड़क और रेल नेटवर्क का विकास किया जाएगा। नेपाल का

अधिकांश आयात भारत से होता है। नेपाल में अपना विस्तार करने के लिए चीन नेपाल की भारत से निर्भरता कम करना चाहता है। हालांकि, नेपाल में कई चीनी परियोजनाएं अटकी हुई हैं, जिसमें कई बुनियादी ढांचों का विकास शामिल है। नेपाल के विदेश मामलों का संस्थान प्रज्ञा घिमिरे ने बताया कि नेपाल ने सात चीनी बंदरगाहों तक पहुंच बनाने के लिए परिवहन-पारगमन समझौते पर हस्ताक्षर किए। बैठक में नौ बीआरआई परियोजनाएं का भी चयन किया गया। बैठक के दौरान शी ने कहा कि हम दोनों देशों को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना चाहिए। हमें एक-दूसरे की समस्याओं पर एक-दूसरे का समर्थन करना चाहिए। प्रचंड का कहना है कि शी दूरदर्शी वैश्विक नेता हैं। वे नेपालियों के अच्छे दोस्त हैं। नेपाल और चीन अच्छे मित्र हैं। हम एक-दूसरे पर भरोसा कर सकते हैं।

मृत लोगों से बात करने वाली महिला का दावा, मरने के बाद आत्मा झेलती हैं कष्ट,परिजन की मृत्यु के बाद एहसास हुआ तो इस रहस्य को किया उजागर

कैलिफोर्निया।

जीवन और मरण दो ऐसे रहस्य हैं, जिन्हें आज तक कोई भी नहीं सुलझा पाया है। लेकिन एक महिला ने मृत लोगों से बात करने का दावा जरुर किया है। इसमें कितनी सच्चाई है, इससे इत्तफाक नहीं है, लेकिन गीता में कहा गया है कि आत्मा अजर अमर है। आत्मा न मरती है और न ही खत्म होती है। मृत्यु के बाद वह दूसरा शरीर धारण कर लेती है। इसे लेकर वैज्ञानिकों में मतभेद है। कुछ साल पहले जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और कॉस्मोलजिस्ट डॉक्टर सीन कैरोल ने कहा था कि आत्मा जैसी कोई चीज नहीं होती।

अगर किसी इंसान की मृत्यु हो जाए तो उसकी चेतना इस ब्रह्मांड में नहीं रह सकती। इसलिए आत्मा अजर अमर है, यह कांसेप्ट ही समझ से परे

है। लेकिन मरने के बाद आत्माएं कहां जाती हैं, यह रहस्य उजागर करते हुए एक महलिा ने दावा किया है कि उसे सब पता है। वह रोजाना मृत लोगों से बात करती है, जो बताते हैं कि मरने के बाद आत्माएं कहां जाती हैं।

कैलिफोर्निया की रहने वाली एमिली डेक्सटर की बात मानें तो जब इंसान गुजर जाता है, तो सभी एक खास जगह जाते हैं। इस दिन को मैं प्यार से आध्यात्मिक स्पा डे कहती हूं। हमारी आत्मा एक या 2 हफ्ते तक अपने मृत प्रियजनों के साथ घूमती रहती है। फिर आत्मा को एक ऐसी जगह ले जाया जाता है, जहां उसे काफी कष्ट झेलने पड़ते हैं। यह समय आपके कर्म के हिसाब से एक हफ्ते, एक साल या 5 साल कुछ भी हो सकती है।

डेक्सटर ने कहा, कष्ट झेलने के बाद आत्मा एक नई राह पर चलने लगती है। हम फिर अपने प्रियजनों के करीब आते हैं। इस बीच अगर कोई आपके परिवार से गुजर गया है तो उसका मार्गदर्शन करते हैं ताकि उसे उतना कष्ट न झेलना पड़े। इसके बाद फिर आत्मा किसी और शरीर को धारण कर लेती है। डेक्सटर ने कहा, मुझे बचपन में ही एहसास हो गया था कि मैं एक मानसकि रोगी हूं। क्योंकि जंगल में खेलते समय मैं मृतकों से बातचीत कर सकती थी।

उसने कहा कि वह अपने घर के मृत लोगों को वर्षों बाद भी देख सकती थी। कई बार तो मैंने अपने मर चुके रिश्तेदारों को अपने साथ कमरे में भी देखा था। मुझे यह सामान्य लगता था। क्योंकि हमेशा मेरे साथ ऐसा होता रहता था। डेक्सटर ने कहा- जब तक मैं 8 साल की नहीं हो गई तब तक मुझे पता नहीं चला कि यह एहसास दूसरों से अलग कैसे है। एक दिर मैंने अपनी मां को इन अजीब चीजों के बारे में बताया। जब मैं 20 साल की हो गई तो मेरे एक परजिन ने, जिनकी मृत्यु हो गई थी, वह आए और बताया कि लोगों को इसके बारे में जानकारी देनी चाहिए। इसका माध्यम तुम बन सकती हो।

रूसी विदेश मंत्री बोले- अमेरिका-ब्रिटेन से सीधे जंग हो रही

यूएन में कहा- उन्होंने यूक्रेन को मोहरा बनाया; हमें ग्रीन डील पर धोखा दिया

न्यूयॉर्क।

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यूएन जनरल असेंबली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पश्चिमी देशों पर जमकर हमला किया। लावरोव ने कहा- अमेरिका, ब्रिटेन और कई दूसरे देश इस वक्त सीधा रूस के खिलाफ जंग में उतरे हुए हैं। हम इसे हाइब्रिड जंग कह सकते हैं, लेकिन ये सच नहीं है। पश्चिमी देश यूक्रेन को मोहरे के तौर पर इस्तेमाल करके हमसे दुश्मनी में लगे हुए हैं। लावरोव ने कहा- अमेरिका और उसके साथ काम करने वाले दूसरे ग्रुप लगातार जंग को बढ़ावा दे रहे हैं। वे पूरी दुनिया को उनके फायदे के लिए बनाए गए नियमों के आधार पर चलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने पश्चिमी देशों पर धोखा देने का भी आरोप लगाया। लावरोव ने पश्चिमी देशों को झूठ का साम्राज्य भी बताया।

यूक्रेन के शांति समझौते में नाटो में न शामिल होने की बात नहीं - यूएनजीए में संबोधित करने के बाद रूसी विदेश मंत्री ने मीडिया को भी एड्रेस किया। इस दौरान उन्होंने यूक्रेन के पीस प्लान को खारिज कर दिया। लावरोव ने कहा- इस प्रस्ताव को लागू नहीं किया जा सकता। ये मुमकिन ही नहीं है। ये मॉस्को के 2 सबसे अहम पॉइंट्स के खिलाफ है। इसमें रूस को यूक्रेनी क्षेत्र सौंपने का कोई जिक्र नहीं है और न ही यूक्रेन के नाटो में न शामिल होने की बात कही गई है। इसके अलावा सर्गेई लावरोव ने ब्लैक सी ग्रेन डील पर रूस के लौटने के प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- इस समझौते से हमारे पीछे हटने की मुख्य वजह ये है कि हमसे जो भी वादे किए गए थे, वे सब एक धोखा थे। पश्चिमी देशों ने वादा किया था कि रूसी बैंक पर से प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

पश्चिमी देशों की वजह से कई देशों में खाद्य संकट - रूस के विदेश मंत्री ने खाद्य और ऊर्जा बाजारों में संकट का दोष भी पश्चिमी देशों पर मढ़ा। उन्होंने कहा कि वे कमजोर देशों पर एकतरफा प्रतिबंध लगाते हैं। इससे पहले यूक्रेन ने अपने संबोधन में कहा था कि ये जंग सिर्फ यूक्रेन

नहीं बल्कि पूरी दुनिया की है।

जेलेंस्की बोले- रूस आतंकी, बच्चों को हथियार बना रहा - इसके लिए सभी देशों को मिलकर रूस के खिलाफ लड़ना होगा। रूस पूरी दुनिया को आखिरी जंग की तरफ धकेल रही है। हम इस बात की पूरी कोशिश कर रहे हैं कि रूस की इस जंग के बाद दुनिया में कोई भी देश किसी पर हमला न कर सके।

जेलेंस्की ने कहा था- कोल्ड वॉर के बाद यूक्रेन नहीं रूस को अपने न्यूक्लियर वेपेन हटाने की जरूरत थी। उन जैसे आतंकवादियों को परमाणु हथियार रखने का कोई अधिकार नहीं होना चाहिए। रूस ने फूड, एनर्जी और बच्चों तक को जंग में यूक्रेन के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा- जब नफरत को एक राष्ट्र के खिलाफ हथियार बनाया जाता है, तो यह कभी नहीं रुकती।

क्या थी ब्लैक सी ग्रेन डील - यूक्रेन फूड सप्लाई के मामले में दुनिया के अव्वल देशों में से एक है। ब्लैक सी से गुजरने वाले उसके ग्रेन शिप्स पर रूस के हमलों का खतरा था। लिहाजा, उसने सप्लाई रोक दी और इससे चेन एंड सप्लाई कमजोर पड़ गई। कई यूरोपीय और अफ्रीकी देशों में लोगों के भूख से मरने का खतरा पैदा हो गया।

तुर्किये और यूएन की कोशिशों से पिछले साल जुलाई में एक डील हुई। इसमें यह था कि रूस और यूक्रेन दोनों ही एक-दूसरे के कार्गो शिप्स पर हमले नहीं करेंगे।

इसके अलावा यूएन के अफसर हर शिप की जांच करेंगे, ताकि इनका इस्तेमाल हथियार ले जाने में न हो। ये डील 17 जुलाई को एक्सपायर हो गई और रूस ने इसे रिन्यू करने से इनकार कर दिया। इसका मतलब अब वो अनाज ले जा रहे जहाजों को भी निशाना बना सकता है।

सामाजिक संगठन ने दीवार पर शुरू किया पेंटिंग अभियान

हिसार (हिंस)। हमारा प्यार हिसार की टीम ने शहर को स्वच्छ बनाने की दिशा में काम करते हुए अपने साप्ताहिक कार्यक्रम के तहत विद्युत नगर की लंबी दीवार पर पेंटिंग अभियान शुरू किया। टीम के सदस्यों ने बदरंग हो चुकी दीवार पर पेंट किया और उस पर सुंदर कलाकृतियां बनाईं। यह हिसार की मुख्य सड़क है लेकिन प्रशासन की उपेक्षा के चलते सड़क के किनारों पर घास व झाड़ियां उगी हुई हैं और बर्म पर काफी मिट्टी चढ़ी हुई है। ग्रुप के सदस्यों ने पेड़ों की छंगाई की और मिट्टी व घास को कस्सियों से साफ किया। यह कार्य आगे भी जारी रहेगा। ग्रुप के पांच वर्ष पूरा होने के अवसर पर सदस्यों ने ग्रुप के संस्थापक व वरिष्ठ सदस्यों को सम्मानित किया व समाज के लिए उन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इनमें डॉ. एसके गर्ग, सुशील खरींटा, प्रो. हरीश भाटिया, डॉ. राज वर्मा, डॉ. बीबी बांगा, राकेश अग्रवाल, मनीष गोयल व सत्येंद्र यदुवंशी शामिल थे।

देश और धर्म के लिए संगठित होकर कार्य करें : गजेन्द्र सिंह शेखावत

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि आज देश, धर्म और संस्कृति पर चहुंओर से हमले हो रहे हैं। इसके लिए हमें जातियों से ऊपर उठकर संगठित होकर काम करना होगा। इसके लिए सभी समाजों को एक होकर सनातन संस्कृति पर हमला करने वालों को मुंहतोड़ जवाब देना होगा। शेखावत रविवार को हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज की ओर से आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज सनातन संस्कृति पर हमला हो रहा है। हमें विघटित होने के बजाय संगठित होने की जरूरत है। जहां जहां हिदू कमजोर हुआ देश कमजोर हुआ। जहां जहां हिंदू संख्या में कम होता रहा, देश का विभाजन होता रहा। दो हजार साल पहले भारत का नक्शा सुदूर सेंट्रल एशिया तक था। वह सिमटते सिमटते कहां तक आकर पहुंच गया। हिंदू के विघटित होने से देश को नुकसान है। उन्होंने कहा, कंधों से चौड़ी छाती नहीं, धर्म से बड़ी जाति नहीं। इसलिए ब्राह्मण समाज को संपूर्ण हिंदू समाज के लिए काम करना है। तभी सनातन धर्म की रक्षा होगी।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री उदयनिधि ने और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सनातन धर्म विरोधी टिप्पणी की है। ऐसे में सनातन धर्म की रक्षा के लिए छोटी अपेक्षाओं से ऊपर उठकर बड़ी लड़ाई लड़ने के लिए संगठित होकर कार्य करने की जरूरत है। शेखावत ने कहा कि भारत बदल रहा है। विश्व पटल पर देश की छवि बदल रही। देश को प्रथम मानते हुए पीएम नरेन्द्र मोदी काम कर रहे हैं। सभी समाजों को आगे बढ़ाते हुए गरीब के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए काम हो रहा है। देश का प्रथम मानकर फैसले लिए जा रहे हैं। देश को विश्व के पटल पर सर्वशक्तिमान बनाने के फैसले लिए जा रहे हैं। ऐसे में भारत और सनातन विरोधी ताकतें भारत के बाहर से और भारत के भीतर से संगठित होकर काम कर रही है। वे इस संपरिवर्तन के दौर में अवरोध कर रहे हैं। ऐसे में ब्राह्मण समाज की जिम्मेदार और अधिक है, क्योंकि समाज को दिशा दिखाने का काम ब्राह्मण समाज ने किया है। उन्होंने कहा कि सनातन अविरल प्रवाहमान है। इसे सतयुग से लेकर कलिकाल तक अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए ब्राह्मण समाज का अतुलनीय योगदान रहा है। समाज के बंधु एकत्र हो तो सार्थक चर्चा होना अवश्यमंभावी है। समाज की प्रतिभाओं का इस पटल पर सम्मान प्रशंसनीय है। शेखावत ने कहा कि मुझे बताया गया कि इस समाज का संपूर्ण ब्राह्मण समाज में दस फीसदी का योगदान है। ऐसे में उसके अनुरूप राजनीतिक सहभागिता मिलनी चाहिए। इसके लिए प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि देश और दुनिया ऐसे कालखंड से गुजर रही है जहां समाज और परिवार की अवधारणा खंडित होती जा रही है। ऐसे में इन सामूहिक भोज का आयोजन सामाजिक भाव को पुष्ट करने की भूमिका का निर्वहन करता है।

राजस्थान के दौसा में सड़क हादसा, पांच की मौत, छह जख्मी

दौसा (हिंस)। राजस्थान के दौसा जिले के महवा थाना क्षेत्र में ग्राम बरीतकी के पास रविवार को तेज रफ्तार एक रोडवेज बस ने टैंपो को टक्कर मारते हुए पैदल यात्रियों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। हादसा रविवार पूर्वाह्न 11.30 बजे के करीब करौली स्टेट हाई-वे पर हुआ। हादसे के बाद बस चालक फरार हो गया। महवा थाना इंचार्ज जितेंद्र सिंह ने बताया कि बरीतकी गांव के नजदीक बस ने एक टेंपो को टक्कर मार दी। इसी दौरान पास से निकले रहे पदयात्रियों को भी बस ने चपेट में ले लिया। यात्रियों से भरा टेंपो हिंडौन (करौली) की तरफ से आ रहा था। बस महवा की तरफ से आ रही थी। महवा से हिंडौन के भैरूजी के लिए पदयात्रा निकाली जा रही थी। इस बीच पैदल यात्रियों को बचाने की कोशिश में यह हादसा हुआ। बस ने टैंपो को टक्कर मारते हुए तीन पैदल यात्रियों और एक राहगीर को चपेट में ले लिया। वे कैलादेवी (करौली) के दर्शन कर वापस मध्य प्रदेश लौट रहे थे। हादसे में पदयात्रा देख रहे राहगीर आसिफ अली (38) निवासी हिंडौन, पदयात्रा में शामिल देवकीनंदन (36) निवासी गुर्जर मोहल्ला (महवा), मंगती जोगी (22) सलेमपुर (दौसा) और उसके डेढ़ साल के बेटे प्रियांशु की भी मौत हो गई। वहीं, लोडिंग टेंपो में सवार मध्यप्रदेश के कासगंज की निवासी गुलाब (35) देवी की हादसे में मौत हो गई। हादसे में बिहार-मध्यप्रदेश के 6 लोग भी घायल हो गए। तीन घायलों को जयपुर रेफर किया गया है। घटना की सूचना पर विधायक ओमप्रकाश हुड़ला, एसडीएम लाखन सिंह, डीएसपी प्रेम बहादुर निर्भय, पूर्व प्रधान राजेंद्र मीणा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विजय शंकर बोहरा समेत बड़ी संख्या में लोग हॉस्पिटल पहुंचे।

नशे ने हरियाणा के युवाओं को बर्बाद किया : आआपा

यमुनानगर (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल साइकिल चलाकर नशा रोक अभियान चला रहे हैं, जबकि यमुनानगर के अधिकतर गांव में भी अवैध तरीके से शराब व अन्य नशे धड़ल्ले से बेचे जा रहे हैं। यह कहना था आम आदमी पार्टी यमुनानगर के नेता दलीप दड़वा का। रविवार को पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में दलीप दड़वा ने कहा कि हरियाणा नशे के मामले में नंबर वन हो चुका है। हरियाणा के मुख्यमंत्री को चाहिए कि यह अवैध नशा जहां से आता है वहां छापामारी करवाएं। उन्होंने कहा कि सरकार की एजेंसियों को क्या यह नहीं पता कि ये नशा कहां से आता है और कौन बेच रहा है। पार्टी के संयुक्त सचिव पूर्व सरपंच कर्मचंद बुढेड़ी ने कहा नशे ने हरियाणा के युवाओं को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री यह बताकर जाएं कि हरियाणा के किस गांव में अवैध नशा न बिक रहा हो। एक ऐसे गांव या कालोनी का नाम जरूर बताएं जहां अवैध शराब नशा न बिक रहा हो। उन्होंने कहा कि यमुनानगर नशे का मुख्य अड्डा बन चुका है। उन्होंने कहा कि हरियाणा बेरोजगारी में नं वन है, भ्रष्टाचार में नं वन है, और हरियाणा का युवा रोजगार के लिए विदेशों की तरफ भाग रहा है। सरकार नशे पर रोक लगाएं हर गांव, गली, कालोनी जहां भी अवैध नशा बेचा जा रहा है इस पर सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रशासन नशे पर कार्रवाई के मामले में और रोजगार, महिला सुरक्षा, व्यापारी सुरक्षा के मामले में बिल्कुल फेल नजर आती है।

विधानसभा चुनाव से पहले राठ की राजनीति में फिर उबाल

अलवर (हिंस)। राठ क्षेत्र के नाम से अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले बहरोड में चुनावी सरगर्मियां जहां नेताओं के सर चढ़कर बोल रही है वहीं अब राजनीति के इन सिपलसहारों में आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला बदस्तूर जारी है। बहरोड विधायक, पूर्व सांसद एवं मंत्री रहे भाजपा के कद्दावर नेता डॉ. जसवंत यादव एवं वर्तमान विधायक बलजीत यादव की जुबानी जंग ने राठ की राजनीति में बवाल मचा रखा है। वही यहां से अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे महेंद्र यादव के किस्से भी आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस और भाजपा को दरकिनार कर बहरोड की जनता ने जनता सेना प्रमुख बलजीत यादव की विधायक के रूप में ताजपोशी की लेकिन विधायक बनने के बाद से ही बलजीत अपनी कार्यशैली को लेकर बहरोड ही नहीं बल्कि पूरे राजस्थान में चर्चित चेहरा बने हुए हैं। हाल ही में विधायक कोटे से खरीदी खेल सामग्री में हुए कथित भ्रष्टाचार की परतें उधड़ने में न केवल भाजपा के नेता बल्कि निर्दलीय के रूप में कांग्रेस पार्टी समर्पित बलजीत का कांग्रेस के ही संजय यादव डटकर खुलासा कर रहे हैं। विधायक कोटे से खरीदी खेल सामग्री की जांच कमेटी ने निविदा निरस्त करने के जो आदेश दिए चुनावी माहौल में संजय इस भ्रष्टाचार को राजनीति के दम पर भुनाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। विधानसभा क्षेत्र बहरोड में टीम संजय यादव के नाम से रातों-रात विधायक दे अपने भ्रष्टाचार का जवाब, जनता मांग रही 4.31 करोड़ रुपए का हिसाब स्लोगन के होर्डिंग लगाए गए हैं जो कि आमजन में कौतुहल का विषय बने हुए हैं। राजनीति का ऊंट कब किस करवट बैठ जाए यह वास्तव में कहा नहीं जा सकता राजनितिक पंडितो के अनुसार जिस संजय यादव टीम ने 2018 के विधानसभा चुनाव में वर्तमान विधायक बलजीत को चुनाव जिताने में जी जान से मदद की वही संजय की टीम अब चुनावी मुहाने पर खड़े बलजीत को चुनावी कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। उल्लेखनीय की एनएसयूआई से अपने राजनीतिक कैरियर की शुरुआत करने वाले संजय यादव भी कांग्रेस पार्टी से बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र में प्रबल दावेदारी जता रहे हैं।

मजदूरी रेट बढ़ाए जाने पर मजदूर यूनियन ने सीएम का जताया आभार

सिरसा (हिंस)। हरियाणा मार्केटिंग बोर्ड द्वारा धान के सीजन में मजदूरी रेट बढ़ाए जाने पर हरियाणा की मजदूर यूनियन ने प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री मनोहरलाल, सिरसा लोकसभा सांसद सुनीता दुग्गल का आभार जताया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामधारी इंदौरा व राजू लाडवाल ने रविवार को संयुक्त रूप से बताया कि भाजपा सरकार द्वारा सभी वर्गों के लिए एक समान नीतियां बनाई जा रही हैं। सरकार ने खासकर मजदूरों के लिए भी अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं, जिसका मजदूरों को भरपूर लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी मजदूरों को सरकार से उम्मीद है कि वो अपनी कल्याणकारी नीतियों से मजदूरों को लाभांवित करती रहेंगी। इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष धर्मेंद्र खटक, महासचिव सतपाल सरोवा, कोषाध्यक्ष राजबीर चौहान, करनाल से जंग बहादुर, डबवाली से नंदलाल, कालांवाली से केवल निनानिया, ऐलनाबाद से दौलतराम पचेरवाल व विजय इटकान, कैथल से चंदनलाल, दलबीर सिंह नरवाना से, खेम चंद उचाना, कलायत से कुलदीप दहिया व सतपाल दहिया, सिरसा से करतार सिंह, टोहाना से राजकुमार व कृष्ण लाल, फतेहाबाद से राजू खनगवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कर्मचारी महासंघ ने काले कपड़े पहनकर निकाली आक्रोश रैली

धौलपुर (हिंस)। अखिल राजस्थान राज्य संयुक्त कर्मचारी महासंघ के प्रदेशव्यापी आव्हान पर रविवार को अपनी मांगों के समर्थन में आक्रोश रैली निकाली गई। राज्य सरकार की कथित संवादहीनता एवं महासंघ के 15 सूत्री मांग पत्र कार्रवाई नहीं करने के विरोध में आक्रोशित कर्मचारियों ने काले कपड़े पहनकर वाहन रैली निकाली। महासंघ के संयोजक यदुवीर सिंह ने बताया कि राज्य सरकार महासंघ के मांग पत्र की लगातार उपेक्षा कर रही है तथा संवादहीनता अपना रही है। सरकार ने चुनाव से पूर्व जारी अपने घोषणा पत्र के एक भी बिंदू को लागू नहीं कर प्रदेश के कर्मचारियों से छलावा किया है। जिसके कारण प्रदेश के लाखों कर्मचारियों में आक्रोश

है।महासंघ के वरिष्ठ पदाधिकारी हरिशंकर शर्मा चिकित्सा संघ ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार एवं शासन के द्वारा विगत 5 वर्षों में आंदोलनरत विभिन्न संगठनों से समझौते तो किए गए हैं। लेकिन एक भी समझौता लागू नहीं किया गया। जिससे महासंघ से संबद्ध 82 संगठनों में आक्रोश बना हुआ है। स्थानीय सुभाष पार्क से कलक्ट्रेट तक निकाली गई वाहन रैली में कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी भी की। महासंघ के प्रदेश मंत्री कृष्ण कुमार तोमर ने बताया कि सरकार की वादाखिलाफी एवं संवादहीनता के कारण महासंघ आंदोलन को तेज करने जा रहा है। आंदोलन के आगामी चरण में 02 अक्टूबर को गांधी जयंती पर राजधानी जयपुर में कर्मचारी काले कपड़े पहनकर प्रदर्शन करेंगे। इस मौके पर महासंघ के यादवेंद्र शर्मा, श्रीराम गोस्वामी एवं श्रीभानसिंह गुर्जर सहित अन्य मौजूद रहे।

सामूहिक दुष्कर्म व लूट की जनवादी महिला समिति ने की निंदा

हिसार (हिंस)। जनवादी महिला समिति ने मतलोढा के आसन कलां में तीन मजदूर महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार और एक अन्य महिला की हत्या की घटना को दिल दहला देने वाली बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। समिति ने सभी आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग करते हुए 25 सितंबर को प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। जनवादी महिला समिति की जिला प्रधान शकुंतुला जाखड़ ने रविवार को कहा कि पानीपत जिले के मतलोढ़ा थाना क्षेत्र के आसन कलां गांव के दो डेरों में तीन महिलाओं से सामूहिक बलात्कार और एक अन्य महिला की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले से पूरा हरियाणा दहल गया है। अपराधियों ने रात के समय डेरों में घुसकर लूटपाट, मारपीट, हत्या और सामूहिक बलात्कार की जघन्य घटनाओं को धड़ल्ले से अंजाम दिया और आसानी से निकल गए। अभी तक भी किसी दोषी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। जनवादी महिला समिति की नेताओं ने कहा कि हरियाणा में अपराध चरम पर पंहुच गया है।

इंग्लैंड और जर्मन की तर्ज पर दिए जा रहे हैं दिव्यांगों को उपकरण : गुर्जर

फरीदाबाद (हिंस)। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि दिव्यांगजनों को मोदी सरकार द्वारा मुख्यधारा में जोड़ने का हर संभव प्रयास कर रही है। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर रविवार को भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण कंपनी में भारत सरकार सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की एडिप एवं वयोश्री योजना के अंतर्गत दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिक हेतु जिला रेडक्रास सोसायटी द्वारा एलिम्को की भागीदारी के साथ दिव्यांग कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर वहां उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि दिव्यांगजनों और वयोश्री को भारत सरकार की योजनाओं के तहत आपको आपकी जरुरत के हिसाब से नि:शुल्क उपकरण देने का कार्यक्रम आज यहां आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की

बागडोर संभाली है तबसे दिव्यांगों के लिए अनेक योजनाएं मोदी सरकार ने बनाई है और दिव्यांगजन हमारे समाज का बहुत महत्वपूर्ण अंग है। दिव्यांजन में प्रतिभा की भी कोई कमी नहीं होती। खेलों के क्षेत्र में अगर हम ओलंपिक में चार पदक जीत कर लाते है तो पैरा ओलंपिक में इससे ज्यादा पदक दिव्यांगजन लेकर आते है। दिव्यांगजन में अद्भुत क्षमताएं है। इनकी क्षमताओं का उपयोग देश हित में हो इसके लिए उनकी सभी जरूरतों को पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जितना भी दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए जो सामान बनता है पहले यह सब कानपुर में बनकर सब जगह भेजा जाता था और यह सब सामान फरीदाबाद में बन रहा है और यहां से दूसरी जगह भी भेजा जा रहा है। मोदी सरकार ने 2016 में एक कानून पास करवा कर सात तरह की दिव्यांगता को बढ़ाकर 16 तरह की दिव्यांगता किया ताकि किसी भी तरह से दिव्यांग व्यक्ति हो उसको भारत सरकार की योजनाओ का लाभ मिल सके। गुर्जर ने बताया कि भारत सरकार की एडिप एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना अन्तर्गत एलिम्को द्वारा दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए नि:शुल्क सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए परीक्षण शिविरों का आयोजन किया गया था। जिसमें कुल 843 लाभार्थियों में 243 दिव्यांगजन तथा 640 वरिष्ठ नागरिकों को चिन्हित किया गया था। कार्यक्रम में एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद, भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण कंपनी के प्रबंधक हरीश कुमार, वाइस चेयरमैन हरियाणा रेड क्रॉस श्रीमती सुषमा गुप्ता, जिला रैडक्रास के सचिव बिजेन्द्र सोरोत, जिला प्रशिक्षण अधिकारी पुरुषोत्तम सैनी, अजय बैसला, जयपाल, संजू चपराना सहित अन्य कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

सीएम मान की सिक्योरिटी में घूम रहे राघव चड्ढा, हरसिमरत बादल का आरोप

चंडीगढ़। पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा आज शादी के बंधन में बध जाएंगे। वह उदयपुर के लीला पैलेस में सात फेरे लेंगे। वहीं इस शादी से पहले ही पंजाब में सियासत गरमा गई है। शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने शादी में पंजाब पुलिस का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। हरसिमरत ने ट्वीट किया-शादी अरविंद केजरीवाल के चहेते की है लेकिन उनकी सेवा में पंजाब के सीएम भगवंत मान के सैंकड़ों सुरक्षाकर्मी, बुलेट प्रूफ लैंड क्रूजर को लगाया गया है। वाह! इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि पंजाब के गवर्नर सही पूछ रहे हैं कि पंजाब के रुपए कहां हैं। पिछले 18 महीनों में लिए गए 50, 000 करोड़ रुपए के कर्ज खर्च किए जा चुके हैं। कड़ी सुरक्षा में शनिवार को पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान व दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल भी उदयपुर पहुंच गए हैं। इसके अलावा राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और अभिनेत्री भाग्यश्री समारोह में पहुंचे हैं। शादी के लिए पैलेस को दुल्हन की तरह सजाया गया है। शनिवार सुबह चूड़ा सेरेमनी हुई। इसमें दोनों परिवारों के लोग शामिल हुए। इसके बाद मेहमानों के सम्मान में दोपहर का भोजन आयोजित किया गया जबकि रात को 90 के दशक की थीम पार्टी की भी योजना बनाई गई है। इसमें राघव और परिणीति के परिजन भी शामिल हुए। यह जोड़ा अपनी रिस्पेशन पार्टी चंडीगढ़ और दिल्ली में आयोजित करेगा। कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर इनका कार्ड वायरल हुआ था।

विश्व नदी दिवस पर द्रव्यवती के पुनर्जीवन का संदेश

जयपुर (हिंस)। विश्व नदी दिवस पर जयपुर के यूथ पल्स, सोशल थिंकर, मनसंचार एवं यू थिंक के सदस्यों ने द्रव्यवती नदी के उद्गम हाथुनीकुंड नाहरगढ़ पर कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर नदी जल विशेषज्ञ राममनोहर ने कहा कि नदी संरक्षण नागरिक कर्तव्य है। समाज को इसके लिए आगे आना चाहिए। नदी जल को प्रदूषित करने एव नदी के क्षेत्र में अतिक्रमण से नदियां सूख रही है। द्रव्यवती जयपुर की जीवन रेखा रही है जो नाले के रूप में परिवर्तित हो गई। राममनोहर ने कहा कि अगर मानव प्रकृति से छेड़छाड़ कर नदी के प्रवाह में अतिक्रमण करेगा तो नदी एक दिन सब तबाह कर देगी। इस अवसर पर सहभागी युवक-युवतियों ने नदी संरक्षण एवं पुनर्जीवन का संकल्प लिया। विद्यार्थी पत्रकार शीतल ने सौन्दर्य की नदी नर्मदा पुस्तक से नर्मदा यात्रा की सुन्दरता का वर्णन किया। सहभागियो ने इस अवसर पर नदी संरक्षण और स्वच्छता का संदेश दिया।

आर्ट ऑफ लिविंग हैप्पीनेस प्रोग्राम का पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ समापन

खुशियां बाटने से और बढ़ती है और जीवन में खुशियां बनी रहती है : नीरज गुप्ता

हिसार (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक व मानवतावादी संस्था आर्ट ऑफ लिविंग के तीन दिवसीय *हैप्पीनेस प्रोग्राम* का समापन मां संतोषी आश्रम के सभागार में किया गया। शिविर का संचालन स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर एवं शिक्षक नीरज गुप्ता व प्रमोद कुमार ने संयुक्त रूप से किया। नीरज गुप्ता ने रविवार को बताया कि शिविर में सुदर्शन क्रिया, ध्यान, प्राणायाम व अन्य इंटरएक्टिव प्रक्रियाओं से व्यवहारिक ज्ञान सिखाया गया। उन्होंने बताया कि आर्ट ऑफ लिविंग योग, प्राणायाम, सुदर्शन क्रिया, श्वास और ध्यान के कार्यशाला का एक अद्वितीय शक्तिशाली संयोजन है। ऑफ लिविंग कार्यशाला आपको उस तरह से जीवन जीने में मदद करती है जैसा आप हमेशा से चाहते। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय व्यक्तिगत कार्यशाला में हमें जीवन भर की खुशियां प्राप्त होती है। शिविर में दैनिक अभ्यास प्राप्त करते है जिसे आप घर पर भी जारी रख सकते हैं। प्रमोद कुमार ने बताया कि शिविर में सिखाए गए प्रक्रियाओं के नियमित अभ्यास द्वारा रोग प्रतिरोधक

क्षमता बढ़ती है। तनाव, चिंता और अवसाद से छुटकारा पाने की कला सिखाई जाती है। सहनशक्ति में वृद्धि होती है, थकान पर काबू पाते है और दिन भर के लिए निर्धारित सभी कार्यों को करने के लिए अधिक ऊर्जा और सहनशक्ति का अनुभव करते है।

सरकार की तरफ से विकास कार्यों को लेकर पंचायतों को मुहैया करवाया जा रहा है फंड

जम्मू (हिंस)। सरकार की तरफ से जम्मू के ग्रामीण इलाकों में विकास कार्यों को लेकर पंचायतों को फंड मुहैया करवाया जा रहा है। ब्लॉक सुचेतगढ़ की पंचायत दबलैहड़ के सरपंच सेवानिवृत सरदार कैप्टन हजारा सिंह ने रविवार को पंचायत में विकास कार्यों को जारी रखते हुए पंच अजय कुमार सहित अन्य ग्राम वासियों की मौजूदगी में गांव की एक गली में टाइल लगाने का कार्य शुरू करवाया। इस गली निर्माण पर करीब ढाई लाख रुपए की राशि खर्च की जाएगी। सरपंच हजारा सिंह ने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग द्वारा पंचायत को इस गली के निर्माण हेतु फंड उपलब्ध करवाया गया है। इसी तरह पंचायत में आने वाले समय में और विकास कार्यों की भी शुरुआत करवाई जाएगी। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि यह गांव के लोगों की लंबित मांग भी थी, जिसे आज हमने पूरा करवाने का प्रयास किया है। इससे पहले इस गली के पक्का न होने से लोगों को दिक्कत पेश आती थी, परन्तु अब पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से गांव में विकास कार्य करवाए जा रहे हैं और आने वाले समय में पंचायत दबलैहड़ की अन्य गलियों व नालियों को भी पक्का बनाया जाएगा। इस इवसर पर पंच अजय कुमार शर्मा ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियो के प्रयास से आज करीब ढाई लाख की लागत से बनने वाली गली व नाली के कार्य की शुरूआत हुई है। इससे पहले इस गली में कीचड़ व गंदगी रहती थी। इस गली के पक्का बन जाने से अब लोगों को पेश आने वाली परेशानी कम होगी।

अगले हफ्ते तीन आईपीओ ओपन होंगे : जेएसडब्लू इंफ्रास्ट्रक्चर, अपडेटर सर्विसेज और वैलेंट लेबोरेटरीज में निवेश का मौका

मुंबई।
अगले हफ्ते शेयर मार्केट में लिस्टिंग के लिए तीन इनिशियल पब्लिक ऑफर ओपन होंगे। इसमें जेएसडब्लू इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, अपडेटर सर्विसेज लिमिटेड और वैलेंट लेबोरेटरीज लिमिटेड शामिल हैं। आइए इन तीनों कंपनियों के आईपीओ के बारे में एक-एक करके जानते हैं।

जेएसडब्लू इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड - जेएसडब्लू इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए 2,800 करोड़ जुटाना चाहती है। यह 100 प्रतिशत फ्रेश इश्यू होगा, जिसके लिए कंपनी 235,294,118 शेयर इश्यू करेगी। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 25 सितंबर से 27 सितंबर तक अप्लाय कर सकते हैं। 6 अक्टूबर को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

कंपनी ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 113-119 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 126 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 119 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,994 इन्वेस्ट करने होंगे।

मैक्सिमम 1638 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं रिटेल निवेशक - जेएसडब्लू इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक मैक्सिमम 13 लॉट यानी 1638 शेयरों के लिए बिडिंग कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 194,922 खर्च करने होंगे।

ग्रुप की तीसरी कंपनी मार्केट में लिस्ट होगी - जेएसडब्लू इंफ्रास्ट्रक्चर, जेएसडब्लू ग्रुप की तीसरी कंपनी है जो शेयर बाजार में लिस्ट होगी। ग्रुप की अन्य लिस्टेड कंपनियों में जेएसडब्लू एनर्जी और जेएसडब्लू स्टील शामिल हैं।

अपडेटर सर्विसेज लिमिटेड - अपडेटर सर्विसेज लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए 640 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 400 करोड़ के फ्रेश शेयर इश्यू करेगी। जबकि 240 करोड़ के शेयर कंपनी के मौजूदा शेयर होल्डर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचेंगे। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 25 सितंबर से 27 सितंबर तक अप्लाय कर सकते हैं। 9 अक्टूबर को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। अपडेटर सर्विसेज लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 280-300 तय किया है।

न्यूज ब्रीफ

99,835 करोड़ गिरा एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप: रिलायंस की वैल्यू भी 71,715 करोड़ गिरी, टॉप-10 कंपनियों को टोटल 2.29 लाख करोड़ का लॉस

नई दिल्ली। पिछले हफ्ते मार्केट कैप के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 8 की वैल्यूएशन में 2,28,690 करोड़ की गिरावट आई है। इसमें एचडीएफसी बैंक सबसे बड़ा लूजर रहा है, जिसके मार्केट कैप में 99,835.27 करोड़ का नुकसान हुआ है। वहीं दूसरे नंबर पर रिलायंस इंडस्ट्रीज है, जिसकी मार्केट वैल्यू 71,715.6 करोड़ गिरी है। हालांकि, वैल्यूएशन के हिसाब से दोनों कंपनियां अभी भी टॉप-3 में हैं। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में भी बड़ी गिरावट देखी गई है। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और हिंदुस्तान यूनिलीवर इस लिस्ट में मुनाफा कमाने वाली कंपनियां रही हैं। इनके मार्केट कैप में 1024.53 करोड़ और 2913.49 करोड़ की बढ़ोतरी हुई है। पिछले हफ्ते सेंसेक्स में 1,829 अंक (करीब 2.7 प्रतिशत) और निफ्टी में 518 अंक (करीब 2.60 प्रतिशत) की गिरावट रही थी। इस दौरान टॉप-10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एयरटेल और इंफोसिस शामिल हैं।

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटस नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है। मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां। किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है। कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती है। इसलिए मार्केट कैप उस कंपनी की पब्लिक पर्सीवड वैल्यू होती है। मार्केट कैप के फॉर्मूले से साफ है कि कंपनी की जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके इसे निकाला जाता है। यानी अगर शेयर का भाव बढ़ेगा तो मार्केट कैप भी बढ़ेगा और शेयर का भाव घटेगा तो मार्केट कैप भी घटेगा।

रिफंड निपटाने आयकर विभाग ने की अपील

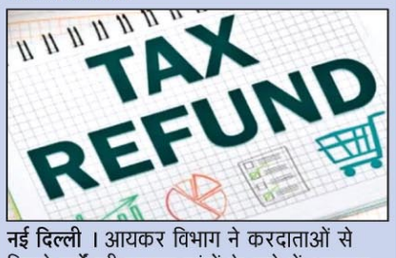

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने करदाताओं से पिछले वर्षों की बकाया मांगों के बारे में आयकर विभाग मिली सूचना का जवाब देने को कहा है ताकि वित्त वर्ष 2022-23 के लिए रिफंड का तेजी से निपटान किया जा सके। कुछ करदाताओं द्वारा सोशल मीडिया पर आयकर विभाग से पूर्व में की गई कर मांगों के बारे में सूचना मिलने के बीच विभाग ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह करदाताओं के अनुकूल कदम है, जहां करदाताओं को नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप अवसर प्रदान किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में अर्जित आय के लिए 7.09 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए हैं। इनमें से 6.96 करोड़ आईटीआर का सत्यापन किया जा चुका है, जिनमें से 6.46 करोड़ रिटर्न को प्रोसेस किया जा चुका है, जिसमें 2.75 करोड़ रिफंड रिटर्न शामिल हैं। विभाग ने कहा कि हालांकि कुछ मामले ऐसे हैं जिनमें करदाताओं का रिफंड बकाया है लेकिन पिछली मांगें बकाया हैं।

वित्त मंत्रालय को 6.5 फीसदी की वृद्धि दर का भरोसा

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मानसून की कमी के खतरों के

बावजूद देश चालू वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर प्राप्त कर सकता है। इसका प्रमुख कारण कंपनियों की लाभप्रदता, निजी पूंजी निर्माण और बैंक ऋण वृद्धि का बेहतर होना है। वित्त मंत्रालय की अगस्त महीने की मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर के पीछे मजबूत घरेलू मांग, खपत और निवेश मुख्य वजह थी।

पाकिस्तान में 39 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा के नीचे

वर्ल्ड बैंक बोला- पिछले साल से 5 प्रतिशत बढ़ी लोगों की रोजाना कमाई भारत के 300 रुपए से कम

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान में 9.5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे रह रहे हैं। कुल आबादी 24 करोड़ का यह 39.4 प्रतिशत है। इनकी दिनभर की कमाई 3.65 डॉलर यानी 1,048 पाकिस्तानी रुपए है। भारतीय करेंसी में यह 300 रुपए के बराबर है। वर्ल्ड बैंक ने कहा- 2022 में गरीबी 34.2 प्रतिशत थी, जो 5 प्रतिशत बढ़कर अब 39.4 प्रतिशत हो गई है। वर्ल्ड बैंक ने चेतावनी दी है कि एक साल में 1.25 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे आए हैं। इसके बाद बीपीएल आबादी 9.5 करोड़ हो गई है। हालात बिगड़ते जा रहे हैं। इसे रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने की जरूरत है। वर्ल्ड बैंक ने पाकिस्तान से कृषि और रियल एस्टेट पर टैक्स लगाने और फिजूलखर्ची में कटौती करने की बात कही है।

पाकिस्तान का आर्थिक मॉडल बेकार - एक खबर के मुताबिक, वर्ल्ड बैंक ने शुक्रवार को पाकिस्तान की अगली सरकार के लिए एक ड्राफ्ट पॉलिसी तैयार की। इसमें पाकिस्तान की आर्थिक हालात से जुड़ी जानकारी दी गई। वर्ल्ड बैंक के एक अधिकारी ने कहा- पाकिस्तान का इकोनॉमिक मॉडल गरीबी कम नहीं कर पा रहा। समकक्ष देशों से यहां लिविंग स्टैंडर्ड भी गिरता जा रहा है। वर्ल्ड बैंक ने उपाय बताया कि टैक्स-टू-जीडीपी रेशो में तुरंत 5 प्रतिशत की ग्रोथ और एक्सपेंडिचर्स यानी व्यय में जीडीपी के लगभग 2.7 प्रतिशत की कटौती की जानी चाहिए। इससे अस्थिर अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाया जा सकता है।

इसके अलावा वर्ल्ड बैंक ने सरकारी रेवेन्यू को बढ़ाने के लिए भी उपाय बताया

है। वर्ल्ड बैंक ने कहा कि रेवेन्यू-टू-जीडीपी रेशो में 5 प्रतिशत का सुधार करने के लिए टैक्स छूट को वापस लिया जा सकता है। इसके अलावा रियल एस्टेट और एग्रीकल्चर सेक्टर्स पर टैक्स को भी बढ़ाया जा सकता है।

महंगाई से बुरा हाल - पाकिस्तान में महंगाई से बुरा हाल है। यहां पेट्रोल के दाम 26.02 पाकिस्तानी रुपए बढ़कर 331.38 रुपए हो गए। वहीं हाई-स्पीड डीजल 17.34 रुपए बढ़कर 329.18 पाकिस्तानी रुपया हो गया। पिछले एक महीने में पेट्रोल-डीजल के रेट में करीब 58.43 और 55.83 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। दरअसल, अगस्त में इंफ्लेशन रेट में 27.4 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि हुई, जिसके बाद पेट्रोलियम की कीमतें बढ़ी हैं। आने वाले दिनों में सामान्य कीमतें भी बढ़ने के आसार हैं।

एक महीने में दूसरी बार पेट्रोल के दामों में इजाफा - पेट्रोल का ज्यादातर इस्तेमाल प्राइवेट ट्रांसपोर्ट, छोटे वाहनों के लिए किया जाता है। इसकी वजह से दाम बढ़ने का सीधा असर पाकिस्तान के मिडिल क्लास और लोअर क्लास लोगों पर पड़ेगा। वहीं, डीजल का इस्तेमाल ट्रांसपोर्ट में इस्तेमाल होने वाले वाहनों, ट्रेन, ट्रक, बस में होता है। इससे ट्रांसपोर्ट कोस्ट बढ़ने की वजह से दूसरे सामानों की कीमतें भी बढ़ेंगी। इसका खामियाजा भी मिडिल और लॉअर क्लास को उठाना पड़ेगा। 15 अगस्त के बाद दूसरी बार पाकिस्तान में पेट्रोल डीजल की कीमतें बढ़ाई गई। अगस्त में पाकिस्तान की महंगाई दर बढ़कर 27.4 प्रतिशत हो गई। 1 सितंबर को पेट्रोल और डीजल की कीमतें 14.91 रुपये और 18.44 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी और 15 दिनों के लिए प्रति लीटर पेट्रोल की कीमत 305.36 रुपये और एक लीटर डीजल की कीमत 311.84 रुपये तय की गई थी। यानी पेट्रोल के दामों में 15 दिनों में 26 रुपए की बढ़ोतरी हुई। पाकिस्तान में ब्याज दरों में भी लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपए में भी गिरावट दर्ज की गई है पिछले एक महीने में पाकिस्तानी रुपया डॉलर के मुकाबले 6.2 प्रतिशत गिरा है।

पाकिस्तान को बेचनी पड़ रही एयरलाइन - पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन के पास 20 हजार करोड़ से ज्यादा का कर्ज हो गया है, जो उसकी कुल संपत्ति से 5 गुना ज्यादा है। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस को लीज पर लिए गए 13 में से 5 विमानों की उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। 4 और विमानों के साथ भी ऐसा होने की संभावनाएं हैं। पीएलए को ठीक तरीके से चला पाने के लिए 23 बिलियन पाकिस्तानी रुपए यानी 636 करोड़ रुपए की तुरंत जरूरत है। इन सब के बीच पाकिस्तान की केयर टेकर सरकार पीएलए को जल्द से जल्द बेचने की तैयारियों में जुटी हुई है। काकड़ के नेतृत्व में की गई एक मीटिंग के दौरान कमिशन ने सुझाया कि एयरलाइन पर पैसे खर्च कर उसे तंगहाली से निकालने की बजाय उसका निजीकरण कर देना यानी उसे बेच देना बेहतर होगा। इसके लिए प्राइवेटाइजेशन मिनिस्टर की भी तैनाती की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक इस पर नियुक्ति पर इलेक्शन कमिशन ने आपत्ति जताई है। दरअसल, काकड़ ने पीएलए के नीजीकरण के लिए जिस फवाद हसन को मंत्री नियुक्त किया है वो शाहबाज सरकार में प्रिंसिपल सेक्रेटरी रह चुके हैं। पाकिस्तान चुनाव आयोग का कहना है कि इस पर किसी ऐसे व्यक्ति की नियुक्ति होनी चाहिए जो गैर राजनीतिक हो।

स्पाइस जेट छह महीनों तक हर माह 10 लाख डॉलर देकर चुकाएगी कर्ज

नई दिल्ली।
स्पाइस जेट अब छह महीने तक हर माह 10 लाख डॉलर कर्ज चुकाएगी। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने छह माह तक किश्त अदा करने के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार उच्चतम न्यायालय ने किफायती एयरलाइन स्पाइसजेट को आदेश दिया कि वह बकाया कर्ज जल्द चुकाने के लिए क्रेडिट सुइस एजी को छह महीनों तक हर महीने 10 लाख डॉलर का भुगतान करे।

एयरलाइन पहले से ही स्विट्जरलैंड की निवेश एवं वित्तीय सेवा कंपनी क्रेडिट सुइस को हर महीने पांच लाख डॉलर का भुगतान कर रही है। उच्चतम न्यायालय ने यह निर्देश बकाया कर्ज जल्द चुकाने के लिए मासिक किस्त की राशि बढ़ाने की अर्जी पर दिया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्ला की पीठ ने कहा कि स्पाइसजेट छह महीने बाद फिर से पांच लाख डॉलर की मासिक किस्त दे सकती है।

इस मामले पर अगली सुनवाई के लिए 20 अक्टूबर की तारीख मुकर्रर की गई। स्पाइसजेट ने एक बयान में कहा कि उच्चतम न्यायालय ने अगले छह महीनों में 30 लाख डॉलर का बकाया चुकाने के प्रस्ताव पर सहमति जताई है। हम इसके लिए न्यायालय के आभारी हैं और हम अनुपालन के उच्चतम मानक पर खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके पहले 11 सितंबर को उच्चतम न्यायालय ने स्पाइसजेट को आगाह करते हुए कहा था कि वह 15 सितंबर तक 15 लाख डॉलर का भुगतान क्रेडिट सुइस को करे। स्विस कंपनी के अनुसार, स्पाइसजेट ने विमान के इंजन, मॉड्यूल, उपकरणों और कल-पुर्जों के रखरखाव तथा मरम्मत आदि के लिए स्विट्जरलैंड के एसआर टेक्निक्स की सेवाओं का लाभ उठाया था। इन सेवाओं के लिए स्पाइसजेट और एसआर टेक्निक्स के बीच 24 नवंबर, 2011 को 10 साल के लिए समझौता हुआ था।

हिमाचल और मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों में पेट्रोल सस्ता, ब्रेंट क्रूड 93.27 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली।
वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 90.03 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है. वहीं ब्रेंट क्रूड 93.27 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश के विभिन्न राज्यों में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव दिख रहा है। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल 29 पैसे और डीजल 26 पैसे सस्ता हुआ है। मध्य प्रदेश में पेट्रोल की कीमत में 25 पैसे और डीजल में 22 पैसे की गिरावट है।

इसी तरह बिहार, पश्चिम बंगाल, पंजाब और राजस्थान में भी पेट्रोल और डीजल की कीमत कम हुई है। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में पेट्रोल और डीजल 27 पैसे महंगा

हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

विदेशी निवेशकों ने इस महीने अब तक शेयर बाजारों से निकाले 10,164 करोड़

नई दिल्ली ।
अमेरिका में ऊंची ब्याज दर, मंदी की आशंका और घरेलू शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन की वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर के पहले तीन सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों से 10,000 करोड़ रुपए से ज्यादा निकाले हैं। इससे पहले एफपीआई मार्च से अगस्त तक लगातार छह माह भारतीय शेयरों में शुद्ध लिवाल रहे थे। इस दौरान उन्होंने 1.74 लाख करोड़ रुपए के शेयर खरीदे थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि चूंकि मूल्यांकन अब भी ऊंचा है और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल (10 साल के लिए 4.49 प्रतिशत) आकर्षक बना हुआ है, ऐसे में एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक इस महीने अब तक 15 कारोबारी दिवस में से 11 में शुद्ध बिकवाल रहे हैं और उन्होंने शेयरों से 10,164 करोड़ रुपए निकाले हैं। इससे पहले अगस्त में शेयरों में एफपीआई का प्रवाह चार माह के निचले स्तर 12,262 करोड़ रुपए पर आ गया था। पिछले कुछ सप्ताह से एफपीआई के निवेश का प्रवाह सुस्त है। उनकी इस हिचकिचाहट के पीछे मुख्य वजह मुद्रास्फीति को लेकर चिंता और विशेषरूप से अमेरिका में ब्याज दर परिदृश्य तथा वैश्विक आर्थिक वृद्धि को लेकर अनिश्चितता है। आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 295

करोड़ रुपए डाले हैं। इस तरह चालू कैलेंडर साल में अब तक शेयरों में एफपीआई का निवेश 1.25 लाख करोड़ रुपए रहा है। वहीं बॉन्ड बाजार में उन्होंने 28,476 करोड़ रुपए से ज्यादा निवेश किया है।

अकासा एयर मामले में डीजीसीए का हस्तक्षेप से इनकार

कहा- उसके पास इसकी पावर नहीं, 43 पायलटों के इस्तीफे से संकट में एयरलाइन

नई दिल्ली।
एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए ने अकासा एयर के 43 पायलटों के अचानक नौकरी छोड़ने के मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। डीजीसीए ने कहा कि उसके पास किसी भी रोजगार अनुबंध में हस्तक्षेप करने की कोई शक्ति नहीं है। अकासा एयर ने डीजीसीए पर इस विवाद में कोई एक्शन नहीं लेने का आरोप लगाया था, जिसके बाद डीजीसीए का यह जवाब आया है।

पायलटों के बिना नोटिस दिए एयरलाइन छोड़ने पर अकासा ने हाई कोर्ट का रुख किया है। अकासा ने एक लीगल फाइलिंग में कहा था कि डीजीसीए के हस्तक्षेप न करने से एयरलाइन को

वित्तीय नुकसान के साथ ऑपरेशन जारी रखने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। अकासा एयर में फर्स्ट ऑफिसर्स के लिए नोटिस पीरियड 6 महीने और कैप्टन के लिए 1 साल है।

महीने में 3,500 उड़ाने ऑपरेट करता है अकासा

एयरलाइन के अनुसार, पायलटों के इस्तीफे के कारण उन्हें अगस्त में 18 प्रतिशत यानी 630 से ज्यादा उड़ाने कैंसिल करनी पड़ीं। अकासा एक दिन में 120 उड़ाने ऑपरेट करती है। यानी महीने में 3,500 उड़ाने ऑपरेट करता है।

अकासा की उड़ाने कैंसिल करने की संख्या निराधार

इस बीच, फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स ने कहा कि अकासा एयर की उड़ाने कैंसिल करने की संख्या निराधार है। डीजीसीए इस विवाद में हस्तक्षेप नहीं कर सकता है। इसमें यह भी कहा गया कि सामूहिक इस्तीफे कर्मचारी असंतोष का संकेत हैं।

पायलटों से 22 करोड़ का मुआवजा मांग रही एयरलाइन

एयरलाइन उन पायलटों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग कर रही है जो अनुबंध संबंधी नोटिस अवधि पूरी किए बिना चले गए हैं। इसके साथ ही उड़ानें कैंसिल होने के कारण हुए रेवेन्यू के नुकसान के लिए मुआवजे के रूप में लगभग 22 करोड़ रुपए की मांग कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए अकासा को हरी झंडी

उधर, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए अकासा को हरी झंडी दे दी गई है, लेकिन उसे उन देशों से अप्रूवल्स का इंतजार है, जिन देशों में वह फ्लाइट ऑपरेट करना चाहती है। अभी एयरलाइन डोमेस्टिक रूट्स पर ही ऑपरेट होती है।

अंतर्राष्ट्रीय रूट पर फ्लाइट ऑपरेशन ज्यादा प्रॉफिटेबल

कॉम्पिटिशन कम होने के कारण अंतर्राष्ट्रीय मार्गों को अक्सर ज्यादा प्रॉफिटेबल माना जाता है। पहले, भारत में किसी भी एयरलाइन को अगर इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू करना है तो उसके पास बेड़े में 20 विमान और 5 साल का एक्सपीरियंस होना कंपलसरी था। हालांकि, साल 2016 में भारत की सिविल एविएशन पॉलिसी में बदलाव किया गया और 5 साल के एक्सपीरियंस वाले नियम को हटा दिया गया।

द ग्रेट इंडियन फैमिली के लिए उत्साहित है विक्की

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर विक्की कौशल अपनी आने वाली फिल्म द ग्रेट इंडियन फैमिली के लिए बेहद उत्साहित हैं, जो यशराज बैनर के साथ उनकी पहली फिल्म है। विक्की ने अपनी और पत्नी कैटरीना की पसंदीदा फिल्मों के बारे में बात की। कैटरीना ने यशराज के लिए कई फिल्में की हैं और उनके साथ विक्की की यह पहली फिल्म है। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने इस फिल्म को साइन करने से पहले उनके साथ इस पर चर्चा की थी, अभिनेता ने कहा, हां, यह चर्चा हमेशा हर फिल्म के लिए होती है, चाहे वह किसी भी स्टूडियो से जुड़ी हो।एक-दूसरे के पसंदीदा काम के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, वह मुझे उरी जैसी कठिन भूमिकाओं में पसंद करती हैं। मुझे फिल्म जीरो में वह पसंद आईं। वह उसमें शानदार थीं। फिल्म द ग्रेट इंडियन फैमिली में अपने किरदार भजन कुमार के बारे में बात करते हुए विक्की ने कहा, भजन कुमार एक बहुत ही ईमानदार व्यक्ति है। उनमें छोटे शहर की सादगी है। उनके बारे में सबसे खास बात यह है कि उसे अपने शहर का रॉकस्टार बनना पसंद है। द ग्रेट इंडियन फैमिली विजय कृष्ण आचार्य द्वारा लिखित और निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म है। इसका निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है। फिल्म में विक्की, मानुषी छिल्लर, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा, सादिया सिद्दीकी, अलका अमीन, भुवन अरोड़ा हैं। बता दें कि अब तक विभिन्न भूमिकाओं के साथ अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय देने वाले अभिनेता विक्की कौशल फिल्म में एक छोटे शहर के धार्मिक हिंदू व्यक्ति की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

निराशा भरे दौर में गंगूबाई काठियावाड़ी बनी आशा

-बालीवुड उदयोग में नई जान फूंकने में रही कामयाब

मुंबई (ईएमएस) । दशकों के अपने करियर के साथ खुद को हिंदी सिनेमा के सच्चे दूरदर्शी के रूप में मजबूती से स्थापित करने में संजय लीला भंसाली कामयाब रहे हैं। उनकी मॉडर्न डे क्लासिक, गंगूबाई काठियावाड़ी इसका एक और रूप है। कोविड-19 महामारी के चलते हिंदी फिल्म उद्योग अनिश्चितता और भारी चुनौतियों से जूझ रहा था। थिएटर बंद हो गए, प्रोडक्शन रुक गया और फिल्म इंडस्ट्री जो कभी लाखों लोगों के लिए खुशी और मनोरंजन का सोर्स थी, उसे अपने सबसे बुरे समय का सामना करना पड़ा। इस निराशा भरे दौर में गंगूबाई काठियावाड़ी आशा की चमकती किरण बनकर उभरी। जी हां संजय लीला भंसाली की गंगूबाई काठियावाड़ी महज एक फिल्म नहीं थी, यह एक पुनरुत्थान था, जिसने एक ऐसे उद्योग में नई जान फूंक दी जो हांफ रहा था और आज हम गदर 2 और जवान जैसी फिल्मों के साथ कई सफलता की कहानियां देख रहे हैं। गंगूबाई काठियावाड़ी ने हिंदी सिनेमा के रिवाइवल को चिह्नित किया और साबित कर दिया कि स्टोरीटेलिंग, अगर जुनून और सटीकता के साथ की जाए, तो किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है। सिनेमाघरों के केवल 50 प्रतिशत क्षमता पर चलने के बावजूद, फिल्म ने सभी मुश्किलों को पार करते हुए अच्छी कमाई की और एक ब्लॉकबस्टर के रूप में शुरूआत की। दर्शक सिनेमाघरों में उमड़ पड़े और उस जादू को देखने के लिए उत्सुक थे जो केवल एक भंसाली फिल्म ही ला सकती है। वैसे ऐसी इंडस्ट्री जहां मेल-सेंट्रिक फिल्में ही डॉमिनेट करती हो, वहां अपनी फिल्म को गंगूबाई के इर्द-गिर्द केंद्रित करने का फिल्म मेकर भंसाली का फैसला ताजा था। इसने एक दमदार संदेश दिया कि महिलाएं न केवल एक फिल्म को आगे बढ़ा सकती हैं बल्कि उसे सफलता की नई ऊंचाइयों तक भी पहुंचा सकती हैं। ऐसे में गंगूबाई काठियावाड़ी की खूब तारीफे हुईं और इसे फिल्मफेयर पुरस्कारों में सबसे अधिक नॉमिनेशन्स हासिल हुए। फिल्म ने न केवल संजय लीला भंसाली को सातवां राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया, बल्कि 6 प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीते, जो इसकी कलात्मक प्रतिभा का सबूत है। आउटस्टैंडिंग सेट डिजाइन से लेकर सावधानीपूर्वक तैयार की गई कॉस्ट्यूम्स तक, फिल्म का हर फ्रेम कला का एक नमूना था, जो परफेक्शन के लिए संजय लीला भंसाली के जुनून और विस्तार पर उनके दृढ़ ध्यान को प्रदर्शित करता था। भारतीय संस्कृति को संरक्षित करने और उसका जश्न मनाने के प्रति भंसाली का समर्पण उनकी फिल्मों के हर पहलू में झलकता है जिसमें सेट की भव्यता से लेकर उनके गानों की आकर्षक धुन तक सब शामिल है। उनका काम एक ब्रिज के रूप में काम करता है, जो पारंपरिक भारतीय मूल्यों को वैश्विक दर्शकों के साथ जोड़ता है, इस तरह अंतरराष्ट्रीय मंच पर हिंदी सिनेमा के लिए एक पथप्रदर्शक के रूप में उनकी स्थिति मजबूत होती है। कह सकते है, राज कपूर, के आसिफ, मेहबूब खान, वी शांताराम, गुरु दत्त और कमाल अमरोही जैसे दिग्गज भारतीय फिल्म निमार्ताओं के बीच, संजय लीला भंसाली ने अपने लिए एक जगह बनाई हैं। उन्होंने महान भारतीय फिल्म निर्माण की विरासत को सबसे शानदार तरीके से जारी रखा है और ऐसी फिल्में बनाई हैं जो आने वाली पीढ़ियों के लिए सेलिब्रेशन हैं। गंगूबाई काठियावाड़ी ने हिंदी फिल्म उद्योग में और अधिक सफलताओं के लिए मंच तैयार किया। बता दें कि अगर सिनेमा ने हमें कुछ सिखाया है तो वह यह है कि बदलाव के साथ कैसे दर्शकों की पसंद भी बदल जाती है। हालांकि इस बीच एक संजय लीला भंसाली लगातार अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहा है।

जाने जान शानदार कास्टिंग के कारण चर्चा में

-फिल्म के निर्देशक है सुजॉय घोष

मुंबई (ईएमएस) । बालीवुड फिल्म निर्देशक सुजॉय घोष अपनी अपकमिंग फिल्म जाने जान अपनी शानदार कास्टिंग के कारण चर्चा में है। सुजॉय घोष को मानना है कि जब आपको इस तरह की कास्ट मिलती है, तो आपकी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। फिल्म के ट्रेलर ने ऊंचे मानक स्थापित कर दिए हैं। इस फिल्म में करीना कपूर, जयदीप अहलावत और विजय वर्मा शामिल हैं। कहानी, बदला जैसी थ्रिलर देने वाले सुजॉय ने फिल्म के कलाकारों के बारे में बात की। फिल्म की कास्टिंग प्रक्रिया के बारे में बात करते हुए निर्देशक ने कहा, कास्टिंग के लिए किताब से ही काफी मदद मिली। नरेन एक ऐसा किरदार है जो भारी कद काठी का है, जो मार्शल आर्ट जानता है और गणित में रुचि रखता है। उन्होंने अपने जीवन में अपना ख्याल नहीं रखा है। सुजॉय ने कहा, इंस्पेक्टर करण के किरदार के लिए मैं किसी ऐसे व्यक्ति को चाहता था जो सुपर कूल और आकर्षक हो।

यहीं पर विजय आए। उन्होंने कहा, लेकिन जब आपको इस तरह के कलाकार मिलते हैं, तो एक निर्देशक के रूप में आपकी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। जाने जान सुजॉय द्वारा लिखित और निर्देशित एक मर्डर थ्रिलर है। यह फिल्म कीगो हिगाशिनो के 2005 के जापानी उपन्यास द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स का रूपांतरण है। इसमें जयदीप अहलावत और विजय वर्मा के साथ करीना एक हत्या में शामिल सिंगल मदर की भूमिका में हैं। माया की भूमिका के लिए मैं वास्तव में किसी ऐसी अभिनेत्री को चाहता था जो वास्तव में एक महान अभिनेत्री हो, जो माया को एक अलग स्तर पर ले जाए। वहां मुझे करीना मिली।

टाइगर नागेश्वर राव के दूसरे गाने को लेकर एक्साइटेड फैंस

टाइगर नागेश्वर राव के मेकर्स ने एक दमदार ट्रेक रिलीज किया है। फिल्म के दूसरे गाने को लेकर भी फैंस काफी एक्साइटेड नजर आ रहें हैं। मयंक सिंघानिया और अर्चना अग्रवाल द्वारा सह-निर्मित, रवि तेजा अभिनीत यह पैन-इंडियन फिल्म 20 अक्टूबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। भीडू एक डॉन किस्म के लड़के पर बना गाना है। गाना काफी एनर्जेटिक है जिसकी धुन आपको थिरकने पर मजबूर कर देंगी। सुगंध शेखर द्वारा गाए गए इस गाने के बोल प्रशांत इंगोले ने लिखे हैं और संगीत जी.वी. प्रकाश कुमार द्वारा निर्देशित है। टाइगर नागेश्वर राव 70 के दशक की सच्ची अफवाहों पर आधारित फिल्म है। फिल्म में रवि तेजा को स्टुअर्टपुरम के साहसी चोर के रूप में दिखाया गया है। साथ ही अनुपम खेर, नूपुर सनन, गायत्री भारद्वाज और मुरली शरम भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

एल्विश यादव के जवाब से चकित शहनाज

बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 के विनर रहे एल्विश यादव को बिग बॉस से काफी पॉपुलैरिटी मिली है। बिग बॉस की ट्रॉफी जीतने के साथ ही उन्होंने 25 लाख का चेक मिला था। हाल ही में एल्विश ने शहनाज गिल के शो देसी वाइब्स खुलासा किया कि उन्हें सलमान खान के शो वालों ने प्राइज मनी वाले 25 लाख रुपये नहीं दिए हैं। एक्टर की ये बात सुन शहनाज काफी हैरान रह गईं। आगे फिर शहनाज गिल यूट्यूबर की कई मोबाइल फोन रखने पर कहती हैं कि आप इतने सारे फोन रखते हैं तो अब अपना चौथा फोन कब खरीद रहे हैं। इस सवाल पर एल्विश यादव ने मजाक ही मजाक में बताया कि मेकर्स ने उन्हें अभी तक पैसे नहीं दिए हैं। वो कहते हैं-मैं अपना चौथा फोन तब खरीदूंगा जब बिग बॉस ओटीटी 2 की प्राइज मनी वाले 25 लाख रुपये मिल जाएंगे।

एलेसेंड्रा ने दिखाया बोल्ड लुक, फैंस भर रहे आहे

बीते दिनों एक्ट्रेस एलेसेंड्रा एम्ब्रोसियो को मिलान फैशन वीक में जीसीडीएस शो स्पॉट किया गया। इस दौरान एलेसेंड्रा ने अपने बोल्ड लुक से साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है। एक्ट्रेस अपने लुक से खूब लाइमलाइट बटोरती दिखीं। अब उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान 42 वर्षीय मॉडल स्लिवर कलर की शॉर्ट सेक्विन ड्रेस में नजर आईं। ड्रेस में एक्ट्रेस के क्लीवेज साफ नजर आए। वहीं इसके साथ उन्होंने ब्लैक थाई बूटस पहने और अपनी टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट करती दिखीं। इस दौरान एलेसेंड्रा का ओवरऑल लुक देखते ही बना। अपने लुक से फैंस को इम्प्रेस करते हुए एक्ट्रेस ने कैमरे के सामने जबरदस्त पोज दिए।

आदि शंकराचार्य पर आधारित बनेगी फिल्म शंकर

मप्र के ओंकारेश्वर में प्रसिद्ध भारतीय वैदिक विद्वान, दार्शनिक और शिक्षक, आदि शंकराचार्य को श्रद्धांजलि देने वाली एक विस्मयकारी 108 फुट की प्रतिमा - आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास ने आदि शंकराचार्य के जीवन और ज्ञान को स्क्रीन पर लाने के लिए आशुतोष गोवारिकर के साथ अपने सहयोगात्मक प्रयास की गर्व से घोषणा की। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री, शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ह्लआदि शंकराचार्य की शिक्षाओं, उनकी बौद्धिक शक्ति और सनातन धर्म के विविध पहलुओं को एकजुट करने के उनके अथक प्रयासों के गहन प्रभाव का पता लगाने का बिल्कुल सही समय है और मुझे बेहद खुशी है कि हम इसके लिए फिल्म निमार्ता आशुतोष गोवारिकर के साथ सहयोग कर रहे हैं। परियोजना के संदर्भ में, आशुतोष गोवारिकर ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा, आदि शंकराचार्य भारतीय इतिहास में एक उल्लेखनीय व्यक्ति थे, और उनकी शिक्षाएं दुनिया भर के लोगों के साथ गूंजती रहती हैं।

स्क्रीन पर दिखेगा कंगना रनौत का हॉरर अवतार, 'चंद्रमुखी-2' का हिंदी ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड क्वीन कंगना रनौत जल्द ही एक नया धमाका लेकर दर्शकों के सामने आएंगी। अपनी दमदार परफॉर्मेंस से दर्शकों को हैरान कर देते हैं। फैंस उनके हर लुक पर फिदा हैं। अब एक बार फिर एक्ट्रेस फिल्म चंद्रमुखी-2 के जरिए धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे उनके फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। अब इस फिल्म का हिंदी ट्रेलर रिलीज हो गया है। चंद्रमुखी-2 के हिंदी ट्रेलर में एक शख्स एक परिवार को 17 साल पहले की चंद्रमुखी की कहानी सुनाता नजर आ रहा है। इस ट्रेलर में कंगना रनौत की सिर्फ एक झलक दिखाई गई है। इसके बाद नाटक की शुरूआत राघव लॉरेंस की एंट्री से होती है। राघव इस परिवार को चंद्रमुखी के चंगुल से बचाएगा। इस ट्रेलर में कंगना राजा वेत्तायन के दरबार में नर्तकी के रूप में नजर आ रही हैं। चंद्रमुखी-2 में अपने किरदार के लिए कंगना रनौत ने काफी मेहनत की है। इसके लिए कंगना ने इंडियन क्लासिकल डांस की ट्रेनिंग भी ली है।

ट्रेलर देखने के बाद अब फैंस फिल्म के लिए उत्सुक हैं। चंद्रमुखी-2 का हिंदी ट्रेलर लॉन्च होते ही फैंस ने इस पर रिएक्शन देना भी शुरू कर दिया। इस वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि, "राघव जिस हॉरर फिल्म में हैं, वह फिल्म बेहतरीन है। इसके अलावा, कंगना का बेहतरीन कॉम्बिनेशन हिट होना तय है।" दूसरे ने लिखा, "यह ट्रेलर बहुत शानदार है, फिल्म का इंतजार नहीं कर सकते।" कंगना रनौत पहली बार बड़े पर्दे पर इतने डरावने रोल में नजर आएंगी। कंगना रनौत की हॉरर फिल्म चंद्रमुखी-2 28 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में कंगना को एक अलग अवतार में देखने के लिए हर कोई उत्सुक है। इसके साथ ही कंगना रनौत की फिल्म फुकरे-3 28 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अब देखना दिलचस्प होगा कि किस फिल्म को दर्शकों का कैसा रिस्पॉन्स मिलता है।

इंतजार हुआ खत्म, 15 अक्टूबर से शुरू होगा 'बिग बॉस सीजन-17'

बिग बॉस ओटीटी के दूसरे सीजन के खत्म होने के बाद से ही सभी दर्शक बिग बॉस सीजन-17 देख रहे हैं। छोटे पर्दे के विवादित रियलिटी शो बिग बॉस सीजन-17 का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आखिरकार बिग बॉस सीजन-17' शुरू होने का समय आ गया है। हाल ही में कलर्स टीवी ने इस संबंध में तीन नए प्रोमो जारी किए और घोषणा की कि इस साल सीजन कब शुरू होगा। "कलर्स टीवी" द्वारा जारी किए गए बिग बॉस सीजन-17 के तीनों नए प्रोमो में होस्ट सलमान खान अलग-अलग लुक में नजर आ रहे हैं। एक प्रोमो में उन्हें बम डिटेक्टर के रूप में दिखाया गया है, जबकि दूसरे प्रोमो में उन्हें जासूस के रूप में दिखाया गया है। साथ ही तीसरे प्रोमो में वह एक कव्वाली सिंगर के तौर पर नजर आ रहे हैं। ऐसे ही तीन दमदार प्रोमो के जरिए सलमान खान ने बिग बॉस सीजन-17 के शुरू होने की तारीख का ऐलान कर दिया है।

बहुचर्चित और बहुप्रतीक्षित बिग बॉस सीजन-17 15 अक्टूबर से सोमवार से शुक्रवार रात 10 बजे प्रसारित किया जाएगा। इसका प्रसारण शनिवार और रविवार को रात 9 बजे किया जाएगा। साथ ही ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर 24 घंटे लाइव देखा जा सकेगा। इस बीच अभी तक इस बात का ऐलान नहीं हुआ है कि बिग बॉस सीजन-17 में कौन प्रतियोगी होगा। लेकिन फिलहाल कुछ नामों को लेकर चर्चा जोरों पर है। बिग बॉस सीजन-17 में एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे, ईशा मालविया, अरिजीत तनेजा, ऐश्वर्या शर्मा और अरमान मलिका जैसे कई सितारों के नजर आने की उम्मीद है।

सूडोकु नवताल- 6563

मध्यम

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6562 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्दजाल- 7310

या	ज	गा	र	ग	ब	ज	क	प	ल	क	
दें	वा	ज	क	या	ज	का	मौ	स	ज	ड़	
क	ह	या	य	र्म	छ	स	या	ता	य	क	
क	र	ल	र	दे	वी	स	न	ल	श	क	
ज	इ	ल	म	सं	व	ज	श	र	ला	ल	
क	ज	दा	ई	र	ब	ज	फ	लो	श	ज	
क	ज	चे	दा	ई	क	स	री	ग	प	न	
द	र	मी	प	व	ज	ना	र्द	न	ज	स	
क	ज	ल	ज	न	व	री	ऐ	ना	प	ह	
क	मी	ल	प	द	या	स	मा	ज	स	यो	
का	न	चे	न्न	ई	क	ज	री	ग	प	ग	

शब्द जाल में 'ज' से शुरु होनेवाले 10 शब्दों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

जवाहर, जयदेव, जनता, जय, जनार्दन, जनवरी, जनसहयोग, जमाना, जमीदार, जमीन.

शब्दजाल - 7309 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6263

	3	2	5	4		7
1	31		35		29	
5		4	7		2	6
	31		37	3	29	
	1		7			4
4	23	5	33	2	36	1
				7	6	5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6262 का हल

6	5	2	3	7	4	1
1	29	7	33	6	39	6
3	4	1	5	2	6	7
4	23	5	27	1	34	2
2	1	3	6	4	7	5
5	29	6	37	3	33	4
7	1	4	6	5	2	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूजीलैंड ने 15 साल बाद बांग्लादेश को घर में हराया : दूसरा वनडे 86 रन से जीता, ईश सोढी ने झटके 6 विकेट ; सीरीज में 1-0 से आगे

ढाका ।

न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में 86 रन से हरा दिया। 39 रन देकर 6 विकेट लेने वाले लेग स्पिनर ईश सोढी प्लेयर ऑफ द मैच रहे। सोढी ने पहली पारी में 35 रन भी बनाए थे। वहीं बांग्लादेश से कोई भी प्लेयर फिफ्टी नहीं लगा सका। ढाका में जीत के साथ न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश में अपनी लगातार हार का सिलसिला तोड़ा। टीम को बांग्लादेश में बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी वनडे जीत 2008 में मिली थी। इसके बाद टीम ने लगातार 7 मैच गंवाए और अब जाकर उन्हें जीत मिली है। दूसरे वनडे में जीत के साथ न्यूजीलैंड ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। पहला वनडे बारिश के कारण बेनतीजा रहा था। वहीं तीसरा वनडे 26 सितंबर को ढाका में ही खेला जाएगा।

36 रन पर गंवाए 3 विकेट - ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने 36 रन पर ही अपने 3 विकेट गंवा दिए। फिन एलेन 12, विल यंग 0 और चड बॉक्स 14 रन बनाकर आउट हो गए।

निकोल्स-ब्लंडेल ने संभाला - शुरुआती विकेट जल्दी गंवाने के बाद हेनरी निकोल्स और टॉम ब्लंडेल ने न्यूजीलैंड की पारी संभाली। दोनों ने 95 रन की पार्टनरशिप की और टीम को शुरुआती झटकों से उबारा। निकोल्स 49 रन बनाकर खालेद अहमद का शिकार हुए और दोनों के बीच पार्टनरशिप टूटी। निकोल्स के बाद रचिन रवींद्र भी 10 रन बनाकर आउट हो गए।

ब्लंडेल ने 68 रन बनाए - ढाका की धीमी पिच पर विकेटकीपर ब्लंडेल ने एक छोर संभाले रखा और फिफ्टी बनाई। वह 68 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद लोअर ऑर्डर बैटर्स ने टीम का स्कोर 250 के पार पहुंचाया। कोल मैकोन्ची ने 20, ईश सोढी ने 35, काइल जेमिसन ने 20 और कप्तान लॉकी फर्ग्यूसन ने 13 रन बनाए। ट्रेंट बोल्ट 1 रन के स्कोर पर नॉटआउट रहे। टीम ने 49.2 ओवर में 10 विकेट गंवाकर 254 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से खालेद अहमद और मेहदी हसन ने 3-3 विकेट लिए। मुस्ताफिजुर रहमान को 2 विकेट मिले, वहीं हसन महमूद और नसुम अहमद को 1-1 विकेट मिला।

बांग्लादेश ने छठे ओवर में कप्तान का विकेट गंवाया - 255 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश टीम की शुरुआत भी खराब रही। टीम ने छठे ओवर की आखिरी गेंद पर कप्तान लिट्टन दास का विकेट गंवा दिया। लिट्टन 6 ही रन बना सके। लिट्टन के बाद ओपनर तमिम इकबाल ने एक एंड संभाले रखा। लेकिन उनके सामने तंजीद हसन 16, सौम्या सरकार 0 और तौहीद हृदॉय 4 रन बनाकर सस्ते में पवेलियन लौट गए।

महमूदुल्लाह ने 49 रन बनाकर टीम को संभाला - बांग्लादेश ने 70 रन के स्कोर पर ही 4 विकेट गंवा दिए। तमीम इकबाल भी 44 रन बनाकर ईश सोढी का शिकार हो गए।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय मुक्केबाजों की नजर पदक के साथ ओलंपिक कोटे पर; निकहत, लवलीना, शिव से शानदार प्रदर्शन की आस

हांगझोऊ । भारतीय मुक्केबाज यहां एशियाई खेलों में पदक जीतने के साथ अगले साल होने वाले पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने के इरादे से रविवार को रिंग में उतरेंगे। पिछले 2018 एशियाई खेलों में भारत ने दो पदक जीते थे और वह इस संख्या को बढ़ाना चाहेंगे। भारतीय महिला मुक्केबाज दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन स्वर्ण पदक और ओलंपिक कोटा हासिल करने की सबसे बड़ी दावेदार हैं। वहीं, पुरुषों में विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता मुक्केबाज शिव थापा, दीपक भोरिया और निशांत देव पदक के साथ देश को ओलंपिक कोटा दिलाने की कोशिश करेंगे। महाद्वीप से मुक्केबाजों के लिए एशियाई खेल ओलंपिक कोटा हासिल करने का पहला क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है। 13 वजन भार वर्ग में कुल 34 कोटा दाव पर लगे होंगे। एशियाई खेलों में सात पुरुष औ छह महिला वजन वर्ग हैं। महिला वर्ग में 50 किग्रा, 54 किग्रा, 57 किग्रा और 60 किग्रा में सेमीफाइनलिस्ट जबकि 66 किग्रा और 75 किग्रा के फाइनलिस्ट पेरिस के लिए क्वालिफाई करेंगे। वहीं, पुरुष वर्ग के सभी वजन वर्गों में स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को कोटा मिलेगा। महिला वर्ग में पिछले चरण में महिला मुक्केबाज एक भी पदक नहीं जीत सकी थी, लेकिन अब 2018 की तुलना में वजन वर्ग दोगुने हो गए हैं। जरीन को कठिन ड्रॉ मिला है जिसमें वह अपने अभियान की शुरुआत दो बार की एशियाई चैंपियन एनगुयेन थि ताम के खिलाफ करेंगी जो विश्व चैंपियनशिप के फाइनल का दोहराव होगा। वह सेमीफाइनल में दो बार की विश्व कांस्य पदक विजेता चुथामत रकसत से भिड़ सकती हैं। वहीं, लवलीना को पहले दौर में बाई मिली है जिससे वह पदक से महज एक मुकाबला दूर होंगी। वह क्वार्टर फाइनल में कोरिया की सियोंग सुयियोन से भिड़ेंगी। जैसमीन को भी पहले दौर में बाई मिली है और वह सऊदी अरब की अशोर एचजीएस के सामने होंगी। शिव को आासन ड्रॉ मिला है, जिससे उन्हें फाइनल में पहुंचना चाहिए।

टीम में चयन नहीं होने पर निराशा नहीं होना चाहिएः शमी

नई दिल्ली । भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का मानना है कि किसी भी खिलाड़ी को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिलने पर हताश नहीं होना चाहिए और उन खिलाड़ियों का समर्थन करना चाहिए, जिन्हें टीम में जगह मिली है। शमी से पूछा गया कि उन्हें वनडे क्रिकेट में कम मौके मिल रहे हैं तब उन्होंने कहा,''जब मैं नियमित तौर पर क्यों खेल रहा था, तब किसी ने किसी को बाहर बैठना पड़ा होगा और उसके लिए मैं दोषी नहीं था। इसकारण यदि आपको टीम में जगह नहीं मिलती, तब हताश नहीं होना चाहिए क्योंकि टीम जीत रही है। भारतीय टीम प्रबंधन ने संकेत दिए हैं कि आगामी विश्व कप के दौरान जब वह अपनी सबसे मजबूत टीम के साथ खेलेगा, तब जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज उसके दो प्रमुख तेज गेंदबाज हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में 51 रन देकर पांच विकेट लेने वाले शमी ने हालांकि कहा कि जब आप बहुत अधिक मैच खेल रहे होते हैं, तब फिर 'रोटेशन' बुरी चीज नहीं होती। शमी ने भारत की जीत के बाद कहा,''यह टीम की रणनीति है और इस पर कायम रहना महत्वपूर्ण है। आप हमेशा अंतिम एकादश में जगह नहीं बना सकते हैं तथा काफी कुछ टीम के संयोजन पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, अगर आप अच्छा खेल रहे हैं और अगर आपको अंतिम एकादश में जगह नहीं मिलती है, तब आपको उन खिलाड़ियों का समर्थन करना चाहिए जो खेल रहे हैं। मेरा मानना है कि हताश होने का कोई मतलब नहीं है तथा टीम मुझे जो भी भूमिका सौंपती है मैं उसको निभाने के लिए तैयार रहता हूं। शमी से पूछा गया कि क्या वे रोटेशन नीति का समर्थन करते हैं, उन्होंने कहा, आप जो जानने की कोशिश कर रहे हैं वह मेरी समझ से परे है लेकिन निश्चित तौर पर जब आप टीम का गठन करते हैं, तब कोच की भूमिका परिस्थितियों को देखकर खिलाड़ियों को रोटेट करने की होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्व कप जैसी बड़ी प्रतियोगिता से पहले रोटेशन की नीति को अपनाना सही है। शमी ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद विश्राम लिया था और उन्होंने दो टेस्ट और तीन वनडे के लिए वेस्टइंडीज का दौरा नहीं किया था। उन्होंने कहा,''विश्राम लेना महत्वपूर्ण था क्योंकि मैं सात आठ महीने से लगातार खेल रहा था। मुझे लग रहा था कि विश्राम लेना चाहिए। मैंने कोच और कप्तान से बात करके विश्राम लेने का फैसला किया।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशियाड के फाइनल में

बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया, पाक श्रीलंका के विजेता से सामना होगा

नई दिल्ली ।

भारतीय महिला टीम ने 19वें एशियन गेम्स के विमेंस क्रिकेट के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम इंडिया ने रविवार को पहले सेमीफाइनल मुकाबले में बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया। इस जीत से भारत का क्रिकेट में एक मेडल पक्का हो गया है। गोल्ड मेडल मैच भारतीय टीम का मुकाबला सोमवार को दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा। दूसरा सेमीफाइनल पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच इसी मैदान पर खेला जाएगा। चीन के होंगजोऊ शहर में बांग्लादेशी टीम टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 51 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में भारतीय टीम ने 8.2 ओवर में दो विकेट पर टारगेट अचीव कर लिया।

पूजा वस्त्राकर ने झटके 4 विकेट - तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर ने अपने कोटे के चार ओवर में 17 रन देकर चार विकेट हासिल किए। पूजा ने एस रानी, शमीमा सुल्ताना, एस मोस्तारी और रितू मेनी को पवेलियन की राह दिखाई। पूजा की गेंदबाजी की बदौलत भारतीय गेंदबाजों ने बांग्लादेश को 51 रनों पर समेट दिया।

रोड्रिग्ज ने बनाए सबसे ज्यादा 20 रन - 52 रनों का टारगेट चेज करने उतरी भारतीय टीम को कप्तान स्मृति मंधाना (7 रन) और शेफाली वर्मा (20 रन) ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने 19 रन जोड़ी। बाकी का काम जेमिमा रोड्रिग्ज ने 20 रनों की पारी खेलकर कर दिया।

ऐसे गिरे भारतीय टीम के विकेट

पहला: स्मृति मंधाना - 7 रन: चौथे ओवर की 5वीं बॉल पर मुरुफा अख्तर ने शमीमा सुल्ताना के हाथों कैच कराया। दूसरा : शेफाली वर्मा - 17 : आठवें ओवर की दूसरी बॉल पर फातिमा खातून ने बोल्ड कर दिया।

बांग्लादेश का भारत के खिलाफ सबसे छोटा स्कोर - टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी बांग्लादेशी टीम विमेंस टी-20 के इतिहास में भारत के खिलाफ सबसे छोटे स्कोर पर आउट हुई। टीम 17.5 ओवर में 51 रन पर ऑलआउट हुई। कप्तान निगर सुल्ताना (12 रन) के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज डबल डिजिट तक भी नहीं पहुंच सकी।

ऐसे गिरे विकेट

पहला : शठी रानी- 0 रन : पहले ओवर की पहली गेंद पर पूजा वस्त्रकार ने विकेटकीपर ऋचा घोष के हाथों कैच कराकर ओपनर साथी रानी को पवेलियन भेजा। दूसरा : शमीमा सुल्ताना- 0 रन : पहले ओवर की पांचवीं गेंद पर पूजा ने शमीमा सुल्ताना को एलबीडब्ल्यू आउट कर भारतीय टीम को दूसरी सफलता दिलाई। तीसरा : शोभना मोस्तारी- 8 रन : 4.5 ओवर में पूजा ने शोभना मोस्तरी को स्मृति मंधाना के हाथों कैच कराकर भारतीय टीम को तीसरी सफलता दिलाई। चौथा : शोरना अख्तर- 0 रन : 5.5 ओवर में तितास साधु ने शोरना अख्तर को क्लीन बोल्ड कर भारत को चौथी सफलता दिलाई। शोरना खाता भी नहीं खोल पाईं थी। पांचवा : निगर सुल्ताना- 12 रन: 7.3 ओवर में देविका वैद्य के सटीक थ्रो पर बांग्लादेश की कप्तान निगर सुल्ताना रन आउट हो गईं। उन्होंने 17 गेंद में 12 रन बनाए। छठा : फाहिमा खातून 0 रन: 7.6 ओवर में फाहिमा खातून भी रन आउट हो गईं। ऋचा घोष और शेफाली वर्मा ने उन्हें रन आउट किया। सातवां : राबिया खान- 3 रन: 10.5 ओवर में अमनजोत ने राबिया को क्लीन बोल्ड किया। राबिया ने नौ गेंद में तीन रन बनाए। आठवां : रितु मोनी- 8 रन: 12.5 ओवर में पूजा वस्त्राकर ने रितु मोनी को आउट कर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। नौवां : सल्ताना खातून- 3 रन: 16.3 ओवर में सल्ताना खातून को देविका वैद्य की गेंद पर ऋचा घोष ने उन्हें स्टंप आउट किया। दसवां : मारुफा अख्तर- 0 रन : 17.5 ओवर में राजेश्वरी गायकवाड़ ने मारुफा अख्तर को बोल्ड कर पवेलियन भेजा।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

बांग्लादेश महिला (प्लेइंग इलेवन): शमीमा सुल्ताना, साथी रानी, निगार सुल्ताना (विकेटकीपर/कप्तान), शोभना मोस्टोरी, रितु मोनी, मारुफा एक्टर, नाहिदा एक्टर, शोर्ना एक्टर, फाहिमा खातून, सुल्ताना खातून, राबेया खान।

भारतीय महिला (प्लेइंग इलेवन): स्मृति मंधाना (कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, कनिका आहूजा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, देविका वैद्य, अमनजोत कौर, पूजा वस्त्रकार, तितास साधु, राजेश्वरी गायकवाड़

दूसरा सेमीफाइनल- पाकिस्तान औरश्रीलंका - गेम्स में महिला क्रिकेट का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला पाकिस्तान और श्रीलंका के खेला जाएगा। इसे जीतने वाली टीम भी फाइनल में प्रवेश करेगी।

भारत ने उज्बेकिस्तान को 16-0 से रौंदा, सात भारतीय खिलाड़ियों ने दागे गोल, अब सिंगापुर से मुकाबला

हांगझोऊ ।

हांगझोऊ एशियाई खेलों में रविवार को भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पूल-ए के मैच में उज्बेकिस्तान को 16-0 से रौंद दिया। भारत के लिए इस मैच में सात खिलाड़ियों ने गोल दागे। इनमें संजय, ललित उपाध्याय, वरुण कुमार, शमशेर सिंह, सुखजीत सिंह, अमित रोहिदास, मनदीप सिंह और अभिषेक शामिल हैं। वरुण और ललित ने चार-चार गोल दागे, जबकि मनदीप ने तीन गोल किए। बाकी खिलाड़ियों ने एक-एक गोल किया। इस जीत के साथ भारत ने पूल-ए में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। अब टीम इंडिया का सामना मंगलवार को सिंगापुर से होगा। भारत के ग्रुप में उज्बेकिस्तान और सिंगापुर के अलावा जापान, पाकिस्तान और बांग्लादेश हैं। भारत ने पहले क्वार्टर में 2-0 की बढ़त बना ली थी। ललित (7वें मिनट) और वरुण (12वें मिनट) ने टीम इंडिया का खाता खोला था। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में टीम इंडिया ने पांच गोल दागे। इनमें अभिषेक (17वें मिनट), मनदीप (18वें मिनट, 27वें मिनट, 28वें मिनट) और ललित (24वें मिनट) के गोल शामिल हैं। हाफटाइम तक भारत 7-0 से आगे था। तीसरे क्वार्टर में भी टीम इंडिया ने पांच गोल दागे। इनमें वरुण (36वें मिनट), ललित (37वें मिनट), सुखजीत (42वें मिनट) और शमशेर (43वें मिनट) के गोल शामिल हैं। तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम 12-0 से आगे थी। इसके बाद चौथे और अंतिम क्वार्टर में टीम इंडिया ने चार गोल दागे। इस दौरान वरुण (50वें, 52वें मिनट), ललित (53वें मिनट) और संजय (57वें मिनट) ने गोल किए। भारतीय पुरुष हॉकी टीम स्वर्ण जीतने के साथ-साथ पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने के लक्ष्य के साथ एशियाई खेलों में उतरी है। भारतीय टीम विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है और एशियाई खेलों में वह सबसे अधिक रैंकिंग वाली टीम है। ऐसी स्थिति में हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम के लिए स्वर्ण पदक से कम का परिणाम निराशाजनक होगा।

भारत को विश्वकप विजेता बनने के लिए ऑस्ट्रेलिया को हराना होगा : गौतम गंभीर

मुंबई ।

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और 2011 विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ी गौतम गंभीर का मानना है कि अगर रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम को वर्ल्ड कप जीतना है, तब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका पहला मुकाबला सबसे महत्वपूर्ण होगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत 8 अक्टूबर को पांच बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा।

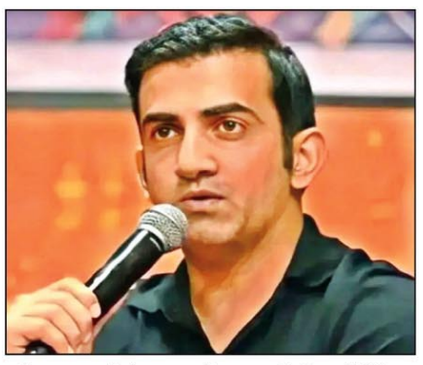

यह पहली बार है कि भारत पूरी तरह से वनडे विश्व कप की मेजबानी कर रहा है, जो प्रतियोगिता का 13वां संस्करण है। गंभीर ने कहा, मैंने हमेशा यह कहा है और इसमें कोई संदेह नहीं है कि यदि आप विश्व कप जीतना चाहते हैं, तब आपको ऑस्ट्रेलिया को हराना होगा। 2007 में जब हमने विश्व कप जीता था, तब टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। 2011 में जब हमने विश्व कप जीता था, तब हमने क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। ऑस्ट्रेलिया किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे मजबूत टीम है। रैंकिंग मत देखिए और रैंकिंग मायने नहीं रखती है। आप रैंकिंग में किसी भी स्थान पर हो सकते हैं, लेकिन जब विश्व कप की बात आती है, तब मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया सबसे खतरनाक टीम होती है। इस टीम के पास वास्तव में इसतरह के बड़े टूर्नामेंटों में अच्छी तरह से खेलने की क्षमता है।

गंभीर ने कहा, भारत ने जो तीन विश्व कप जीते, उनमें से दो बार हमें नॉकआउट चरण में ऑस्ट्रेलिया को हराना पड़ा। 2015 में हम ऑस्ट्रेलिया से हार गए थे और हम वर्ल्ड कप से भी बाहर हुए। इसलिए, मेरा मानना है कि इस साल विश्व कप जीतने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबला सबसे महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआत कर रहे हैं, इसलिए इससे बेहतर कुछ भी नहीं है।

इंग्लैंड ने आयरलैंड को 48 रन से हराया : दूसरे वनडे में सेंचुरी चूके जैक्स और सैम हैन; रेहान अहमद ने झटके 4 विकेट

नॉटिंघम ।

इंग्लैंड ने आयरलैंड को वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में 48 रन से हरा दिया। नॉटिंघम में पहले बैटिंग करते हुए इंग्लैंड ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 334 रन बनाए। विल जैक्स (94 रन) और सैम हैन (89 रन) सेंचूरी चूक गए। 335 रन के टारगेट के जवाब में आयरलैंड टीम 46.4 ओवर में 286 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम का कोई भी बैटर फिफ्टी नहीं लगा सका, वहीं इंग्लैंड से लेग स्पिनर रेहान अहमद ने 4 विकेट झटके। दूसरे वनडे में जीत के साथ इंग्लैंड ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। पहला वनडे बारिश के कारण बेनतीजा रहा था। वहीं तीसरा वनडे 26 सितंबर को ब्रिस्टल में खेला जाएगा।

ओपनर्स ने की फिफ्टी पार्टनरशिप - टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी इंग्लैंड को फिल सॉल्ट और विल जैक्स ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने छठे ओवर में ही टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचा दिया। 7वें ओवर में सॉल्ट 28 रन बनाकर आउट हो गए। इसी ओवर में कप्तान जैक क्रॉले खाता खोले बगैर ही विल यंग का शिकार हो गए।

डकेट-जैक्स ने सेंचुरी पार्टनरशिप की - 7वें ओवर में 2 विकेट गंवाने के बाद बेन डकेट और जैक्स ने सेंचुरी पार्टनरशिप की। डकेट 48 रन बनाकर आउट हुए और दोनों के बीच 102 रन की साझेदारी टूटी। विल जैक्स ने टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया, लेकिन 94 रन बनाकर वह स्पिनर जॉर्ज डॉकरेल का शिकार हो गए।

सैम हैन ने डेब्यू मैच में फिफ्टी लगाई - इंग्लैंड ने सैम हैन को डेब्यू कैप दी। उन्होंने अपने पहले ही मैच में 89 रन की पारी खेल दी। वह 50वें ओवर में आउट हुए और टीम का स्कोर 334 रन तक ले गए। हैन के अलावा जैमी स्मिथ ने 9, ब्रायडन कार्स ने 32, रेहान अहमद ने 6, टॉम हार्टले ने 12 और मैथ्यू पॉट्स ने 3 रन बनाए। आयरलैंड से जॉर्ज डॉकरेल ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। क्रैग यंग को 2 विकेट मिले, वहीं मार्क अडायर, जोश लिटिल और बैरी मैक्कार्थी ने 1-1 विकेट लिया।

आयरलैंड को मिली तेज शुरुआत - 335 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी आयरलैंड टीम की शुरुआत भी तेज रही। एंडी बालबर्नी और कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने 4 ओवर में ही 46 रन जोड़ लिए। चौथे ओवर में बालबर्नी 14 रन बनाकर आउट हो गए। अगले ओवर में स्टर्लिंग भी 25 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। ओपनर्स के बाद कर्टिस कैम्फर 9, हैरी टेक्टर 39, लॉर्कन टकर 11, एंडी मैक्ब्राइन 4 और मार्क अडायर 12 रन बनाकर आउट हो गए। टीम ने 157 रन के स्कोर पर 7 विकेट गंवा दिए। जल्दी विकेट गिरने के बाद लोअर ऑर्डर बैटर्स ने टीम के लिए रन बनाए। जॉर्ज डॉकरेल 43, बैरी मैक्कार्थी 41, जोश लिटिल 29 और क्रैग यंग ने 40 रन बनाए।

धोनी के लिए रन कोई मायने नहीं रखता, सिर्फ जीत को देते हैं अहमियत

नई दिल्ली ।

पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के लिए रन कोई मायने नहीं रखते, वह सिर्फ जीत को अहमियत देते हैं। गौरतलब है कि एमएस धोनी ने साल 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। उनके नाम भारत को 2 बार वर्ल्ड कप जिताने का रिकॉर्ड है। एमएस धोनी को लेकर अक्सर कई सारी बातें सामने आया करती है। कुछ दिन पहले गौतम गंभीर ने कहा था कि धोनी दूसरे बल्लेबाजों के लिए अपनी बैटिंग पोजीशन का बलिदान करते थे। वह 3 नंबर पर अच्छी बैटिंग करते थे। इसपर पूर्व क्रिकेटर श्रीसंत ने रिप्लाई करते हुए कहा है कि धोनी कभी भी अपनी बैटिंग पोजीशन में बदलाव नहीं करते थे। श्रीसंत ने कहा कि गौतम भाई ने हाल में कहा कि जब धोनी 3 नंबर पर बैटिंग करते थे तो ज्यादा रन बनाते थे। लेकिन मैं बताऊ तो धोनी के लिए रन कोई मायने नहीं रखता था। वह हमेशा जीत की तरफ देखते थे। जब भी टीम को जरुरत पड़ी है उन्होंने हमेशा मैच को फिनिश किया है। उन्होंने 2 वर्ल्ड कप भी जिताए हैं। श्रीसंत ने आगे कहा कि धोनी कभी भी अपनी बैटिंग पोजीशन का बलिदान नहीं करते थे। वह हर खिलाड़ी को उसके टैलेंट के अनुसार उसी पोजीशन पर बैटिंग कराते थे, जहां वह अच्छा खेल सके। उन्होंने अपनी कप्तानी में कई अच्छे खिलाड़ी भारत को दिए हैं। धोनी ने हमेशा से पहले टीम के बारे में सोचा है। बता दें कि गौतम गंभीर ने हाल में कहा था कि एम एस धोनी भारत के ऐसे विकेटकीपर थे, जो अपनी बैटिंग से गेम बदल सकते थे। हमें एक ऐसा कप्तान मिला था, जो 7 नंबर पर आकर मैच को जिता दे। मुझे लगता है कि वह हमेशा से अगर 3 नंबर पर बैटिंग करते तो वह वनडे क्रिकेट में कई बड़े रिकॉर्ड्स को तोड़ देते।

चोटिल नसीम ने साथी खिलाड़ियों से कहा, भाई मेरा कंधा ले जा

नई दिल्ली । पाकिस्तान की टीम एशिया कप 2023 में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले टूर्नामेंट का दावेदार माना जा रहा था, क्योंकि टीम रैंकिंग में नंबर-1 पर थी। लेकिन पहले सुपर-4 में भारत से 228 रन से हार मिली, फिर श्रीलंका ने भी पटखनी दे दी। 2 हार के चलते बाबर आजम की कप्तानी वाली पाकिस्तान की टीम टूर्नामेंट के फाइनल में भी जगह नहीं बना सकी। इस दौरान टीम को बड़ा झटका भी लगा। नसीम शाह का कंधा चोटिल हो गया और वे वर्ल्ड कप 2023 से भी बाहर हो गए। उनकी जगह हसन अली को मौका मिला है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 22 सितंबर को वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की। एशिया कप में खेलने वाले मोहम्मद हारिस को रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। टीम का ऐलान होने के बाद नसीम शाह ने निराशा जाहिर की। उन्होंने लिखा, यह काफी दुखद है कि मैं टीम का हिस्सा नहीं हूं। लेकिन मैं जल्द मैदान पर वापसी करूंगा। उनके पोस्ट पर जबाव देकर हारिस ने लिखा कि मजबूत रहो दोस्त। साथ में अपनी एक तस्वीर भी डाली, जिस पर लिखा, नसीम मेरा कंधा ले ले। मालूम हो कि 20 साल के नसीम नई गेंद से काफी घातक साबित होते हैं। नसीम 150 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी करने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अब तक 14 वनडे खेले हैं और 17 की औसत से 32 विकेट लिए हैं। 33 रन देकर 5 विकेट बेस्ट प्रदर्शन है। इकोनॉमी 4.68 की है। एशिया कप के दौरान ग्रुप राउंड के मैच में नसीम शाह ने भारत के खिलाफ 36 रन देकर 3 विकेट लिए थे। हालांकि सुपर-4 के मैच में वे विकेट लेने में नाकाम रहे थे और इस दौरान उनका कंधा भी चोटिल हो गया था। नसीम टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक तक ले चुके हैं। उन्होंने अभी तक 17 टेस्ट खेले हैं और 34 की औसत से 51 विकेट झटके हैं। 31 रन देकर 5 विकेट सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2 बार 4 और एक बार 5 विकेट लिया है। उन्होंने 19 टी20 इंटरनेशनल के मैच में भी 15 विकेट लिए हैं।

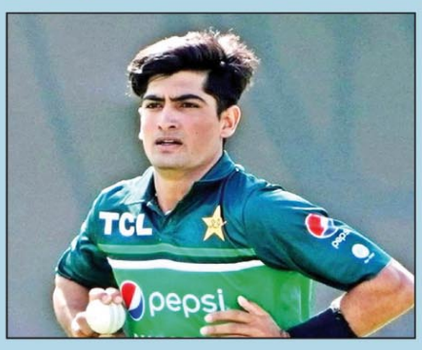

रोशनी छीन सकता है आईलाइनर लगाने का गलत तरीका

आईलाइनर आंखों की खूबसूरती में चार चांद लगा देता है। छोटी आंखें भी आईलाइनर लगा लेने भरी से और खूबसूरत लगने लगती हैं। लेकिन इसे लगाने का भी एक सही तरीका होता है। लगत तरीके से आईलाइनर नगाने से न सिर्फ मेकअप खराब होता है, बल्कि आपकी आंखों को काफी नुकसान पंहुचा सकता है। आई एंड कांटेक्ट लेंस जर्नल में प्रकाशित एक नए शोध के अनुसार यदि लेश लाइन की रेखा के भीतर आईलाइनर लगाया जाए तो ये नजर को धुंधला कर सकता है।

मोटे होने का सपना हुआ साकार

कहते है मोटापा हर किसी को परेशान करता है, लेकिन इस महिला का सपना ही था की वे मोटी हो जाए, दरअसल इस महिला का सपना था की वे दुनिया की सबसे मोटी महिला बने, जिसके चलते इस महिला ने 721 किलो का वजन बढ़ाकर खुद के लिए एक नई मुसीबत पैदा कर ली क्यूंकि इस महिला ने 10 साल तक हर दिन 13,000 कैलोरी खाकर खुद का वजन बड़ा लिया, जिससे इनका ब्रेकअप हो गया।

पास्ता खाने का शौक बना सकता है डिप्रेशन का मरीज

अगर आप पास्ता खाने के शौकीन हैं तो आपको सावधान होने की जरूरत है क्योंकि पास्ता खाने से आप डिप्रेशन के मरीज बन सकते है। जी हां, ज्यादा मात्रा में कार्बोहाइड्रेट आपके भीतर चिड़चिड़ापन और चिंता बढ़ा सकता है। एक रिसर्च के मुताबिक चावल और पास्ता जैसी खाने की चीजें आपको डिप्रेशन का शिकार बना सकती हैं, पर इस खतरे को अनाज और हरी सब्जियां कम कर सकती हैं।

क्या है गोलगप्पे की असलियत?

गोलगप्पे का नाम सुनते ही मुंह में पानी आने लगता है। चटाखेदार मसाला पानी, उबले आलू मटर से भरे गोल-गोल गोलगप्पों को बच्चे से लेकर बड़े सभी बहुत शौक से खाते हैं। चटपटे पानी से भरे इन गोलगप्पों को हर अवसर के मेन्यू में शामिल किया जाता है। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसे ज्यादा मात्रा में लेने से आपके शरीर का पाचन तंत्र भी प्रभावित होता है यह सूजी से भी बनाएं जाते है और आटे से भी। ये जायकेदार गोलगप्पे भारत के कई राज्यों में खाए जाते हैं और इन्हें हर जगह अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है।

गोलगप्पे के अलग-अलग नाम

दिल्ली शहर मे बिना सूजी के गोलगप्पे खाए और बिना चटपटा पानी पिए खरीददारी अधूरी लगती है। वहीं यह मुंबई में पानी पुरी के नाम से जाने जाते है और कोलकाता मे फुचके। इसके अलावा गुजरात के कुछ हिस्सों में इन्हें पकौड़ी भी कहा जाता है। यहां इसमें सेव और प्याज भी डाली जाती है। इसका पानी पुदीना और हरी मिर्च के पेस्ट से तैयार किया जाता है जो गाढ़ा होता है। चटक मसाले वाला पानी गोलगप्पे में डाल कर खाने का मजा ही कुछ और है लेकिन इसको बनाने की विधि शायद आप नहीं जानते हों। लेकिन आज हम आपको इसके बनाने का तरीका बताने वाले हैं, जिसको देखकर शायद आप गोलगप्पे खाना छोड़ दें और आपके मुंह में जो गोलगप्पों को देखकर पानी आ जाता है वह भी आना बंद हो जाएगा।

गोलगप्पे बनाने का गलत तरीका

जी हां गोलगप्पों के पीछे छिपी एक ऐसी सच्चाई जो अगर आपको पता चल जाए तो शायद आप अगली बार गोल गप्पे खाने की हिम्मत न कर सकें। और ऐसा देखकर ये तो पक्का है कि आपके मुंह में पानी नही आएगा लेकिन हां उबकाई जरूर आ सकती है। तो देर किस बात की आइए जानें क्या है वह सच्चाई। दरअसल हर गली मोहल्ले में बिकने वाले इस स्वादिष्ट गोलगप्पे को जिस आटे से तैयार किया जाता है उसे गूंथने के लिए काफी समय और मेहनत लगती है। इसे हाथों से गूंथना थोड़ा मुश्किल होता है इसलिए इसे बनाने वाले कारीगर इसे जमीन पर रखकर पैरों से गूंथते हैं। साथ ही गोलगप्पों का लजीज स्वाद आपकी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक हो सकता है। डीप फ्राई की हुई ये पूरियां आपके लिए पूरी तरह से हानिकारक हैं। क्योंकि इन्हें तलने के लिए बार-बार एक ही तेल का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा इसकी चटनी और पानी आपको पेट के लिए हानिकारक होते हैं। क्यों अब क्या कहना है आपका इन गोलगप्पों के बारे में! जी हां, आप इसे कितना भी साफ सुथरा मान लें लेकिन यह उतना साफ होता नहीं है। तो देर न करें बल्कि अपने परिवार के लोगों और दोस्तों के साथ भी इस जानकारी को शेयर करें, क्योंकि जिसे आप अच्छा समझ कर खा रहे हैं वह आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

ज्यादा डकार आना गंभीर बीमारियों का संकेत

जिस प्रकार हम सामान्य रूप से हवा अंदर लेते हैं तो उसी तरह वो बाहर भी निकलती है, जिसे हम डकार कहते हैं। अगर डकार ज्याद आए तो ये कई बार कुछ बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। यह एक प्राकृतिक क्रिया है और आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि खाया गया भोजन हजम हो जाने का डकार एक संकेत होता है। वास्तविकता में ऐसा नहीं है, जब खाना खाते समय या उसके बाद बार-बार डकार आए इसका मतलब है कि खाने के साथ ज्यादा मात्रा में हवा निगल ली गई है। यह पेट से गैस के बाहर निकलने का एक प्राकृतिक तरीका है, और अगर पेट से हवा बाहर न निकले तो यह पेट से संबंधित कई समस्याओं को जन्म दे सकती है, जैसे पेट में तेज दर्द या पेट में अफारा आदि। लेकिन अगर डकार ज्याद आए तो ये कई बार कुछ बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। तो चलिए जानें कि कैसे ज्यादा डकार आना हो सकता है किसी गंभीर बीमारी का इशारा -

ऐरोफेजिया होने पर

अकसर ऐसा होता है कि हम खाना खाते समय ज्यादा हवा पेट में निगल जाते हैं और फिर डकारें आने लगती हैं। इस स्थिति को ही ऐरोफेजिया की स्थिति कहते हैं। कुछ खाते या पीते समय हवा पेट में चले जाने से अकसर ऐरोफेजिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे समस्या से बचने के लिए छोटे निवाले लें और मुंह बंद करके धीरे-धीरे खाने को चबा कर निगलें।

बदहजमी की समस्या

जिन लोगों को बहुत ज्यादा डकार आती हैं, उनमें से लगभग 30 प्रतिशत लोगों को कब्ज की समस्या होती है। इस समस्या के होने पर खाने में उपयुक्त मात्रा में फाइबर शामिल करें और ईसबगोल का भी सेवन करें। इसके अलावा हाज़मा खराब होना, जिसे हम बदहज़मी कहते हैं, की वजह से भी ज्यादा डकार आने की समस्या होती है। ऐसे में डकार आने के साथ पेट में दर्द भी हो सकता है।

डिप्रेशन का संकेत

तनाव कई समस्याओं का अकेला कराण होता है। तनाव या किसी बड़े भावनात्मक परिवर्तन का प्रभाव हमारे पेट पर भी पड़ता है। कई अध्ययनों में भी ये बात सामने आई है कि लगभग 65 प्रतिशत मामलों में मूड में त्वरित व बड़ा बदलाव या तनाव का बढ़ना ज्यादा डकार आने का कारण बनता है।

जीइआरडी

गैस्ट्रोसोफेजिअल रिफ्लक्स डिजीज या सीने में तेज जलन के कारण भी ज्यादा डकार आती हैं। इस बीमारी से आंतों में जलन होने लगती है और आहार नलिका (फूट पाईप)में एसिड बनने लगता है। इसमें बचाव के लिए खानपान और जीवनशैली में कई सकारात्मक व स्वस्थ बदलाव करने की जरूरत होती है।

पेप्टिक अल्सर

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम होने पर रोगी को कब्ज, पेट दर्द, मरोड़ व दस्त आदि हो सकते हैं। साथ ही इस रोग का एक बड़ा लक्षण बहुत ज्यादा डकार आना भी हो सकता है। दुर्भाग्यवश इरिटेबल बाउल सिंड्रोम का कोई पक्का इलाज अभी तक मौजूद नहीं है। इस समस्या के अलावा पेप्टिक अल्सर के कारण भी ज्यादा डकारे आ सकती हैं। दरअसल जब आपके पाचन तंत्र को पेट की गैस से और एच.पायलोरी नामक बैक्टीरिया से क्षति पहुंचती है तो डकार आने लगती हैं।

अचानक कॉफी पीना बंद करने से बढ़ती है निगेटिविटी

इसमें कोई संदेह नहीं है कि कॉफी, डायबटीज, कैंसर और कई गंभीर बीमारियों को होने से बचाती है। कॉफी में एल्कॉयड होता है जिसकी वजह से ब्रेन सक्रिय रूप से कार्य करता है। एक कप कॉफी को सुबह-सुबह पीने के बाद आपको अच्छा महसूस होता होगा, फ्रैश लगता होगा। कई लोगों को दिन में कई बार या दो बार कॉफी पीने की आदत भी होती है। पर तब क्या होता है जब आप अचानक से कॉफी पीना बंद कर देती हैं या देते हैं, तब शरीर कैसे रिएक्ट करता है।

जब आप लम्बे समय तक कॉफी का सेवन करते आ रहे होते हैं और अचानक से उसे पीना छोड़ देते हैं, तो आपका शरीर एक असंतुलन महसूस करता है। इस वजह से उन दिनों आलस बना रहता है और दिन भर बोझिलता सी महसूस होती है। साथ ही व्यक्ति की प्रोडक्टिविटी भी कम हो जाती है। आप किसी प्रकार अपने दैनिक कार्यों को करने लग जाएंगे, लेकिन आपकी मानसिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ने लगेगा। आपको लगेगा कि अब आप पहले की तरह फास्ट तरीके से नहीं सोच पाते हैं। साथ ही आपको अपनी ऊर्जा में भी गिरावट महसूस होगी। बेहतर होगा कि आप उस समय मीठे फल अवश्य खाएं। ऐसे में एकदम कॉफी न छोड़ें। रात को सोते समय चाहें तो कॉफी पी लें। हर्बल टी भी सबसे अच्छा विकल्प है। इससे आपको रिलैक्स महसूस होगा और नींद भी अच्छी आएगी। साथ ही आप खुद को ऊर्जावान भी महसूस करेंगे।

अपने मनपसंद खाने को देखकर किसी का भी मन ललचा सकता है। और कभी-कभी अगर ज्यादा खा भी लिया जाए तो कोई बात नहीं, लेकिन अगर यह आदत बन जाए तो फिर आपको बार-बार भूख लगती है जो आपके लिए अच्छा नहीं हैं।

जानें क्यों लगती है बार-बार भूख...

मेडिकल भाषा में बार-बार भूख लगने को फूड एडिक्शन कहते हैं। रोजाना जरूरत से ज्यादा खाने को इस श्रेणी में रखा जा सकता है। फूड एडिक्शन एक तरह का इटिंग डिसऑर्डर है। इसमें लोगो को बार-बार भूख लगती है। हालांकि ज्यादातर लोग इसे गंभीरता से नहीं लेते, लेकिन इस पर अगर कंट्रोल न किया जाए, तो यह स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह भी साबित हो सकता है।

बिना भूख के खाना: बार-बार खाने की आदत होने पर व्यक्ति खाता ही चला जाता है। वह खाने पर पूरी तरह कंट्रोल खो बैठता है। बिना भूख के भी थोड़े-थोड़े समय के बाद वह खाना खाता ही रहता है। उसे भरा हुआ पेट अच्छा लगने लगता है। पहले का खाना थोड़ा सा डाइजेस्ट होते ही वह दोबारा खा लेता है। कई बार तो वह खाना डाइजेस्ट होने का इंतजार भी नही करता और दोबारा खा लेता है।

एनर्जी लेवल: फूड एडिक्शन की एक खास वजह न्यूरोबायलॉजिकल इम्बैलेंस है। एक बार इसका लेवल बॉडी में गिरता है, तो व्यक्ति को कमजोरी महसूस होती है। वह फिर से खाना शुरू कर देता और फिर उसे बॉडी में एनर्जी बनाए रखने के लिए हमेशा खाना पड़ता है।

हालांकि, बार-बार खाने वाला व्यक्ति अपनी इस आदत से गिल्ट महसूस करता रहता है, लेकिन सिचुएशन ऐसी बन जाती है कि वह चाहकर भी कुछ नहीं कर सकता।

वजन बढ़ना व मोटापा: फूड एडिक्शन से वजन बढ़ना व मोटापा होता है। वजन बढ़ने से कई और बीमारियां आपको जकड़ लेती है। जैसे शरीर की काम करने की क्षमता कम हो जाती है और आप जल्दी थकने लगते हैं।

ब्लड में कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना: वह न चाहते हुए भी कई चीजें ऐसी ज्यादा खा लेता है जिनके ज्यादा खाने से कोलेस्ट्रॉल का खतरा बढ़ जाता है और इससे दिल का दौरा, हृदयघात जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

विदेशी भाषा में खास कैरियर

लीक से हटकर करियर के बहुत सारे ऐसे विकल्प भी होते हैं, जहां अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा का ज्ञान फायदेमंद हो सकता है। अगर आपको नई भाषाएं सीखना पसंद हैं, तो आप विदेशी भाषाओं को सीखकर उनमें अपना करियर बना सकते हैं। आज भारत के विभिन्न देशों से बढ़ते व्यापारिक एवं पर्यटन संबंधों ने देश के युवाओं के लिए सुनहरे भविष्य का रास्ता खोल दिया है। वैश्विक परिदृश्य में लगातार भारत में विदेशियों की आवाजाही बढ़ी है। दिन-प्रतिदिन बढ़ते वैश्वीकरण के चलते भारत में विदेशों से बहुत काम आ रहा है। इसके लिए कंपनियों को ऐसे लोगों की जरूरत है, जिन्हें विदेशी भाषाओं का अच्छा ज्ञान हो। किसी भी भाषा का पुख्ता ज्ञान आपकी सफलता में सहायक सिद्ध हो सकता है। अब यह पुरानी बात हो गई कि जब अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में ही करियर बनाया जा सकता था। जर्मन, चाइनीज, स्पेनिश, फ्रेंच और अरबी भाषाओं की अंतरराष्ट्रीय बाजार में बड़ी मांग रहती है। किसी भी विदेशी भाषा का कोर्स करने के लिए किसी खास विषय या स्ट्रीम से जुड़े होने की बाध्यता नहीं है।

अवसरों का खजाना

इस क्षेत्र में कई तरह के अवसर उपलब्ध हैं, जिनमें टूअर आपरेटर ऑनलाइन विषय लेखक, तकनीकी ट्रांसलेटर, डिकोडर, इंटरप्रेटर एवं ट्रांसलेटर आते हैं। विदेशी भाषाओं में शैक्षिक योग्यता टूरिज्म, मनोरंजन, जनसंपर्क एवं अन्य जनसंचार माध्यम, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, एंबेसी, डिप्लोमेटिक सेवाएं, प्रकाशन और बीपीओ क्षेत्रों में करियर बनाने में महत्त्वपूर्ण साबित होती है। टूरिज्म एवं कॉल सेंटर ऐसे क्षेत्र हैं जहां विदेशी भाषा के कुशल ज्ञान ने करियर के नए आयाम विकसित किए हैं। सरकारी कामों में फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश और जापानी के अलावा पश्तो, उज्बेक, ताजिक और पुर्तगाली जानने वालों की भी आजकल काफी मांग है। अनुवादक एवं दुभाषिए से संबंधित नौकरियों के अलावा सचिव, एग्जीक्यूटिव और जनसंपर्क में भी रोजगार की असीम संभावनाएं हैं।

कोर्स के लिए योग्यता

इस कोर्स के लिए 12वीं होना अनिवार्य है । अलग-अलग संस्थान के लिए सीमाएं अलग-अलग है। प्रवेश परीक्षा से लेकर किसी में कट ऑफ लिस्ट या फिर सीधे दाखिले का भी चयन है। कई छात्रों का मानना है कि अगर उनकी अंग्रेजी अच्छी है तभी वे इस कोर्स में दाखिला ले सकते हैं लेकिन ऐसा सोचना गलत है। अगर आप हिंदी भाषा में निपुण हैं तो भी आप विदेशी भाषा को सहजता से सीख सकते हैं। बस आपकी किसी भी एक भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है और आपकी बातचीत का अंदाज अच्छा होना चाहिए ।

काम के हिसाब से वेतन

इस क्षेत्र में वेतन कार्य के हिसाब से मिलता है। अगर आप शिक्षण के क्षेत्र में कार्य करना चाहते हैं, तो 25 से 30 हजार तक मासिक वेतन मिलता है। ट्रांसलेटर को 100 से 150 रुपए प्रति पेज के हिसाब से मिलते हैं। इंटरप्रेटर को घंटों के हिसाब से मेहनताना मिलता है। सरकारी संस्थानों में इंटरप्रेटर को 20 हजार तक मासिक वेतन मिलता है। विदेशी भाषा में करियर बनाने का अलग ही आनंद और आकर्षण है। विदेशी भाषा जानने से आप उस देश की संस्कृति और रहन-सहन से भी परिचित होते हैं। विदेशी भाषा के ज्ञान द्वारा उस देश के बारे में जानने का अवसर मिलता है। और तो और आपके विदेश जाने के अवसर बढ़ जाते हैं। विदेशी भाषा को सीखने के बाद सबसे बड़ी खूबी यह है कि आप कभी काम की कमी महसूस नहीं करेंगे। कोई भी कंपनी आपको हाथोंहाथ काम देगी।

डिग्री के साथ संवाद क्षमता

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए डिग्री के साथ-साथ संवाद की बेहतर क्षमता का होना जरूरी है। इसके लिए भाषा और संस्कृति का ज्ञान आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कंपनियों के व्यवसाय का विस्तार होने से मांग बढ़ेगी। तकनीकी और फार्मास्यूटिकल कंपनियां, कार कंपनियां सभी जगह विदेशी भाषा के विशेषज्ञों की जरूरत पड़ रही है।

प्रमुख संस्थान

- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- जेएनयूए नई दिल्ली
- आगरा विश्वविद्यालय, आगरा
- बीएचयू, वाराणसी
- कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता
- पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
- उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा
- पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
- लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

तीन तरह के कोर्स

सर्टिफिकेट कोर्स	अवधि दो साल
डिप्लोमा कोर्स	अवधि दो साल
डिग्री कोर्स	अवधि तीन साल

- बहुत से संस्थानों में बेसिक लेवल और एडवांस्ड लेवल दोनों ही कोर्स करवाए जाते हैं।
- इनमें स्नातकोत्तर डिग्री भी ली जा सकती है।

किस भाषा का है चलन

यूं तो विदेशी भाषा में कई भाषाएं शामिल हैं, जिनमें जापानी, अरैबिक, चाइनीज, स्पेनिश आदि शामिल हैं लेकिन अधिक चलन फ्रेंच और जर्मन भाषा सीखने का है । कई संस्थान ऐसे भी हैं जो केवल फ्रेंच या जर्मन भाषा ही सिखाते हैं और आप यहां से डिप्लोमा से लेकर एडवांस डिप्लोमा, डिग्री और चाहें तो मास्टर्स भी कर सकते हैं। इन भाषाओं में कोर्स करने के बाद आपके सामने रोजगार का खुला आसमान होता है।

रेसिपी

मुह्हामर्रा

सामग्री

3/4 कप कटे हुए अखरोट, 1 टी-स्पून कटा हुआ लहसुन, 3/4 कप ताज़े ब्रेड क्रम्ब्स, 2 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टुकड़ो में तोड़ी हुई, 1 टेबल-स्पून अनार के दाने, 5 टेबल-स्पून जैतून का तेल, नमक स्वादअनुसार, **परोसने के लिए:** हर्बड पीटा स्ट्रिप्स

विधि

सूखी लाल मिर्च को उपयुक्त मात्रा के गरम पानी में डालकर एक बाउल में रखें, ढक्कन से ढककर 15 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। अच्छी तरह छान लें। लाल मिर्च के साथ, सभी सामग्री को मिलाकर मिक्सर में पीसकर मुलायम मिश्रण बना लें। कम से कम 1 घंटे के लिए फ्रिज में रखकर, हर्बड पीटा स्ट्रिप्स् के साथ ठंडा परोसें।

नाचनी पनीर पॅनकेक

सामग्री

1 कप रागी/नाचनी का आटा, 1/2 कप कसा हुआ लो-फैट पनीर, 2 टेबल-स्पून बेसन, 1 टी-स्पून तिल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 1/4 कप कटा हुआ हरा धनिया, 1 टी-स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1/2 टी-स्पून अदरक का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार, **चुपड़ने और पकाने के लिए:** 2 1/2 टी-स्पून तेल, **परोसने के लिए:** हरी चटनी

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में लगभग 1 कप पानी के साथ अच्छी तरह मिला लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करे और द टी-सपून तेल से चुपड़ लें चम्मच भर घोल डालकर गोल घुमाते हुए 125 मिमी (5) व्यास के आकार का पॅनकेक बना लें। द टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें। हरी चटनी के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम** ● **फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**